RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 139
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 मार्च, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कंगना ने दी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि
विविध-12

घरेलू उड़ानों पर भी ब्रेक पंजाब-चंडीगढ़ में कर्फ्यू

दस लोगों की मौत, कोविड-19 पॉजिटिव मामलों की संख्या 500 के करीब पहुंची

- प्रधानमंत्री ने की लॉकडाउन को गंभीरता से लेने की अपील, केजरीवाल ने जताई सहमति
- 25 मार्च को वाराणसी के लोगों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये करेंगे बात, कोरोना को हराने के लिए योगी ने मांगा जनता से सहयोग

कोरोना संकट गहराया

दिल्ली-गाजियाबाद सीमा पर आवागमन रोकने के लिए पुलिस ने लगाए बैरिकेड्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस का संकट गहराता जा रहा है। भरसक ऐहतियात और कड़े उपायों के बावजूद मरने वालों की संख्या 10 हो गई है जबकि कोविड 19 पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 500 के करीब पहुंच गया है। विकट होती स्थिति पर काबू पाने की हरसंभव कोशिश में जुटी केंद्र सरकार ने रेल-बस के बाद उड़न सेवाओं पर भी ब्रेक लगा दिया है। नागर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार मध्यरात्रि से 31 मार्च तक देश भर में सभी घरेलू उड़ानों पर पाबंदी लगा दी है लेकिन कार्गो उड़ानों पर कोई रोक नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है। इस बीच, कोरोना के खिलाफ जंग में कड़े तेवर अपनाती महाराष्ट्र और पंजाब सरकार ने कर्फ्यू लागू कर दिया है जबकि चंडीगढ़ में आज मध्यरात्रि से कर्फ्यू लग जाएगा।

दिल्ली समेत देश के 19 राज्य लॉकडाउन हैं और शेष में अधिकांश जिले बंद कर दिए गए हैं। हरियाणा, हिमाचल, कर्नाटक और गुजरात ने भी आज अपने सभी जिलों को लॉकडाउन कर दिया है और राजस्थान सरकार ने निजी वाहनों के चलने पर रोक का ऐलान किया है। कुल मिलाकर आधा भारत तालाबंदी की स्थिति में है, आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए सीमाएं सील कर दी गई हैं लेकिन कोरोना के मरीज बढ़ते ही जा रहे हैं।

पिछले चौबीस घंटे में देश में 90 नए मामले सामने आए जबकि संक्रमितों की संख्या बढ़कर 490 हो गई है। सर्वाधिक 97 मामले महाराष्ट्र में मिले और 95 की संख्या के साथ केरल दूसरे व 31 मरीजों के साथ यूपी तीसरे स्थान पर है। यूपी के कानपुर में सोमवार को कोरोना का पहला मरीज पाया गया जबकि पश्चिम बंगाल के कोलकाता और हिमाचल प्रदेश में पहली मौतें हुई है। इन दोनों राज्यों में दो व्यक्ति कोरोना की चपेट में आकर जान गंवा बैठे हैं। (शेष पेज 9)

शेयर बाजार में मचा हाहाकार

मुंबई/नई दिल्ली। कोरोना वायरस के प्रकोप से सोमवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। बंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक (सेंसेक्स) 3935 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 1135 अंक की गिरावट दर्ज की गई। मार्च महीने में दूसरी बार सेंसेक्स ने लोअर सर्किट को हिट किया जिसके कारण बाजार को आधे घंटे के लिए बंद कर दिया गया। एक ही दिन में निवेशकों को 8 लाख करोड़ रुपयों का जबर्दस्त नुकसान उठाना पड़ा। अनुमान है कि मौजूदा हालात में अर्थव्यवस्था में 3.5 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है जिसका सीधा असर बड़े रोजगार संकट के रूप में दिखेगा।

दिल्ली के बजट में कोरोना से लड़ने के लिए 50 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में घातक रूप ले रहे कोरोना वायरस से निपटने के लिए बजट में 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में 2020-21 के लिये बजट पेश करते हुए यह ऐलान किया। बजट पेश करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह बजट ऐसे समय में पेश किया जा रहा है जब पूरी दुनिया कोविड-19 कोरोना वायरस से जूझ रही है। इस बीमारी से निपटने के लिए जितने रुपयों की जरुरत होगी, सरकार मुहैया कराएगी। उन्होंने ऐलान किया कि दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस के लिए अपने बजट में 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आम आदमी पार्टी के पिछले महीने विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद सत्ता में आने के पश्चात यह पहला बजट है। इसी दौरान कोरोना वायरस की चपेट में दिल्ली भी आ गई और यहां सोमवार तक 28 केस पॉजिटिव आ चुके हैं। एक व्यक्ति की मौत इस बीमारी से हुई है। फिलहाल पूरे शहर में लॉकडाउन है।

आयुष्मान भारत योजना दिल्ली में भी हुई लागू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आयुष्मान भारत योजना को अब दिल्ली में भी लागू कर दिया गया है। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के चलते आप सरकार ने सोमवार को यह बड़ा फैसला लिया। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने बजट सत्र के दौरान इस संबंध में घोषणा की है। केंद्र की इस योजना को अब तक अरविंद केजरीवाल सरकार राजधानी में अपनाने से बच रही थी।उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राजधानी दिल्ली की सरकार का अगले वित्त वर्ष के लिए 65,000 करोड़ रुपये का बजट विधान सभा में पेश किया। सरकार ने अगले वित्त वर्ष में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 7,704 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना या आयुष्मान भारत योजना 25 सितंबर 2018 से चल रही है। इसके तहत देश के 10 करोड़ से अधिक परिवारों के लगभग 50 करोड़ लोगों को सालाना 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिलता है। इस योजना के तहत इलाज के कुल 1,354 पैकेज हैं, जिनमें कैंसर सर्जरी और कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, हार्ट बाइपास सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की सर्जरी, दांतों की सर्जरी, आंखों की सर्जरी और एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी जांचें भी शामिल हैं।

एम्स ने ओपीडी सेवाएं अगले आदेश तक रोकीं

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अगले आदेश तक ओपीडी सेवाएं बंद कर दी गई हैं। यह निर्देश दिल्ली समेत देश के सभी एम्स पर लागू होगा। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में उन जगहों को बंद किया जा रहा है जहां लोग एक साथ भारी संख्या में एकत्र होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एम्स ने यह फैसला लिया है। एम्स ने 24 मार्च से आगामी आदेश तक विशेष सेवाओं समेत ओपीडी, सभी नये और पुराने मरीजों का रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया है। इससे पहले एम्स ने कोविड 19 महामारी पर नियंत्रण के लिये अपने संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर 23 मार्च से मरीजों का नियमित वाकइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन अस्थायी तौर पर निलंबित करने का फैसला लिया था। नये परिपत्र में कहा गया है कि एम्स अस्पताल और सभी केंद्रों पर सभी नये और पुराने मरीजों के रजिस्ट्रेशन और विशेष सेवाओं समेत सभी ओपीडी सेवायें रोक दी गई हैं। एम्स ने बीते शुक्रवार को परिपत्र जारी कर सभी गैर जरूरी सर्जरी और उपचार स्थगित करने का फैसला किया था। इसमें निर्देश दिया गया था कि 21 मार्च से सिर्फ जीवनरक्षक आपात सर्जरी ही की जायेंगी।

लॉक डाउन की उड़ीं धज्जियां, धड़ल्ले से बाहर निकले लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना संक्रमण की चिंता छोड़ पटना में एक बस की छत पर तक सवार हो गए लोग

कोरोना वायरस से चीन और ईरान पस्त हो चुके हैं। इटली, स्पेन समेत पूरा यूरोप बेबस और अमेरिका जैसा मजबूत देश भी लाचार नजर आ रहा है, लेकिन भारत में लोग अभी इस घातक बीमारी को बेहद हल्के में रहे हैं और लॉकडाउन तथा सरकार के अन्य दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। सोमवार को देश के ज्यादातर हिस्सों में लॉकडाउन था, इसके बावजूद दिल्ली-एनसीआर समेत कोलकाता, मुम्बई, पुणे, चंडीगढ़ समेत तमाम शहरों में लोग सड़कों और बाजारों में निकले। महानगरों को जोड़ने वाले हाईवे और एक्सप्रेसवे जाम हो गए। मंडियों से जुड़ी षहरी सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। हालात को काबू करने में कई जगह पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा तो कई शहरों में चालान काटे और जुर्माना लगाया। प्रधानमंत्री ने राज्यों से नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करने को कहा है।

राजधानी दिल्ली की सीमाएं सुबह 6 बजे से ही सील कर दी गई थीं। इसके बावजूद लॉकडाउन जिस मकसद से किया गया था वह फेल होता नजर आया, क्योंकि अपने गांव-कस्बों को लौटने वालों की पैदल, कार, (शेष पेज 9)

कोरोना से विश्वभर में 15 हजार से अधिक मौतें

पेरिस (एएफपी)। दुनिया में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या सोमवार को 15 हजार से अधिक हो गई। इस घातक महामारी के चलते अब तक कुल 15,189 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में सबसे ज्यादा 5,476 मौत हुई हैं, जबकि चीन में 3,270, स्पेन में 2,182 लोगों की जान ले ली है। इस महामारी के आधिकारिक रूप से घोषित 1,72,238 मामलों में से पिछले 24 घंटे में1,395 लोगों की मौत हुई है। यूरोप में अब यह विषाणु सर्वाधिक तेज गति से फैल रहा है।

दिल्ली में कर्फ्यू के संकेत, जरूरी सेवाओं के लिए जारी किए जाएंगे पास

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के शहरों में कर्फ्यू लगाने के संकेत मिल रहे हैं। दिल्ली और नोएडा प्रशासन ने सोमवार शाम को जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को कर्फ्यू पास जारी करने के आदेश दिए हैं, ताकि उन्हें देखकर आगे बढ़ने की इजाजत दे दी जाए। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए संक्रमण के प्रकोप से बचने के लिए राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में 31 मार्च तक लॉकडाउन है, लेकिन सोमवार को जिस तरह लोगों ने लॉकडाउन का उल्लंघन किया, उसके बाद सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। लॉकडाउन के दौरान प्राइवेट बसें, टैक्सी, रिक्शा, ई-रिक्शा समेत सभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट बंद हैं। वहीं, पुलिस (शेष पेज 9)

दिल्ली हाईकोर्ट और जिला अदालतें चार अप्रैल तक बंद

- जरूरी केस पर बहस वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी, एनजीटी में भी सभी मामलों की सुनवाई स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस से एहतियात बरतते हुए दिल्ली हाईकोर्ट और सभी जिला अदालतों में चार अप्रैल तक सुनवाई पर रोक लगा दी गई है। बहुत ही जरूरी मामलों का उल्लेख रजिस्ट्रार या संयुक्त रजिस्ट्रार के सामने फोन पर किया जाएगा। इन मामलों में सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली आठ न्यायाधीशों की समिति की ओर से लिए गए फैसले की जानकारी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से जारी अधिसूचना में दी गई है। दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच देश में भी इस खतरनाक वायरस के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। भारत में ही 415 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं और इस महामारी से 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इस वायरस से बचाव को लेकर लगातार लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) की अपील की जा रही है। दिल्ली समेत देशभर में हर जगह भीड़ को कम करने और लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी के मद्देनजर दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अपने और यहां की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के काम पर चार अप्रैल तक रोक लगा दी है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय राजधानी में किए गए लॉकडाउन को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सभी लंबित मामलों की सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी। एनजीटी ने इसको लेकर सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है, 'हाल ही में कोरोना वायरस फैलने को देखते हुए सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि 31 मार्च तक सभी लंबित मामलों को स्थगित कर दिया गया है।' एनजीटी में जिन मामलों की सुनवाई 23 और 25 मार्च को होनी थी, उन्हें 13 जुलाई तक टाल दिया गया है, 26 और 27 मार्च के लिए सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई 14 जुलाई को होगी और जिन मामलों की सुनवाई 30 और 31 मार्च को होनी थी उन्हें 15 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बाजार

सेंसेक्स	25,981 ⇩	3,935
निफ्टी	7,610 ⇩	1,135
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

अनिश्चितकाल तक संसद का बजट सत्र स्थगित

नई दिल्ली। कोरोना संकट से उत्पन्न हालात के कारण संसद का बजट सत्र अपने निर्धारित कार्यक्रम से पहले सोमवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और इससे पहले वित्त विधेयक को बिना चर्चा के पारित कराकर बजट प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया। संसद का यह बजट सत्र दोनों सदनों की 31 जनवरी को संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति अभिभाषण के साथ शुरू हुआ था और इसे तीन अप्रैल तक चलना था। सत्र की अवधि घटाए जाने के कारण 31 में से केवल 23 बैठकें ही हो पाईं। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने निचले सदन की बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में बजट सत्र के दौरान हुए कामकाज पर पूर्ण रूपेण संतोष जताया।

सुप्रीम कोर्ट परिसर बंद, वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की महामारी को देखते हुए उच्चतम न्यायालय परिसर को तत्काल प्रभाव से बंद करने का सोमवार को निर्णय लिया गया। फिलहाल सारे अत्यावश्क मामलों की सुनवाई वीडियो कांफ्रेन्स या फिर स्काइप के माध्यम से होगी। उच्चतम न्यायालय के वकीलों के संगठनों ने यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन और उच्चतम न्याालय एडवोकेट्स ऑन रिकार्ड के पदाधिकारियों के साथ सोमवार को न्यायमूर्ति एल (शेष पेज 9)

न्यायालय का जेलों में भीड़ कम करने पर विचार करने का राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों को सोमवार को निर्देश दिया कि कोरोना वायरस की महामारी के खतरे को देखते हुए जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने और उन्हें पैरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा करने पर विचार करें जिन्हें सात साल तक की कैद हुई है या सात साल तक की सजा के आरोप में विचाराधीन कैदी हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों का होना चिंता की बात है, खासकर इस महामारी के दौर में यह ज्यादा चिंता का विषय है। संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार के संदर्भ में शीर्ष अदालत ने कहा कि (शेष पेज 9)

शिवराज ने चौथी बार पहना मुख्यमंत्री का ताज

- रात नौ बजे अकेले ली मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल

भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार रात को एक बार फिर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें शपथ राज्यपाल लालजी टंडन ने दिलाई। इसी के साथ उन्होंने चौथी बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने का इतिहास रच लिया है। उन्होंने अकेले ही शपथ ली। उनके मंत्रिमंडल के किसी भी सदस्य ने आज शपथ नहीं ली। यहां राजभवन में रात नौ बजे हुए शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल टंडन ने उन्हें मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। देश एवं विश्व में चल रहे कोरोना वायरस के खतरे के चलते कार्यक्रम को संक्षिप्त एवं सामान्य रखा गया। इसमें निवर्तमान मुख्यमंत्री कमलनाथ के अलावा चुनिंदा विधायक उपस्थित थे। शपथ लेने के तुरंत बाद शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार रात कोरोना वायरस संक्रमण को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि हम सब मिलकर इसपर विजय पाएंगे। चौहान ने कहा, आज कोरोना वायरस के चलते अलग हालात हैं। मैं आप सबके प्रति आभार प्रकट करता हूं। परंतु आज के परिदृष्य में कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए हाथ मिलाना और पुष्प गुच्छ स्वीकार करना उचित नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, मैं आप सबको हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। आपकी भावना के फूल मेरा उत्साह बढ़ाते हैं, मेरी ऊर्जा बढ़ाते हैं। परन्तु हम सब उस पर मिलकर विजय पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आप सबने जनता कर्फ्यू को सफल बनाया। यह कोरोना वायरस के संक्रमण श्रृंखला को तोड़ने में मददगार सिद्ध होगा। चौहान ने कहा, हमारा दायित्व है कि हम अपने बुजुर्गो का विशेष रूप से ध्यान रखें। समयसमय पर शासन द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का अक्षरत: पालन कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। आप सबको प्रणाम। इसके बाद वह राजभवन से सीधे बल्लभ भवन (मंत्रालय) चले गए।

पूजा-अर्चना के साथ राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू

- कल से अस्थायी गर्भगृह में विराजेंगे रामलला

कमलेश श्रीवास्तव। अयोध्या

बहुप्रतीक्षित राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गयी। गर्भगृह से निकलकर रामलला 25 मार्च को अस्थायी मंदिर में विराजमान हो जायेंगे, जिसके लिए विधि विधान के साथ पूजन अर्चन शुरू हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव ट्रस्टी चम्पत राय ने बताया कि ट्रस्टी डॉ.अनिल मिश्र एवं राजा विमलेन्द्र मोहन मिश्र ने यजमान के रूप में पूजन अर्चन शुरू किया। पूजन अर्चन के साक्षी पदेन ट्रस्टी डीएम अनुज झा एवं विधायक वेद प्रकाश गुप्ता बने। दिल्ली के आचार्य कृतकांत शर्मा के नेतृत्व में अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी के 15 वैदिक विद्वानों द्वारा पूजन अर्चन कराया जा रहा है, जो 25 मार्च तक जारी रहेगा। अस्थाई बुलेटप्रूफ मंदिर में रामलला की शिफ्टिंग पूजन अर्चन के साथ राम मंदिर निर्माण का प्रथम चरण प्रारम्भ हो गया है। अयोध्या राज परिवार के तरफ से रामलला को विराजमान करने के लिए 9 किलो 500 ग्राम चांदी का सिंहासन जयपुर से मंगवाकर भेंट किया गया। शिफ्टिंग पूजन 23 मार्च सोमवार की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में प्रारंभ हो गया। 25 मार्च को ब्रह्म मुहूर्त में चैत्र मास की नवरात्र के पहले दिन रामलला अपने बुलेट प्रूफ अस्थाई मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। चंपत राय ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते अधिक लोगों की भीड़ ना इकट्ठा हो इसके लिए अयोध्या के साधु संतों को भी सूचित नहीं (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 मार्च, 2020

धारा 144 लागू फिर भी खुल रहीं फैक्ट्रियां

कर्मचारियों ने फैक्ट्रियां बंद करने के लिए किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

सोनीपत के कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में आज भी कई फैक्ट्रियां कानून की धारा 144 के चलते अभी तक बंद नहीं हुई हैं। हालांकि सोनीपत में लॉकडाउन भी घोषित किया गया है। कर्मचारियों ने फैक्ट्रियां बंद कराने की मांग को लेकर जीटी रोड पर प्रदर्शन भी किया है।

जीटी रोड पर प्रदर्शन करते फैक्ट्रियों के कर्मचारी।

सोनीपत के कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में आज भी फैक्ट्रियां चल रही हैं। जिसे अभी तक बंद नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने फैक्ट्रियां बंद कराने की मांग को लेकर रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना वायरस के चलते फैक्ट्री को बंद किया जाना चाहिए, ताकि कर्मचारी सुरक्षित रहें। जीटी रोड पर प्रदर्शन कर रहे हैं फैक्ट्री कर्मचारियों का आरोप है कि कोरोना वायरस के मद्देनजर सोनीपत में लॉकडाउन किया गया है, लेकिन यहां मालिक ने फैक्ट्री को बंद नहीं किया है।

अगर कोरोना वायरस अधिक फैल जाता है तो उसे संभालना बेहद ही मुश्किल होगा। मिली जानकारी के अनुसार जाखौली के एमओ जितेन्द्र टीम के साथ कोरोना वायरस के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। अभियान के तहत जितेन्द्र टीम के साथ लिवासपुर स्थित एक गुटखा बनाने वाली कंपनी में गए थे, लेकिन कंपनी कर्मियों ने उन्हें अंदर नहीं आने दिया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद बहालगढ़ पुलिस टीम के साथ फैक्ट्री पहुंची, जहां लॉकडाउन के बाद फैक्ट्री श्रमिकों द्वारा कार्य किया जा रहा था। यहां ये बतां दें कि जिला प्रशासन द्वारा सोनीपत जिले में लॉकडाउन घोषित कर रखा है। जिलाधीश डॉ. अंशज सिंह ने सभी निजी कॉर्पोरेट इकाइयों, फैक्ट्रियों को भी बंद करने के आदेश दिए हुए हैं। बिना अनुमति के इन्हें खोला नहीं जाएगा।

साप्ताहिक बाजार, शॉपिंग मॉल, शॉपिंग सेंटर को भी बंद रखा जाएगा, केवल इशेंशियल सेवाओं वाली इकाइयों को खोलने की अनुमति है। ऐसी सेवाओं के लिए भी सावधानी बरतना जरूरी किया है। जिलाधीश ने स्पष्ट किया कि औद्योगिक इकाइयों में वे इकाइयां खुली रहेगी, जिनमें खाद्य वस्तुओं और मास्क व हेंड सेनेटाइजर का निर्माण किया जाता है। इनसे संबंधित पैकेजिंग इंडस्ट्रीज और दवा कंपनियों को भी अनुमति दी गई है।

करनाल में धारा 144 उल्लंघन मामले में तीन एफआईआर दर्ज

करनाल। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि कोरोना वायरस को लेकर जिले में धारा-144 लगाई गई है। 22 मार्च को उल्लंघन करने करने पर तीन के खिलाफ धारा में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि एक मामला मेरठ चौक पर पांच से अधिक व्यक्ति एक जगह इकट्ठे हुए थे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार एएसआई लक्ष्मण सिंह ने कार्रवाई करते हुए कर्मबीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसका नम्बर 197 है। इसी प्रकार सेक्टर-4 के पीछे हैरिटेज लॉन में 20 से अधिक लोग इकट्ठे होने पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार हवलदार विनोद कुमार सेक्टर-4 ने उपेन्द्र के खिलाफ पर्चा दर्ज किया। एक शराब के ठेके पर 291 माल्टा शराब की बोतले मिली, थाना सदर में मेरठ वासी परमानंद व शिव कॉलोनी निवासी जोगिन्द्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

पूरे शहर को सेनिटाइज करेंगे नगर परिषद के कर्मचारी : विधायक सुधा

विधायक ने शहर के सेनिटाइजेशन कार्य का किया शुभारम्भ

नप ने शहर सेनिटाइज करने के लिए खरीदे 100 स्प्रे पंप

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कर्मचारियों को संबोधित करते विधायक सुभाष सुधा।

थानेसर विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए नगर परिषद कार्यालय द्वारा शहर को सैनिटाइज करने के लिए 100 नए पम्प खरीदे गए हैं, इन पम्पों से करीब 150 कर्मचारी आगामी दिनों में निरंतर शहर में सेनिटाइजर का छिड़काव कर शहर को सेनिटाइज करेंगे। सभी कर्मचारी इस कार्य को पूरी ईमानदारी से करेंगे, ताकि शहर को पूरी तरह से सेनिटाइज किया जा सके।

उन्होंने मीडिया के साथियों का भी कोरोना वायरस के बारे में जागरूक करने के लिए धन्यवाद किया। वे सोमवार को नगर परिषद कार्यालय से शहर को सेनिटाइज करने के कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के बाद कर्मचारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस एक महामारी के रुप में पूरे विश्व में फैल चुकी है। इसलिए इससे बचाव के लिए पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पूरे शहर का सेनिटाइज करने के लिए नगर परिषद द्वारा 100 स्प्रे पंप खरीदे गए हैं और कर्मचारी शहर के हर वार्ड और सेक्टर की सड़कों और गलियों को सेनिटाइज करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर वार्डों और सेक्टरों की मुख्य सड़कों पर फायर ब्रिगेड और जहां पर बड़ी गाड़िया नहीं जा सकती हैं, छोटी गलियों आदि में स्प्रे पम्प के माध्यम से छिड़काव किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से घबराने की जगह इससे बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बताई गई जरूरी सावधानियां अपनाएं। इस मौके पर भाजपा युवा नेता साहिल सुधा, नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी बीएन भारती, सैनेटरी इंसपेक्टर रुप रविन्द्र सिंह, केडीबी सदस्य सौरव चौधरी, समाज सेवी नरेन्द्र धींगड़ा आदि मौजूद रहे।

प्रशासन व सरकार का सहयोग करें संगत : बाबा सतनाम

कुरुक्षेत्र। नीलधारी संप्रदाय के प्रमुख बाबा सतनाम सिंह (राजा जोगी) ने कहा कि देश-दुनिया पर कोरोना वायरस के भयंकर बीमारी के संकट से निपटने के लिए संगत को प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। सरकार व प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमों का समर्थन करने आह्वान संगत से करते हुए उन्होंने कहा कि यह भयंकर बीमारी है, जिसका संक्रमण रूक नहीं रहा। इसलिए हमें अधिक से अधिक सावधानियां बरतनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा बताए गए एतिहात हमें करने होंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा साहिबान में जाने वाली संगत भीड़ का रूप धारण न करें और एक-एक करके नतमस्तक होने का प्रयास करें, तांकि गुरु घर में भीड़ न हो और इस बीमारी पर नियंत्रण करने में प्रशासन की सहायता की जा सकें। इस मौके पर बीबी गुरनाम कौर, बीबा अर्पणा कौर, गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान जसवंत सिंह व महासचिव शमशेर सिंह आदि मौजूद रहे।

20 से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने लोगों की सुरक्षा व स्वास्थ्य के मद्देनजर महामारी रोग अधिनियम-1897 के तहत आदेश पारित कर जिले की सीमा में जिम, स्वीमिंग पुल, नाइट क्लब, सिनेमा हाल व 20 से अधिक व्यक्ति की भीड़ के साथ किसी भी प्रकार का कोई आयोजन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वीकृत सूची में शामिल सभी निजी, कॉरपोरेट संस्थान व फैक्ट्री छोड़ कर अन्य को बंद रखने के आदेश दिए हैं। यह आदेश 31 मार्च तक लागू रहेंगे।

जिलाधीश ने आदेशों में बताया है कि जिला की सीमा में सभी लॉज, बार, मल्टीप्लेक्स, पारिवारिक मनोरंजन सेंटर, फन फेयर व किसी भी प्रकार की भीड़ जमा करने पर प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, खेल, सेमिनार, कांफ्रेंस जैसे कार्यक्रमों में 20 से अधिक लोग जमा नहीं हो सकते। धार्मिक कार्यक्रमों में भी भीड़ जमा नहीं की जा सकती। इस दौरान स्कूल कालेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग सेंटर व अन्य शिक्षण संस्थान भी बंद रहेंगे।

अधिकारियों के दबाव में बिजली कर्मचारी पहुंचे रहे कॉलोनियों में

कोरोना वायरस के चलते सरकार और प्रशासन द्वारा लोगों को घरों में ही रहने के आदेश दिए जा रही है। यही नहीं, शिक्षण संस्थानों के कर्मचारी भी घर से ही बैठ कर अपना काम करेंगे। ऐसे में बिजली निगम के अधिकारियों पर इन आदेशों कोई खास असर नहीं दिख रहा। सरकार व प्रशासनिक आदेशों के बावजूद बिजली निगम के अधिकारियों द्वारा कर्मचारिों को उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने के लिए भेजा रहा है। यहां तक कि सुरक्षा के लिए कर्मचारियों को कोई भी सेनिटाइजर दिया जा रहा है और न ही कोई मास्क। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों को निगम के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने के लिए जबरदस्ती भेजा जा रहा है।

देश कभी नहीं भुला सकता वीर सपूतों की कुर्बानी : अंकित गुप्ता

शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते एडवोकेट अंकित गुप्ता व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा प्रदेश अग्रवाल वैश्य सम्मेलन के जिलाध्यक्ष एडवोकेट अंकित गुप्ता ने शहीदी दिवस पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए । उन्होंने छत्तीसगढ़ के नक्सली हमले पर शोक प्रकट किया और शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंकित गुप्ता ने बताया कि आज के दिन 23 मार्च 1931 को भारत देश की आजादी की जंग लड़ते हुए भारत माता के इन तीनों सपूतों ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया और देश के लिए अपनी जान दी। भारत ऐसे वीरों की कुर्बानी कभी नहीं भुला सकता। उन्होंने बताया कि सरकार के हिदायत व कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए शहीदों को अपने घरेलू कार्यालय में परिवार सहित श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सुभाष गुप्ता, सीमा गुप्ता, निशू गुप्ता, आराध्या अग्रवाल ने शहीदों को पुष्प अर्पित किए।

हवन-यज्ञ कर मनाया शहीदी दिवस

रादौर। इंकलाब मन्दिर में सोमवार को शहीदी दिवस मनाया। वीर शहीदो की आत्मिक शांति और राष्ट्र शांति सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने हवन-यज्ञ किया। हर वर्ष होने वाले शहीदी दिवस के बड़े कार्यक्रम कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते रद्द कर दिये गये हैं। जिसके बाद इंकलाब मन्दिर की टीम ने हवन में आहुतिया डालकर विश्व के लिए मंगल कामना की। एडवोकेट वरयाम सिंह के नेतृत्व में इंकलाब मन्दिर की टीम द्वारा पूरे इंकलाब मन्दिर को सैनेटाइजरिंग किया। गेट पर हैंडवॉश और सैनेटाइजरिंग की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में शहीद प्रेमी भी सरकार के आदेशों की पालना करते नजर आए। इंकलाब मन्दिर के संस्थापक वरयाम सिंह ने बताया कि देश की आजादी के लिए 23 मार्च 1931 को शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु और शहीद सुखदेव ने बलिदान दिया था।

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लगाई ड्यूटी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जिलाधीश ने 21 अधिकारियों की ड्यूटी लगाई

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी के मद्देनजर जिलाधीश डा. अंशज सिंह ने अपने आदेशों में जिला में कोरोना वायरस रोकने के लिए और कानून की अनुपालना के लिए जिले में निगरानी रखने के लिए 21 अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

जिलाधीश डॉ. अशंज सिंह ने अपने आदेशों में कहा कि सोनीपत थाना शहर क्षेत्र के लिए चार टीमों का गठन किया है। जिसमें तहसीलदार सोनीपत विकास कुमार, थाना शहर क्षेत्र में नायब तहसीलदार सोनीपत बलवान सिंह, थाना शहर क्षेत्र सोनीपत में बीडीपीओ सोनीपत मनीष मलिक, थाना शहर क्षेत्र सोनीपत में ईटीओ सोनीपत तरुण लाम्बा, सिविल लाइन क्षेत्र सोनीपत के लिए पांच टीमों का गठन किया है। जिसमें नायब तहसीलदार खरखौदा प्रेम प्रकाश, थाना सिविल लाईन क्षेत्र सोनीपत में बीडीपीओ खरखौदा नरेश छिक्कारा, थाना सिविल लाईन क्षेत्र सोनीपत में ईटीओ सोनीपत असीम सिवाच, थाना सिविल लाईन क्षेत्र सोनीपत में ईटीओ सोनीपत सतपाल कादयान, थाना सिविल लाइन क्षेत्र सोनीपत में ईटीओ सोनीपत प्रताप कुण्डू, थाना सदर क्षेत्र सोनीपत में एक टीम का गठन किया है जिसमें ईटीओ सोनीपत त्रिलोक सिंह, थाना क्षेत्र गन्नौर में तहसीलदार गन्नौर रविन्द्र हुड्डा, थाना शहर क्षेत्र गोहना में दो टीमों का गठन किया है, जिसमें तहसीलदार गोहाना रोशनलाल, थाना शहर क्षेत्र गोहाना में नायब तहसीलदार गोहाना ओमप्रकाश तथा थाना सदर क्षेत्र गोहाना में बीडीपीओ कथुरा अनिल कुमार, थाना क्षेत्र बरोदा में बीडीपीओ मुडलाना पुनम चंदा, थाना क्षेत्र मोहाना में बीडीपीओ गोहाना मनोज कुमार, औद्योगिक क्षेत्र बड़ी में नायब तहसीलदार गन्नौर राजबीर, औद्योगिक क्षेत्र कुंडल में बीडीपीओ राई जितेन्द्र कुमार, औद्योगिक क्षेत्र राई में नायब तहसीलदार राई वेदपाल, थाना क्षेत्र मुरथल में नायब तहसीलदार खानपुर कलां सतीश कुमार, थाना क्षेत्र खरखौदा में तहसीलदार खरखौदा अनिल कुमार की टीम रहेगी। इसके अलावा जिला के सभी उपमंडल अधिकारियों को उनके उपमंडल क्षेत्र के लिए ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया है।

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

इंकलाब का संदेश आज भी देश की शोषित जनता को मुक्ति का रास्ता बताने वाला है

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

शहीद भगत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद नारेबाजी करते मंच के पदाधिकारी।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के 90वें शहादत दिवस पर शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान कुरुक्षेत्र में जन संघर्ष मंच हरियाणा ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मंच के प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह, महासचिव सुदेश कुमारी, जिला प्रधान संसार चंद्र, निर्माणकार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के प्रधान करनैल सिंह व मनरेगा मजदूर यूनियन के उपप्रधान नरेश कुमार ने शहीदों को अपनी क्रांतिकारी श्रद्धांजलि पेश की। संस्थान में स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

फूल सिंह और सुदेश कुमारी ने कहा कि आज के दिन अंग्रेजों ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी थी, वे अंग्रेजों से लड़ते लड़ते शहीद हुए थे। शहीद भगत सिंह ने कहा था कि अंग्रेजों के राज के खात्मे के बाद यदि सत्ता भारत के पूंजीपतियों के हाथ में जाती है, तो देश के मजदूर मेहनतकशों को सच्ची आजादी नहीं मिलेगी, शहीद भगत सिंह एक ऊंचे दर्जे के समाजशास्त्री और वैज्ञानिक सोच के व्यक्तित्व थे, उनका बताया इंकलाब का संदेश आज भी देश की शोषित पीड़ित जनता को मुक्ति का रास्ता बताने वाला है।

देश में जाति व धर्म के नाम पर फैलाए जा रहे वैमनस्य का इलाज शहीद भगत सिंह के विचार हैं। विश्व भर में फैले कोरोना वायरस के कारण फैली महामारी पर चिंता जाहिर करते हुए मंच नेताओं ने कहा कि कोरोना वायरस से फैली इस महामारी का चीन देश में दिसंबर 2019 में पता चला थ और दुनिया के अनेक देशों ने इससे बचने के लिए अस्पताल व टेस्ट आदि की मुफ्त व्यवस्था की, परंतु खेद की बात है कि मोदी सरकार ने इस मामले पर घोर लापरवाही का परिचय दिया है। इसी वजह से कोरोना का कहर देश के विभिन्न हिस्सों में फैल रहा है। भारत में यह वायरस विदेश से आए व्यक्तियों से फैला है, यदि समय रहते एयरपोर्ट या अस्पतालों में टेस्ट किए जाते तो यह पूरे देश में नहीं फैलता। आज भी सरकार ने कोई कारगर प्रबंध नहीं किया है, मोदी सरकार द्वारा निजी अस्पतालों को कोरोना टेस्ट करने के लिए 4500 रुपये तक की फीस वसूलने की छूट देना अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। ऐसे कठिन दौर में यह न सिर्फ आम जन की लूट का साधन है, बल्कि जनता के स्वास्थ्य के साथ घिनौना खिलवाड़ है। स्पेन जैसे देश ने तो इस संकट की घड़ी में निजी अस्पतालों का राष्ट्रीयकरण कर दिया है, लेकिन मोदी सरकार निजी अस्पतालों द्वारा जनता को लूटने का प्रबंध कर रही है।

शहीदों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य : सुरेंद्र माजरी

कुरुक्षेत्र। जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र कश्यप माजरी ने कहा कि शहीदों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। जो व्यक्ति शहीदों को सम्मान नहीं करता, उन्हें राष्ट्र प्रेमी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों को भी सम्मान मिलना चाहिए। वे शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिल कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। आग्रेनिक कंपनी कुरुक्षेत्र के एमडी सुरेंद्र कश्यप ने कहा कि हमें अपने शहीदों को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों ने देश को आजाद करवाने के लिए जीवन का बलिदान दिया, जिसे कभी बुलाया नहीं जा सकता। इससे पहले उन्होंने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। इस मौके पर मंजू वर्मा, सीमा रानी, सपना देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

शहीदों का सम्मान ही देश भक्ति : गुरप्रीत सिंह

कुरुक्षेत्र। शहीदी दिवस पर देश के अमर वीर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। नम्बरदार पिपली गुरप्रीत सिंह ने कहा कि हमें अपने शहीदों को याद रखना चाहिए। उन्होंने देश के लिए हंसते-हंसते अपनी कुर्बानी दी और आज उन्हीं की बदौलत हम आजाद देश में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में मानवता के दुशमन कोरोना महामारी के रूप में मानव जीवन को नुकसान पहुंचा रहा है। हमें अपने परिवारों के बीच में ही रह कर, बाहर न घूम कर और अन्य सावधानियां बरत कर इस पर विजय हासिल करनी होगी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वें सरकार व प्रशासन का सहयोग दें।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना संकट के बीच रक्तदान कर बचाई मां-बच्चे की जान

सोनीपत। जब देश व दुनिया कोरोना वायरस की वजह से घरों में बंद है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील से सोनीपत व पानीपत में भी लॉकडाउन है। इस बीच लड़सौली गांव निवासी एक महिला को बच्चा होने के दर्द हुए, जिस वजह से परिवार ने आनन-फानन में गन्नौर के निजी हॉस्पिटल में महिला को दाखिल कराया। मामला किन्ही वजह से गंभीर बताते हुए डाक्टर ने तुरंत ऑपरेशन करने की बात। डाक्टर ने परिवार के सदस्यों को रक्त लाने के लिए बोला। महिला का रक्त एबी नेगिटिव पाया। जिस वजह से परिवार की चिंता बढ़ गयी। उन्हें सोशल मीडिया के जरिये पता चला कि पानीपत के एक ब्लड बैंक में एक यूनिट ब्लड मिल सकता है तो वहां से परिवार खून लेकर आया, लेकिन डाक्टर ने एक यूनिट और लाने की बात कही। महिला का पति सोनीपत के निजी ब्लड बैंक पहुंचा तो वहां पता चला कि ब्लड बैंक में यह ग्रुप नहीं है। इसके बाद ब्लड बैंक से संस्था मां भारती रक्तवाहिनी के सचिव प्रेम गौतम को फोन किया। प्रेम गौतम ने तुरंत नियमित रक्तदाता व गऊसेवक योगेश हिन्दू से संपर्क किया। योगेश ने तुरन्त ब्लड बैंक पहुंच कर रक्तदान किया और मां व बच्चे का जीवन बचाया।

लॉकडाउन से घबराएं नहीं बल्कि अपने समय का सदुपयोग करें

सोनीपत। समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने कहा कि सभी लोग सरकार की हिदायतों का पालन करें और 31 मार्च तक अपने घरों में ही रहे। बेहद ही जरूरी कार्यों के लिए बाहर निकलें। प्रशासन द्वारा सोनीपत जिले में 31 मार्च तक घोषित किए गए लॉकडाउन का निखिल मदान ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से बचने के लिए आज एक ही इलाज है कि हम सब लोग एक दूसरे से न मिलें और संक्रमण को फैलने से रोके। निखिल मदान ने सपरिवार ताली बजाकर सभी मेडिकल इंडस्ट्री के डॉक्टर्स, नर्स और अन्य सहयोगी लोगों का भी धन्यवाद किया जो पूरी मेहनत से कोरोना पीड़ित लोगों के इलाज में लगे हुए है। निखिल मदान ने कहा कि इस लॉकडाउन में घबराएं नहीं और न ही किसी तरह की अफवाह पर ध्यान दें। बाजारों में बेहद जरूरी चीजों की दुकानें खुली रहेगी। इसलिए लोग बाजारों में भीड़ करने से बचे और अपने परिवार को पूरा समय दे। बच्चों के साथ विभिन्न इंडोर गेम जैसे बैडमिंटन और कैरम इत्यादि खेलें। घर में मौजूद पेड़ पौधों को पानी दे। निखिल मदान ने कहा कि लॉकडाउन में विभिन्न तरह की किताबें भी पढ़ी जा सकती हैं, जिनसे लोगों की सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिलता है।

संकट की घड़ी में जरूरतमंदों को बांटा खाना

सोनीपत। कोई व्यक्ति भूखा न रहे मुहिम के तहत सोमवार को सेफ इंडिया फाउंडेशन, भारत विकास परिषद गोविंद शाखा द्वारा संचालित गोविंद रसोई के सदस्यों ने संकट की इस घड़ी में जरूरतमंद लोगों को खाना पैक कराकर वैन द्वारा बांटा। फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाईके त्यागी ने लोगो से अपील की कि अगर आप की नजरो में ऐसा कोई जरूररतमंद व्यक्ति भूखा है तो कृपा हमें बताएं और इस मुहिम में कोई साथ देना चाहे तो हमें संपर्क करें। उन्होंने कहा कि कोरोना की वजह से पूरे सोनीपत में भंडारे आदि बंद हो गए हैं और जरूरतमंद लोगों को कही भी खाना नहीं मिल रहा। इसलिये सेफ इंडिया फाउंडेशन ने डीसी अंशज सिंह की मंजूरी लेकर यह अभियान चलाया। अभियान के तहत रोजाना सुबह 10 बजे और शाम 6 बजे फाउंडेशन के सदस्य खुद अलग-अलग क्षेत्र में जाकर लोगों को भोजन के पैकेट देंगे और किसी को भूखा नहीं सोने देंगे। इस दौरान खाना बांटने में रामकुमार जिंदल बल्लू, कपिल गोयल, बिजेंद्र गोयल, महेंद्र, सुभाष लाकड़ा आदि मौजूद रहेंगे।

कोरोना के खात्मे को किया हवन

कुरुक्षेत्र। कोरोना वायरस के चलते भगवान श्री ब्रह्मा मंदिर कुरुक्षेत्र में हवन यज्ञ किया गया। संघ संचालक पंडित शिव नारायण दीक्षित ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैली इस महामारी को रोकने हेतु हमें जगह जगह पर ओंकार महायज्ञ करने चाहिए। ओंकार यज्ञ स्थान पर निराकार परब्रह्म ओंकार भगवान की दिव्य ऊर्जा का संचार होता है और यज्ञ से उत्पन्न दिव्य ऊर्जा से शारीरिक व मानसिक व आत्मिक शुद्धि होती है। यह विज्ञान ने भी माना है यज्ञ से पर्यावरण पूरी तरह से शुद्ध होता है और यज्ञ ऊर्जा से हानिकारक व जहरीले बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं तथा संक्रमण जन्य रोगों से शीघ्र मुक्ति मिलती है, इससे प्राणवायु शुद्ध होती है वायु शोधन हेतु यज्ञ अति आवश्यक है। वसुदेव कुटुंबकम अर्थात समस्त पृथ्वी हमारा परिवार है को मानते हुए हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस महामारी को दूर करने के लिए एक ही दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने घरों में हवन यज्ञ करने चाहिए। सबसे उत्तम औषधि ओंकार यज्ञ से उत्पन्न ऊर्जा है हवन यज्ञ की भषम औषधियों में सबसे अच्छी औषधि है, हवन यज्ञ संसार का मूल है यज्ञ चिकित्सा को सर्वमान्य सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

सन्निहित सरोवर पर जुटी श्रद्धालुओं की भीड़, प्रशासन में हड़कंप

कुरुक्षेत्र। कोरोना वायरस को लेकर प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के बावजूद धर्मनगरी के सन्निहित सरोवर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए। श्रद्धालुओं ने न सिर्फ सरोवर में स्नान किया, बल्कि वहां पिंडदान करने की रस्म भी अदा की। हुआ यूं कि सोमवार सुबह चौदस होने के कारण अचानक श्रद्धालुओं की भीड़ सन्निहित सरोवर पर जुटने लगी और देखते ही देखते वहां सैकड़ों लोगों का जमावड़ा लग गया। प्रशासन की नाक तले श्रद्धालुओं का यहां पहुंच कर स्नान करने के बाद पिंडदान करना, अधिकारियों की लापरवाही का परिणाम है। इस बात का जब प्रशासन को पता लगा, तो अधिकारियों में हड़कंप मंच गया और आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक टीम ने लोगों को समझाकर वहां से भेजा। मगर इस काम के लिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उधर कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन पर भी इस समय सैकड़ों मजदूर काम कर रहे है, जिनके पास न तो मास्क है और न ही सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध। हालांकि सरकार द्वारा कोरोना वायरस को लेकर लॉकडॉन कर दिया है, लेकिन इसके विपरीत रेलवे स्टेशन पर जो हालात देखने को मिले, वे हैरान करने वाले थे। मजदूरों के पास न तो सैनिटाइजर मिले और न ही उनके पास मास्क थे। ऐसे में यह लापरवाही लोगों पर भारी पड़ सकती हैं।

लॉकडाउन के बीच बजट पेश, मेट्रो के लिए खोला खजाना

विधानसभा में दिखा कोरोना का असर, मास्क पहनकर आए सदस्य, ऐहतियातन दूर-दूर बैठे

संजय राय। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार सोमवार को विधानसभा में दिल्ली का बजट 2020-21 पेश किया। 65000 करोड़ के बजट में मेट्रो के लिए खजाना खोलती राज्य सरकार ने चौथे फेज के लिए 2400 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। अपनी पहली प्राथमिकता वाली क्षेत्रों शिक्षा और स्वास्थ्य को भी इस बार खासी अहमियत दी है।

पिछली बार की तुलना में इस बार दिल्ली का बजट 5000 करोड़ रुपए अधिक है। बजट पेश किए जाने के साथ उसे पारित करने की भी औपचारिकता तुरंत पूरी की। विधानसभा का बजट सत्र करीब 90 मिनट की बैठक के बाद संपन्न हो गया। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए बजट पेश किया। इस दौरान सदस्य सदन में दूर-दूर बैठे नजर आए। आम आदमी पार्टी के पिछले महीने विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद सत्ता में आने के बाद यह उसका पहला बजट है। वित्तमंत्री मनीष सिसोदिया ने बजट पेश करते हुए कहा कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय पिछले पांच साल में 44 प्रतिशत बढ़ी है। सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हर स्कूल में डिजिटल कक्षाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बजट में अगले वित्त वर्ष में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 7,704 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए वर्ष 2020- 21 के बजट में 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस बजट में दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज के निर्माण के लिए 2400 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि अवंटित की गई है। इससे मेट्रो के विस्तार गति मिलने के साथ लाखों यात्रियों को लाभ मिलेगा। राजधानी में सीसीटीवी लगाने के लिए 250 करोड़ रुपए दिए गए, जबकि, परिवहन में सुधार के लिए डीटीसी को 250 करोड़ और क्लस्टर बसों के लिए 1100 करोड़ की राशि तय की गई है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में अब मुख्यमंत्री आवास योजना पर तेजी से काम होगा। इसके तहत जरूरतमंद लोगों को किफायती दर पर मकान उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही राजधानी में लगातार गिरता भूजल स्तर पर चिंता जताते हुए सरकार ने बजट में भूजल स्तर में सुधार के लिए 50 करोड़ का प्रावधान किया है।

वहीं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में मुख्यमंत्री मोहल्ला सुधार योजना शुरू होगी। इस पर 100 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना लागू करने का भी ऐलान किया है, जिसमें 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज कराया जा सकेगा। 2020-21 के लिए बजट में 17 नए स्कूल बनाने के साथ 90 स्कूलों को सिंगल शिफ्ट में किए जाने का भी प्रस्ताव किया है। इसके अलावा सरकार ने फैसला लिया है कि वह दिल्ली वालों को बिजली में दी जा रही सब्सिडी अगले वित्त वर्ष में भी जारी रखेगी, इसके लिए कुल 2820 करोड़ रुपए की राशि रखी जाएगी जबकि, राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में बजट पेश करते उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया। फोटो : रंजन डिमरी

एक मीटर की दूरी पर बैठे विधायक

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव के चलते सोमवार को विधानसभा में विधायक भी दूर-दूर बैठे दिखाई दिए। इसके लिए विधायकों के लिए 18 कुर्सियां भी अलग से लगाई गई थीं। इसी के साथ पूरी विधानसभा को सैनिटाइज भी किया गया था। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन में भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने बोलने की अनुमति मांगी थी, लेकिन विधानसभा ने अनुमति नहीं दी। इस पर भाजपा नेता ने हंगामा किया, लेकिन बाद में शांत हो गए। वहीं, विधानसभा का सत्र शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष रामबीर सिंह बिधूड़ी ने सफाई कर्मियों का बकाया वेतन देने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि वेतनमान नहीं मिलने की स्थिति में सफाईकर्मियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली के स्कूलों में होगी पैरेंटिंग वर्कशॉप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने ऐलान किया कि पीटीएम के साथ-साथ पैरेंटिंग वर्कशॉप भी आयोजित किया जाएगा। शिक्षा में सुधार के लिए दिल्ली के लिए अपना राज्य बोर्ड बनेगा, ताकि इसमें नई-नई चीजों का समावेश किया जा सके। बजट में इस बार भी शिक्षा पर खासा जोर दिया है।

डिजिटल क्लासरूम के लिए सौ करोड़ होंगे खर्च

वित्त मंत्री सिसौदिया ने बजट पेश करने के दौरान कहा कि हैप्पीनेस क्लास और उद्यमिता व देश भक्ति के कोर्स को बढ़ावा दिया जाएगा। बड़ी कक्षाओं को अखबार उपलब्ध कराया जाएगा। बच्चों को अंग्रेजी बोलने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पर 12 करोड़ की राशि खर्च होगी। डिजिटल क्लासरूम बनाने पर 100 करोड़ खर्च किये जायेंगे साथ ही 20 हजार नए क्लासरूम भी बनाए जाएंगे।

कोरोना से मरने वालों को दी गई श्रद्धांजलि

विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत में ही कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई। इस दौरान कोरोना वायरस से जिन लोगों की मौत हुई है उनके लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने इस महामारी को लेकर कहा कि बिना जन सहयोग इससे निपटना मुश्किल है।

एनजीटी ने स्थगित की लंबित केसों की सुनवाई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय राजधानी में किए गए लॉकडाउन को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सभी लंबित मामलों की सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी। एनजीटी ने इस बाबत परिपत्र जारी किया।

परिपत्र में कहा गया, सक्षम प्राधिकार के अनुसार, हाल ही में कोरोना वायरस फैलने को देखते हुए सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि 31 मार्च तक सभी लंबित मामलों को स्थगित कर दिया गया है। जिन मामलों की सुनवाई 23 और 25 मार्च को होनी थी, उन्हें 13 जुलाई तक टाल दिया गया है, 26 और 27 मार्च के लिए सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई 14 जुलाई को होगी और 30 व 31 मार्च को सुनवाई को 15 जुलाई तक टाला गया है।

ग्रेनो वेस्ट में कोरोना वायरस से संक्रमित मिले मां और बेटे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट की निराला ग्रीनशायर सोसायटी को सील किया है। इस हाउसिंग सोसायटी में रविवार को दो नोवल कोरोना वायरस से संक्रमित मिले थे। संक्रमण की शिकार मां और उसके बेटे को ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इसी के साथ जिला प्रशासन ने अन्य लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सोसायटी को पूरी तरह सील कर दिया है।

वहीं स्वास्थ्य विभाग और ग्रेनो अथॉरिटी की टीमों ने सोसायटी को पूरी तरह सैनिटाइज किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर जिलाधिकारी दिवाकर सिंह ने बताया कि ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-2 में निराला ग्रीनशायर सोसायटी है। इस हाउसिंग सोसायटी में एक महिला व उसका बेटा रहता है जो हाल ही में डेनमार्क की यात्रा से लौटा है। जिन्हें स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 14 दिनों तक घर में ही क्वारेंटाइन रहने के लिए कहा गया था। वहीं महिला पहले से ही बीमार रहती हैं। ऐसे में दोनों के सैंपल कोरोना संक्रमण की जांच के लिए भेजे गए थे। रविवार को आई जांच में दोनों कोरोना संक्रमित पाए गए। जिसके बाद दोनों को ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है।

सोमवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में प्रशासन द्वारा सील किया गया निराला ग्रीन शायर सोसायाटी। फोटो : दीपक यादव

निराला ग्रीनशायर सोसायटी को किया सील

सोसायटी सोमवार सुबह 10 बजे से बुधवार 25 मार्च शाम 7 बजे तक सील रहेगी। इस दौरान सोसायटी में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि इस दौरान कोई आदेशों का उल्लंघन करता पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आइसोलेशन वार्ड बनाने की पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरद्वारा प्रबन्धक समिति ने कोरोना वायरस से पीडि.तों के इलाज के लिए गुरुद्वारा मंजनू का टिला में बीस बेड की सराय को आइसोलेशन वार्ड में तब्दील करने पेशकश की है। समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में यह अनुरोध किया है। सिरसा ने कहा की बीस बेड की सराय में कर कमरे में अलग से टॉयलेट, बाथरूम की सुविधा है। सभी कमरों में एयर कंडीशन से लैस हैं।

यमुना नदी के तट पर बनी यह सराय गुरद्वारा परिसर के अन्दर हैं। साथ ही पूरी तरह से सुरक्षित और मेडिकल सुविधाएं मुहैया कराने के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा की इसके अलावा मेडिकल स्टाफ, डॉक्टर नर्सों आदि के लिए गुरद्वारा समिति अलग से रहने की सुविधाएं भी प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि संक्रमित मरीजों और डॉक्टर, नर्स व पैरामेडिकल स्टाफ को मुफ्त लंगर और पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है। इस संकट की घड़ी में गरीब तबके के लोगों को मुफ्त खाना देने के लिए गुरद्वारा समिति ने दिल्ली सरकार तथा इसके इलाज से जुडी संस्थाओं को दस लाख खाने के पैकेट प्रदान करने का फैसला किया है।

उन्होंने बताया समिति ने जरूरतमंदों को लंगर व अन्य सुविधाए पहुंचाने की पहल करते हुए संक्रमण रोकने के लिए कई कदम उठाये हैं। जिसके तहत सभी गुरद्वारा परिसरों को चिकित्सा मापदण्डों के अनुरूप रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मणिपुर की लड़की से बदसलूकी, केस दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पूर्वोत्तर की लड़की के साथ नस्लीय हमले का मामला सामने आया है। एक युवक ने मणिपुर की महिला को कोरोना कहकर चिढ़ाया और उन पर थूक दिया। सीएम केजरीवाल ने इस घटना पर संज्ञान लिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

कोरोना कहकर चिढ़ाने का मामला उत्तरी दिल्ली के विजय नगर क्षेत्र का है। रविवार रात यह घटना हुई इसमें पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने आईपीसी की धारा 509 के तहत केस दर्ज किया है। शिकायत में एक शख्स ने उस पर थूका और 'कोराना' भी कहा। घटना की कड़ी निंदा करते हुए सीएम केजरीवाल ने लिखा कि मुझे यह पढ़कर हैरानी हुई। पुलिस जल्द गुनाहगार को पकड़े व सख्त एक्शन ले।

विधायक ने सरकार को दिया 4 माह का वेतन

नोएडा। जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने कोरोना वायरस से बचाव और राहत के लिए अपना 4 महीने का वेतन सरकार को दे दिया है।

इस बारे में जेवर विधायक ने बताया कि यह धनराशि वह चेक के जरिए जिलाधिकारी को भेज रहे हैं। विधायक ने कहा कि इस महामारी को आम आदमी हल्के में ना लें देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार लोगों से लॉक डाउन जनता कर्फ्यू की अपील कर रहे हैं। इसे गंभीरता से लें साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि जो लोग सक्षम हैं और दूसरों की मदद कर सकते हैं वह समय आ गया है।

नोएडा बॉर्डर पर पुलिस से नोकझोंक करता एक युवक। फोटो : दीपक यादव

सीमा सील होने से डीएनडी पर फंसे कई वाहन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस के मद्देनजर दिल्ली और नोएडा को लॉकडाउन कर दिया गया है। दिल्ली में 31 मार्च तो नोएडा में 25 मार्च तक लॉकडाउन रहेगा। इसके चलते सोमवार सुबह दिल्ली की सभी सीमाएं सील कर दी गई। लॉकडाउन के दौरान सिर्फ जरूरी सेवा देने वालों को ही दिल्ली में प्रवेश मिलेगा।

इसी बीच सोमवार सुबह दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी पर नोएडा की सीमा सील होने के चलते कई गाड़ियां फं स गई। पुलिस ने कई गाड़ियों को दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया।

पुलिस के साथ लोगों की हुई तीखी नोकझोंक

पुलिस सिर्फ आईकार्ड देखकर आगे बढ़ने दे रही है। दिल्ली में प्रवेश ना मिलने को लेकर पुलिस की लोगों से नोकझोंक भी हुई। वहीं, लॉकडाउन के चलते नोएडा की सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

गाजियाबाद में भी दिल्ली व सीमावर्ती जिलों से आ रहे वाहन चालकों को पुलिस ने सीमा से ही वापस लौटा दिया। हालांकि इस दौरान पुलिस ने आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को उनके आईकार्ड देखकर आगे बढ़ने की अनुमति भी दी। यातायात निरीक्षक परमहंस तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के निर्देश पर सड़कों पर खड़ी पुलिस को प्रैक्टिकल बने रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रयास किया जा रहा है कि किसी को परेशानी ना हो। लेकिन साथ में यह भी प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक सड़क पर ना आए।

इसलिए जिले की सीमा के साथ ही शहर की अंदरुनी सड़कों पर भी वाहन चालकों को रोक कर सघन पूछताछ की जा रही है। बहुत आवश्यक महसूस होने पर ही उन्हें आगे जाने दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वार्डों में सेनेटराइजर का वितरण करते हुए नगर निगम कर्मचारी।

सैनिटाइजेशन को निगम ने लगाई स्प्रे मशीनें

गाजियाबाद। कोरोना वायरस को लेकर अब नगर निगम ने शहर को सैनिटाइज कराने का कार्य शुरु कर दिया है। इसके लिए नगर निगम प्रशासन ने 110 मशीनों से सोडियम हाईपोफ्लोराइड का छिड़काव किया है। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र सिंह की अगुवाई में इसकी शुरुआत की गई है। अभी तक नगर निगम प्रशासन साफ सफाई पर ध्यान दे रहा था। मगर अब निगम ने शहर को संक्रमण रोधक बनाने की कोशिश शुरु कर दी है। इसी के चलते नगर निगम ने अब शहर में सोडियम हाईपोफ्लाराइड का इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। निगम प्रशासन ने अभी तक चार हाई पावर स्प्रे मशीन लगाई थी। इसके बाद अब हाथ से चलने वाली मशीनों से भी दावा का छिड़काव शुरु कर दिया है। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए भी नगर निगम अब पूरी ताकत लगा रहा है।

रैन बसेरे में आइसोलेशन के लिए तैयार किए गए बिस्तर।

रैन बसेरों में तैयार किया आइसोलेशन

हापुड़। जनपद की तीनों नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायत में निराश्रितों के लिए रेन बसेरे बनाये गए हैं। कोरोना वायरस को ध्यान में रखते हुए प्रभावित एवं बाहर से आने वाले लोगों को संक्रमण से बचाए जाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। नगर पालिका परिषद हापुड़ क्षेत्र के अंतर्गत ईदगाह रोड बुलंदशहर रोड पर 100 बैड, पिलखुवा रेलवे स्टेशन रोड पर 10 बैड, गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत तहसील चौराहे स्थित पानी की टंकी के पास 6 बैड, ब्रजघाट उप कार्यालय पर 15 बैड तथा नगर पंचायत बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत कार्यालय परिसर में स्थित बारात घर में 10 बैड के रेन बसेर बनाए गए हैं। कोरोना के संक्रमण से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को देखते हुए कोई भी व्यक्ति अनजान स्थान पर तथा खुले आसमान में न सोए इसको दृष्टिगत रखते हुए यह आश्रय स्थल बनाए गए हैं।

कोरोना से बचाव को हवन कर रहे लोग

गाजियाबाद। पटेल नगर इलाके में लोगों ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए हवन और पूजा अर्चना की। हवन करवाने वाले पुरोहित और परिवार का कहना है कि वे सभी कोरोना वायरस के खत्म होने की कामना कर रहे हैं। कोरोना के खिलाफ जंग में पूरा देश एक साथ है। हर कोई अपने तरीके से प्रयास करने में जुटा है कि कोरोना वायरस से बचाव हो पाए। वही शहर में कई लोगों ने रविवार को कोरोना वायरस से बचाव के लिए जागरूकता का मैसेज भी दिया।

गाजियाबाद में कोरोना का तीसरा मरीज मिला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद जिले में कोरोना का एक और पॉजिटिव केस पाया गया है। अब यह संख्या बढ़कर तीन हो गई है। रविवार देर रात को आई जांच रिपोर्ट में कौशांबी के रहने वाले एक डॉक्टर में कोराना की पुष्टि हुई है। यह डॉक्टर फ्रांस से लौटकर आया था और खुद को होम आइसोलेट कर रखा था। तीन दिन पहले ही उक्त डॉक्टर का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था।

सफदरजंग अस्पताल के लिए किया रेफर

एमएमजी अस्पताल के सीएमएस रविंद्र राणा ने बताया कि जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही रेपिड रेस्पांस टीम उक्त डॉक्टर को रात को ही आइसोलेशन वार्ड में ले आई। देर रात को सीएमओ के निर्देश पर उ मरीज को सफदरजंग अस्पताल दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया। सीएमओ एन के गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अलावा नगर निगम की टीम मिलकर अब पूरे कौशांबी इलाके को सैनिटाइज कराएंगे। बताया गया है उक्त डॉक्टर को स्वास्थ्य विभाग की टीम जिला एमएमजी अस्पताल भर्ती करने के लिए लाई थी, लेकिन यहां पर डॉक्टरों ने हंगामा कर दिया। केवल दस मिनट बाद ही इस मरीज को रेफर कर दिया गया।

सीएमओ डॉ एनके गुप्ता ने बताया जिले में कोरोना का यह तीसरा मामला है। इसके पहले राजनगर एक्सटेंशन में कारोबारी व उसके बेटे में कोरोना की पुष्टि हुई थी। दोनों इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं।

सामान लेने दुकानों पर उमड़ी लोगों की भीड़

गाजियाबाद। कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे के चलते जनता कर्फ्यू और लॉक डाउन के बाद लोग जमाखोरी से आशंकित हैं तथा जरूरत से ज्यादा रोजमर्रा के सामान की खरीददारी कर रहे हैं। प्रशासन आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं होने देने का दावा कर रहा है लेकिन, राजमर्रा की जरूरत व जीवन उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी सामान्य दिनों से ज्यादा की जा रही है उससे प्रतीत होता है कि जनता को कहीं ना कहीं कालाबाजारी का डर सता रहा है।

शराब पीने से रोकने पर युवक ने गोली मारकर की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पत्नी द्वारा शराब पीने से रोकने पर कहासुनी के बाद युवक ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना सोमवार तड़के ढाई बजे थाना सिहानी गेट क्षेत्र की है।

हैरान करने वाली बात है कि युवक खुद को गोली मारने के लिए उठा तो मां ने उसे रोकने की कोशिश की। मगर युवक ने पूरे परिवार के सामने ही खुद को गोली मार ली। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसएचओ गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अमित यादव के रूप में हुई है, जो राकेश मार्ग पर पत्नी पूनम, मां कलावती और 8-10 साल की बेटी व बेटे के साथ रहते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक अमित मूलरूप से अलीगढ़ जिले के निवासी थे।

जेवर के गांव में कोविड-19 की दस्तक, जिम्स में भर्ती युवक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर के गांव में कोरोना वायरस ने दस्तक दे दी है। सोमवार दोपहर जेवर क्षेत्र के एक गांव से युवक को ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती किया गया है।

युवक शनिवार को ही धारूहेड़ा से अपने गांव वापस लौटा था। वह वहां कंपनी में नौकरी करता है। शनिवार से ही युवक को जुकाम, खांसी था और उसका सिर चकरा रहा था। बीती रात उसकी परेशानी बहुत ज्यादा बढ़ गई और सोमवार की सुबह हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई।

परेशान परिजनों ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और 108 नंबर पर कॉल करके जानकारी दी। जिसके बाद एंबुलेंस गांव में पहुंची और डॉक्टरों की टीम उसे लेकर ग्रेटर नोएडा के आयुर्विज्ञान संस्थान ले गई।

परिजनों ने बताया कि उनका बेटा धारूहेड़ा की एक कंपनी में काम करता है। कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने वहां लॉकडाउन घोषित कर दिया है। जिसके बाद वह शनिवार को गांव में आ गया था। शनिवार की शाम उसने सिर दर्द बताया। उसे हल्का बुखार था और छींक आ रही थीं। युवक ने गांव के एक डॉक्टर से दवा ली थी। बावजूद उसे कोई लाभ नहीं हुआ।

कोरोना : गांव वालों को तो बस अंधविश्वास का सहारा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस से निपटने की सारी कवायदें शहरों तक सीमित हैं। गांव किसके भरोसे हैं, राम भरोसे या अंधविश्वास के भरोसे। गांवों में रविवार शाम लोगों ने अपने घरों के सामने तेल के दीपक जलाए। परिवार के हर सदस्य ने हल्दी के घोल में दोनों हाथ डुबोकर थापे लगाए हैं।

वहीं, देश के शहरों में शाम पांच बजे लोग बालकॉनी और छतों पर चढ़कर शंख, तालियां और थाली पीट रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इसके पीछे की वजह कोरोना वायरस से लड़ रहे कर्मयोगियों को समर्थन देना बताया है। लेकिन ट्वीटर और फेसबुक पर उनका समर्थन करने वाले लोग इसे कोरोना वायरस को भगाने की युक्ति बता रहे हैं।

सवाल यही है कि शहरों में सेनिटाइजेशन चल रहा है। पूरा अमला लगा है। लेकिन गांवों तक कोई नहीं पहुंच रहा है। क्या गांव में कोरोना वायरस नहीं जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार एहतियात तो अच्छे ले रही है लेकिन अगर कोरोना का संक्रमण व्यापक हुआ तो बचने के लिए संसाधन नहीं हैं। सरकार के पास इतने कर्मचारी नहीं हैं कि गांवों तक पहुंच सकें। नोएडा प्राधिकरण ने रविवार को पूरी ताकत लगाकर शहर को सेनेटाइज कर लिया। गांवों में अभी कोई दाखिल नहीं हुआ। अगले एक-दो दिनों में गांवों में भी सेनिटाइजेशन किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में तो शहर में भी खानापूर्ति की गई। जंग खाए टैंकरों के सहारे खटारा ट्रैक्टर लेकर कर्मचारी दौड़े। गांव अछूते ही रह गए। यमुना प्राधिकरण के पास तो टैंकर और ट्रैक्टर भी नहीं हैं।

गौतमबुद्ध नगर में तीनों विकास प्राधिकरणों के दायरे में सभी ग्राम पंचायत खत्म कर दी गई हैं। जो चरमराता ग्राम पंचायतों का ढांचा जिले में था, वह भी खत्म कर दिया गया है। पहले तीन-चार गांवों के पास जो एक कर्मचारी था, वह भी नहीं रहा। जिले के करीब 250 गांवों की कोई सुध लेने वाला नहीं है। यहां एक बात और काबिलेगौर है, हो सकता है दूर दराज के जिले में गांवों तक यह महामारी न पहुंच पाए। हालांकि, तमाम शहरों में लॉक डाउन के बाद लाखों लोगों की भीड़ गांवों की ओर दौड़ रही है। ये लोग वहां पहुंचकर कुछ न कुछ तो प्रभाव डालेंगे।

दरवाजे पर जलाए गए दीए और लटकाए नीम के पत्ते।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पहली बार 1950 में गुजरात में लगा था जनता कर्फ्यू

गुजरात को अलग राज्य बनाने की मांग पर लगा था यह कर्फ्यू

महा-गुजरात आंदोलन के प्रभावी नेता इंदुलाल याग्निक ने जनता कर्फ्यू का किया था आह्वान

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

अक्सर दंगे आदि होने जाने पर कर्फ्यू लगाया जाता है, ताकि जनता अपने घरों में रहे और दंगे शांत हों, लेकिन इस बार जो कर्फ्यू लगा है, वह सीधे तौर पर जनता द्वारा जनता के लिए था। जनता कर्फ्यू देश में बहुतों के लिए नई बात हो सकती है। एक-दो पीढ़ियों ने शायद जनता कर्फ्यू शब्द ही पहली बार सुना है। तो हम आपको बताते हैं कि जनता कर्फ्यू भारत देश में दूसरी बार लगा है।

देश में दूसरी बार के जनता कर्फ्यू और पहली बार के जनता कर्फ्यू में यह फर्क है कि पहली बार का जनता कर्फ्यू एक शहर में लगाया गया था और यह दूसरी बार का जनता कर्फ्यू पूरे भारत देश में लगा है। वह भी महामारी से बचाव के लिए लगा है।

बता दें कि महागुजरात आंदोलन के चलते वर्ष 1950 में महाराष्ट्र से अलग गुजरात की मांग करते हुए इंदुलाल याग्निक ने जनता कर्फ्यू की शुरुआत की थी। वे महागुजरात आंदोलन के बड़े नेता थे। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने इंदुलाल याग्निक के आंदोलन को खत्म करने का भी प्रयास किया था, जो कि असफल रहा। यानी इंदुलाल की अहमदाबाद की जनता में इतनी लोकप्रियता थी कि जनता ने उनके आह्वान पर जनता कर्फ्यू लगा दिया। इसी दौरान अहमदाबाद में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और बंबई के मुख्यमंत्री मोरारजी देसाई की रैलियां थी। रैलियों का मतलब तब नहीं रह जाता, जब वहां पर नेताओं को सुनने जनता नहीं होती। हुआ भी यही कि लोग घरों से बाहर ही नहीं निकले। इस दबाव में सरकार ने गुजरात को बंबई से अलग राज्य बनाने की मांग को स्वीकार किया।

जनता कर्फ्यू बदलाव का बड़ा माध्यम

जिस तरह से 1950 में जनता कर्फ्यू से मजबूर होकर प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू व मुख्यमंत्री मोररजी देसाई को गुजरात अलग राज्य बनाना पड़ा। उसी तरह से अब एक महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ्यू को माध्यम बनाया है। जनता कर्फ्यू का मतलब यही है कि हमें किसी से दूर रहकर उसे पास आने से रोकना है। कोरोना वायरस बीमारी से बचाव का यही तरीका है। क्योंकि इसका अभी उपचार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर लगाए गए जनता कर्फ्यू में जिस तरह से जनता ने साथ दिया है, वह काबिले तारीफ है। हालांकि इस एक दिन के जनता कर्फ्यू से ऐसा नहीं कि बीमारी का खतरा टल गया है। कम जरूर हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अपील है कि लॉकडाउन की स्थिति में सभी अपने घरों पर रहें हैं।

तब थे राजनीतिक कारण, अब महामारी

वर्ष 1950 में लगाए गए जनता कर्फ्यू के राजनीतिक कारण थे। यानी गुजरात को महाराष्ट्र से अलग राज्य बनाने की मांग पर जनता कर्फ्यू लगाया गया था, लेकिन अब जनता कर्फ्यू लगाने के पीछे कारण रही महामारी। तब का कर्फ्यू एक शहर में था और वर्ष 2020 में पूरे देश में लगा है। उस समय जनता कर्फ्यू राजनीतिक कारणों से लगाया या था और इस बार का जनता का कर्फ्यू कोरोना वायरस नामक महामारी के चलते लगाया गया है।

बंधवाड़ी आश्रम में 500 बुजुर्ग लाचारों की जान खतरे में

गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी गांव के पास आश्रम में बुजुर्गों के साथ संस्थापक रवि कालरा।

अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन के संस्थापक ने लगाई पीएम और सीएम से गुहार

आश्रम के लोगों को कोरोना वायरस से बचाने को सरकार करे मदद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बेशक शासन व प्रशासन देश, प्रदेश के लोगों को जनता कर्फ्यू व लॉकडाउन करके घरों में रहने को कह रहा हो, लेकिन उन आश्रमों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा, जहां पर सैकड़ों बीमार, लाचार रह रहे हैं और उनकी जान को खतरा है। थक-हारकर अब आश्रम संचालक ने सरकार से गुहार लगाई है कि यहां पर रहने वाले 500 बीमार, बुजुर्गों की जान खतरे हैं, इन्हें बचाने को सरकार सहायता करे।

यहां गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग स्थित बंधवाड़ी गांव के पास द अर्थ फाउंडेशन संस्था के संस्थापक रवि कालरा को हरियाणा सरकार ने आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड के लिए अवॉर्ड देकर नवाजा है। इसके अलावा उप-राज्यपाल वैंकेया नायडू, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, केंद्रीय मंत्री हंसराज अहीर समेत कई हस्तियों ने रवि कालरा को उनके समाजहित के कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। समाजसेवा के क्षेत्र में इतने बड़े हस्ताक्षर होने के बाद अब रवि कालरा को पीएम-सीएम से अपने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की जान की रक्षा को सहायता मांगी है। उन्होंने कहा है कि आश्रम में करीब 500 बुजुर्ग बीमार व लाचार अवस्था में रह रहे हैं। आश्रम का खर्च लोगों के दिए गए दान, चंदे से चलता है। अब कोरोना वायरस जैसी बीमारी के फैलने से आश्रम में भी खतरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा है कि इन सभी लोगों को सड़कों से पुलिस, सरकारी अस्पताल, न्यायालय व जन साधारण भी लाकर यहां छोड़ते हैं। अब इन्हें संभालना भी चाहिए। संस्था में काम करने वाले 100 से अधिक कर्मचारी दिन-रात अपनी जान की परवाह किए बिना हर संभव उपाय, सावधानी व सेवा में जुटे हैं।

आश्रम में रहने वाले अधिकतर लोग बीमार

संस्था में रहने वाले अधिकतर लोग वृद्ध व बीमार हैं। उन्हें खांसी, जुकाम, नजला व सांस की बीमारी है। कई लोग लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त हैं। अधिकतर लोग उल्टी करते हैं व उन्हें अपने मल-मूत्र में कंट्रोल नहीं है। इस वजह से आश्रम परिसर में समस्या खड़ी हो गई है। यहां मात्र 200 लोगों के रहने की जगह है, लेकिन 500 से अधिक लोगों को रखा जा रहा है।

लॉकडाउन : पुलिस ने शहर किया सील

जरूरी कार्यों को आने वालों के देखे गए प्रूफ

सीपी ने सभी थाना प्रभारियों को दिए सख्त आदेश

गुरुग्राम में लॉकडाउन के चलते एमजी रोड पर वाहनों को शहर में प्रवेश करने से रोकती पुलिस और बस अड्डे में खड़ी बसें।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस को लेकर रविवार को रात नौ बजे तक जनता कर्फ्यू समाप्त होने के साथ ही गुरुग्राम में लॉकडाउन कर दिया गया। यह लॉकडाउन 31 मार्च तक के लिए किया गया है। स्थिति काबू में नहीं आती है तो इसमें बढ़ोतरी भी की जा सकती है। सोमवार को शहर में लॉकडाउन के चलते लोगों ने घरों से निकलने का प्रयास किया। बहुत से निकले भी, लेकिन पुलिस ने पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते हुए लोगों को घरों को वापस भेज दिया।

सोमवार सुबह लोग सामान्य दिनों की तरह बाहर निकलने शुरू हुए थे। रात से ही लॉकडाउन की लागू होने के बाद पुलिस भी सक्रिय थी। शहर में कई स्तरीय सुरक्षा की गई है। जगह-जगह पर नाके लगाए गए हैं। किसी को भी शहर के बाहर से अंदर आने की आज्ञा नहीं है। अगर वह शहर का बाशिंदा नहीं है और दूसरी जगह से यहां आ रहा है तो। पुलिस ने नाकों पर लोगों से शहर में आने का कारण भी पूछा। जो लोग लॉकडाउन में छूट से संबंधित थे, उनसे पूरी तसल्ली करने के बाद ही जाने दिया गया। बस अड्डा से एमजी रोड की तरफ थाना शहर के पास, ओल्ड दिल्ली रोड पर, बस अड्डा के पास, मोर चौक पर, राजीव चौक पर, खांडसा रोड पर, बसई रोड समेत शहर में प्रवेश करने वाले सभी मार्गों पर नाके लगाकर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

लोग गाड़ियों में सवार होकर शहर में प्रवेश करना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें इन नाकों से वापस कर दिया। दवा सप्लाई के वाहनों व अन्य छूट की गाड़ियों, स्टाफ को आने से नहीं रोका गया।

पुलिसकर्मियों ने पुलिसकर्मियों को भी रोका : कई नाकों पर पुलिसकर्मियों ने गाड़ियों, बाइक पर सवार होकर आने वाले पुलिसकर्मियों को भी रोका। कई नाकों पर निकलने की अनुमति नहीं थी। इसलिए उन्हें वैकल्पिक रास्ते सुझाए। अनुरोध करने के बाद भी किसी को नाका पार नहीं करने दिया।

मतलब स्टाफ को लेकर भी पुलिस काफी सक्रिय रही। यहां मोर चौक से नेहरू स्टेडियम की तरफ जाने वाले रास्ते को सील किया गया था। जो भी यहां आ रहे थे, उन्हें गुरुद्वारा रोड की तरफ से जाने को कहा गया।

मास्क, सेनिटाइजर के लिए एसीपी राजीव को ड्यूटी

ड्यूटी दे रहे पुलिस स्टाफ को मास्क सेनिटाइजर को लेकर भी सीपी ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी जगह पर मास्क या सेनिटाइजर की जरूरत है तो एसीपी राजीव से बात करें। तुरंत यह सब पहुंचा दिया जाएगा।

कोई नहीं माने तो गाड़ी जब्त कर केस दर्ज करें

गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त मोहम्मद अकील के सख्त आदेश हैं कि लॉकडाउन के चलते सिर्फ बाजार बंद होना काफी नहीं है। जनता भी सड़कों पर नजर नहीं आनी चाहिए। उन्होंने अपने अधीनस्थ सभी पुलिस अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों, जोन में यह सुनिश्चित करें कि सड़कों पर कोई बेवजह ना आए।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लॉकडाउन के चलते अगर कोई जबरदस्ती, बिना काम के बाहर निकलता है तो उसके खिलाफ केस दर्ज करें। उसका वाहन जब्त करें। उन्होंने कहा कि सभी बॉर्डर को पूरी तरह से सील रखा जाए। सभी राइडर्स तैनात रहें। नाकों पर नफरी भी बढ़ा लें। क्योंकि गुरुग्राम में पुलिस फोर्स की कोई कमी नहीं है। लॉकडाउन लंबा चल सकता है, इसे देखते हुए सीपी मोहम्मद अकील ने कहा कि सभी थाना अधिकारी शिफ्ट में ड्यूटी बांटें, ताकि कोई परेशानी ना हो।

निजी बस चलाने पर 29 हजार का चालान काटा

लॉक डाउन व धारा 144 का उल्लंघन करने वाले प्राइवेट बस का 29 चालान काटा।

नाकाबंदी के दौरान इको चालक पकड़े जाने पर चालान न काटने की गुहार करता हुआ चालक।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्रदेश सरकार के एक दिन पहले दिए गए लॉक डाउन और धारा 144 लागू के आदेशों पर सोमवार को प्रशासनिक अधिकारी हरकत में आए। सोमवार को सुबह सात से दस बजे तक वाहन सड़कों पर दौड़ते रहे।

रविवार शाम मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने राज्य के सात जिलों में लॉक डाउन के आदेश जारी किए थे, लेकिन सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों की नींद सुबह 10 बजे टूटी। तब तक शहर की सड़कों पर वाहन फर्राटे भरते नजर आए। ऑटो, कार, ट्रक, टेक्सी और प्राइवेट बसें जमकर दौड़ीं। दोपहर 11 बजे के बाद पुलिस ने सड़क पर दौड़ रहे वाहनों पर शिकंजा कसना शुरू किया। शहर में नाकाबंदी करते हुए सोहना से पलवल, तावडू, गुरुग्राम, नूंह जाने वाली सड़कों पर वाहनों को रोकन का काम शुरू किया।

वाहनों के चालान काटे

पुलिस ने धारा 144 व लॉक डाउन का उल्लघंन करने वाले रेवाड़ी से पलवल जाने वाली प्राइवेट बस का अंबेडकर बाईपास चौक पर 29 हजार रुपये का चालान काटा। इसके अलावा सोहना सिटी थाना प्रभारी की टीम ने दोपहर तीन बजे तक एक दर्जन से अधिक वाहनों के चालान काटे। सोमवार को शहर में धारा 144 व लॉक डाउन लागू होने का असर 60 फीसदी ही रहा। सब्जी मंडी व किराना दुकानदारों की आढ़ में कपड़ा, हार्डवेयर, अन्य रिटेल का सामान बेचने वाले दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें खोलीं।

राशन व दवा की कालाबाजारी नहीं होगी : एसडीएम

सोहना। सोहना एसडीएम ने राशन व दवाई की बिक्री में कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए है। कालाबाजारी करने वाले दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। एसडीएम कार्यालय में खोले गए कंट्रोल रुम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सोहना एसडीएम डॉ. चिनार ने सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों को किराना और दवा बिक्री में कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। जिसके लिए, तीन ड्यूटी मैजिस्टेट टीम गठित की हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सहमति से और आमजन की जनहानि सुरक्षा देखते हुए किराना व सब्जी मंडी में खरीदारी का समय निर्धारित किया जाएगा।

लॉकडाउन को सफल बनाने में जुटी पिनगवां पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

कस्बे में घूमती पुलिस।

कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ने के लिए हरियाणा के अन्य जिलों के साथ मेवात को भी लॉकडाउन कर दिया गया है। लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए पिनगवां इंस्पेक्टर रतन लाल ने मास्क लगाकर अपनी टीम को साथ लेकर पूरे कस्बे का जायजा लिया। कस्बे में घूमते फिरते लोगों को समझाया कि कोई भी व्यक्ति 31 मार्च तक अपने घरों से बाहर न निकलें, सरकार के आदेशों का पालन करें।

बता दें कि प्रदेश सरकार ने सात जिलों को लॉकडाउन करने का फैसला लिया था। जिनमें नूंह जिला भी शामिल है। रविवार को जिलेभर में पूरे तरह से बाजार बंद रहे, लोग अपने-अपने घरों में कैद रहे, लेकिन सोमवार सुबह होते ही बाजारों में चहल-पहल दिखाई पड़ी। दुकानें भी खुलीं, लेकिन तुरंत प्रभाव से पुलिस ने संज्ञान लिया और लोगों से अपील करते हुए बाजारों को बंद कराया। सिंघम इंस्पेक्टर रतन लाल भी अपनी पूरी टीम को मास्क लगवाकर कस्बे में लेकर निकल पड़ा, जहां पर भी दुकानें खुली दिखाई दी, वहीं पर पहुंच कर दुकानदारों को 31 मार्च तक लॉकडाउन की जानकारी देते हुए दुकानों को बंद करने का आह्वान किया, जिस पर लोगों ने इंस्पेक्टर की बात स्वीकार करते हुए दुकानों को बंद कर दिया। थाना प्रभारी रतन लाल ने कहा कि 31 मार्च तक कस्बे पर पूरी तरह निगरानी रखी जाएगी।

फरार कोरोना संदिग्ध पुलिस ने किया काबू

कोरोना का मरीज।

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के नलहड़ मेडिकल कॉलेज में दो दिन पहले कोरोना वायरस से संदिग्ध शक के आधार पर भर्ती हुआ मरीज सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की आंखों में धूल झोंक कर अस्पताल से पाइप के सहारे नीचे उतरकर फरार हो गया। जैसे ही मरीज की अस्पताल से गायब होने की अधिकारियों को खबर लगी तो स्वास्थ्य विभाग व पुलिस के हाथ-पांव फूल गए।

मरीज को चारों तरफ तलाश किया गया। गनीमत रही कि मरीज को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली। इसके बाद मरीज की जांच के लिए रोहतक भेजी गई रिपोर्ट भी मंगवाई गई, जिसमें कोरोना वायरस पोजेटिव नहीं मिला। जानकारी के अनुसार पुन्हाना कस्बे से महेश नाम के एक युवक को दो दिन पहले पुलिस ने कोरोना से संदिग्ध होने के शक पर गिरफ्तार कर नलहड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था।

जहां पर मरीज एक दिन-रात ही गुजार पाया। अगले दिन सोमवार को अस्पताल से फरार हो गया। गनीमत ये रही कि रोहतक से आई रिपोर्ट में मरीज के कोरोना नहीं साबित हुआ।

वरना ना जाने कितने लोगों को अपनी चपेट में लेता। जब इस बारे में पुन्हाना थाना प्रभारी अजयबीर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मरीज को उसके घर से लाया गया है और नलहड़ चौकी पुलिस के हवाले किया जा रहा है, जो कि मरीज को फिर से अस्पताल में भर्ती कराएंगे।

नगर परिषद कोरोना संभावितों की जांच को कराएगी सर्वे

सोहना। सोहना नगर परिषद के कर्मचारियों की टीम सभी 21 वार्डों के घर-घर जाकर कोरोना संभावित रोगियों की जांच करेगी। परिषद के सर्वे कार्य में कर्मचारी, अधिकारी, आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। सोहना नगर परिषद ने अपने सीमा क्षेत्र में कोरोना के संभावित रोगियों की तलाश करने के लिए 42 कर्मचारियों की 21 टीमों का गठन किया है।

मीडिया क्लब ने की लॉकडाउन में सहयोग की अपील

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एनसीआर मीडिया क्लब ने अपील की है कि जिस तरह 22 मार्च को जनता ने जनता कर्फ्यू को सफल बनाया है। उसी तरह 31 मार्च तक लॉकडाउन को भी पूरी तरह सफल बनाएं। जानलेवा कोरोना वायरस की कोई दवा नहीं है, इसलिए बचाव में ही बचाव है।

क्लब के प्रेसिडेंट अमित नेहरा और महासचिव नवीन धमीजा ने संयुक्त बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 मार्च के जनता कर्फ्यू को जिस तरह लोगों ने सफल बनाया, वह काबिले तारीफ है। आगे आने वाला समय देश और खासकर एनसीआर के लोगों लिए बेहद नाजुक है। सभी लोग 31 मार्च तक जहां-जहां लॉकडाउन है, उसे सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग दें।

क्लब ने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण का यह दौर खतरनाक है। मीडिया क्लब अपनी जिम्मेदारी समझता है। इस दौरान अफवाहें फैलाने से बचें, सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करें। अमित नेहरा और नवीन धमीजा ने कहा कि क्लब मीडिया के माध्यम से सरकार और जनता के बीच में संवाद कायम रखेगा।

हर घर में डी-कंटेमिनेशन का छिड़काव शुरू

नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से कर रही काम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम की टीमों ने गुरुग्राम के हर घर में डी-कंटेमिनेशन का छिड़काव शुरू कर दिया। सुबह से ही जिला के विभिन्न क्षेत्रों में गई और वहां दवा का छिड़काव किया।

जिला उपायुक्त अमित खत्री के मुताबिक दवा का छिड़काव जिला में निरंतर जारी रहेगा और यह प्रयास किया जाएगा कि दवा के छिड़काव से कोई भी क्षेत्र अछूता न रहे। उपायुक्त ने कहा कि स्प्रे के छिड़काव के लिए 100 लोगों की 12 टीमें लगाई गई हैं। एक टीम में 7 से 8 सदस्य शामिल हैं। उपायुक्त ने बताया की दवा का

गुरुग्राम के घरों, सरकारी कार्यालयों में कोरोना वायरस को लेकर सेनिटाइजर का छिड़काव करते कर्मचारी।

छिड़काव करने के लिए जिला को 4 अलग-अलग जोन में बांटा गया है। जोन -3 की आरडब्लूए संस्थाओं में दवा का छिड़काव कर उन्हें डि-कंटिमिनेट किया गया।

यह अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा। उपायुक्त ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि कोरोना वायरस को लेकर सरकार की गाइडलाइंस की पालना सुनिश्चित करने में जिला प्रशासन का सहयोग करें और संक्रमण रोकने के लिए सावधानी बरतें, सोशल डिस्टेंसिंग के नियम अपनाएं।

सिविल डिफेंस ने भी चलाया जागरुकता अभियान

जिला में लोक डाउन स्थिति के दौरान सिविल डिफेंस के लोगों ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जिला की झुग्गियों व अन्य स्थानों पर जाकर लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया। साथ ही डी-कंटेमिनेशन का छिड़काव भी डोर-टू-डोर शुरू किया गया है। सिविल डिफेंस के डिप्टी कंट्रोलर मनीष ने बताया कि उनकी टीम द्वारा पिछले तीन-चार दिनों से लगातार शहर के जोगियों में जाया जा रहा है ताकि वहां रहने वाले लोगों को कोरोना संक्रमण के लक्षणों और इसके बचाव उपायों के बारे में जागरुक किया जा सके।

विदेशों से आने वालों को क्वारंटाइन में रहना जरूरी

गुरुग्राम। कोरोना वायरस को लेकर साफ कर दिया गया है कि विदेशों से आने वाले लोग हर हाल में क्वारंटाइन में रहें। चाहे वह होम क्वारंटाइन हो या अन्य जगह बनाई गई क्वारंटाइन सुविधा हो। कहीं भी रहें, खुद को क्वारंटाइन में जरूर रखें। यह अनिवार्य है। गुरुग्राम जिला के जो लोग विदेशों से आ रहे हैं उनके लिए स्वयं को क्वारंटाइन में रखना जरूरी है।

MCG MUNICIPAL CORPORATION of GURGAON
NURTURING GURGAON

कार्यालय नगर निगम गुड़गाँव
सार्वजनिक सूचना

नगर निगम गुड़गाँव के भवन कर रिकॉर्ड में यूनिक प्रॉपर्टी आई० डी० नं. 14C4862U174, 1200A, Block J, Palam Vihar, Gurugram 122001, के अनुसार श्री राजेंद्र कुमार सुद के नाम दर्ज है! अब श्री राजेंद्र कुमार सुद की दिनाक 26.01.2017 को मृत्यु हो चुकी है! अब श्री राजेंद्र कुमार सुद की मृत्यु के पश्चात श्रीमती शांता सुद व/ओ श्री राजेंद्र कुमार सुद ने इस यूनिक प्रॉपर्टी आई० डी० न.14C4862U174, 1200A, Block J, Palam Vihar, Gurugram 122001 में भवन कर रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने के लिए शपथ पत्र देकर आवेदन किया है! अतः प्रार्थि का नाम भवन कर रिकॉर्ड में केवल गृहकर वसूली के लिए दर्ज किया जावे!

यदि इस यूनिक प्रॉपर्टी आई० डी० न. 14C4862U174 1200A, Block J, Palam Vihar, Gurugram 122001 के नाम दर्ज करने हेतु किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज है तो वह राष्ट्रीय समाचार पत्र में प्रकाशित होने के 30 दिन (एक माह) के अन्दर- अन्दर अपना एतराज अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दे सकता है! समयावधि समाप्त होने उपरान्त भवन कर रिकॉर्ड में स्थानान्तरण कर दिया जाएगा! निगम कोई उत्तरदायी नहीं होगा!

सूचित रहे!

क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
नगर निगम गुड़गाँव!

दिनाक: 12.03.2020

फटाफट खबरें

सेल्समैन को मारा चाकू

फरीदाबाद। वाईएमसीए चौक स्थित एक शराब के ठेके पर तैनात सेल्समैन को बाइक सवार दो युवकों ने चाकू मारकर घायल कर दिया और उससे 15 हजार रुपये छीन लिए। घायलावस्था में सेल्समैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां होश में आने पर उसने सेक्टर-सात पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक मूलरूप से यूपी के रहने वाले 29 वर्षीय दीप सिंह ने बताया कि वह वाईएमसीए चौक स्थित शराब के ठेके पर सेल्समैन की नौकरी करता है। अन्य दिनों की भांति वह शनिवार रात को करीब 11 बजे ठेके पर बैठा हुआ था। वहां दो युवक आए और उससे शराब की बोतल ली। शराब के पैसे मांगे जाने पर बाइक सवार युवकों ने चाकू निकाल लिया और दीप सिंह की गर्दन पर वार कर दिया। आरोप है कि हमलावर उससे 15 हजार रुपये भी छीन ले गए। इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

ट्रांसफार्मर किया चोरी

फरीदाबाद। चोरों ने थाना छांयसा एरिया के मोहना गांव से रविवार रात को खेतों में लगा 25 किलोवाट का ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुय कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक बिजली निगम के एसडीओ ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि निगम की तरफ से मोहना गांव स्थित खेतों पर 25 किलोवाट का ट्रांसफार्मर लगाया हुआ है। चोरों ने उसे चोरी कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

देश पीएम के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़ा है: कुसुम

फरीदाबाद। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं केन्द्रीय दिव्यांगता सलाहकार बोर्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की सदस्य कुसुम महाजन ने गत दिवस स्प्रिंगफील्ड कालोनी में करोना वायरस से देश के लोगों को बचाने में जी जान से जुटे डाक्टरों, नर्सो, पुलिसर्मियों, प्रशासन और मीडिया के सम्मान में अपने घर के दरवाजे पर थालियां बजाई। कुसुम महाजन ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट है जिसका जीता जगाता उदाहरण आज देखने को मिला जब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कहे अनुसार लोगों ने जनता कफ्यू को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि हम सभी भारतीय परिस्थितियों से लड़ना और उसे हराना भी जानते है। क्योंकि शुरू से प्रत्येक देशवासी में देशप्रेम कूट कूटकर भरा होता है। ताकि विपदा की घड़ी में चह देश के काम आ सके। कुसुम महाजन ने कहा कि आगे परिस्थितियां जो भी आती है हमें एक दूसरे का सहारा बनना है और सभी के काम आना है।

कोरोना से लड़ना है

फरीदाबाद। धारावाहिक तेनालीरामा के मनी, भाभी जी घर पर है और हास्य कलाकार ओल्ड फरीदाबाद भारत कॉलोनी निवासी सोहित सोनी ने कहा कि देश इस समय बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है, ऐसे में हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़े होने की आवश्यकता है। मुबई में शूटिंग रदद होने के बाद से सोहित सोनी फरीदाबाद में है और आज उन्होनें मोदी जी की बात की गंभीरता को समझते हुए जनता कफ्यू का दिन भी अपने परिजनों के साथ बिताया। सोहित सोनी का कहना है कि करोना वायरस के चलते पूरा देश परेशान है, मुझे बहुत अफसोस है कि मैं लोगों को हंसाने वाला कलाकार लोगों का इंटरटेनमेंट करने वाला आज खुद परेशान हूं, फिल्मी जगत के लोग सारे परेशान हैं। उन्होंने कहा कि हम जितने भी टीवी जगत से जुड़े कलाकार है कोशिश कर रहे है कि सभी का भला हो, हम घर में रहकर इस वायरस को हरा दें और सभी और अच्छा हो। सोनी ने कहा कि जब तक पृथ्वी पर प्यार मोहब्बत बना रहेगा तभी कलाकार जिन्दा है। उन्होनें कहा कि हमारी एकजुटता और प्रण इस बिमारी को दूर भगा सकता है इसलिए जब तक इस बिमारी का अंत ना हो जाए तब तक हमें ना तो चैन से बैठना है और ना ही बैठने देना है।

कोरोना का खौफ : अस्पताल में लगातार बढ़ रही मरीजों की भीड़

कविता। फरीदाबाद

शहर में लॉक डाउन होने के बावजूद भी बीके सिविल अस्पताल में कोरोना को लेकर बनी ओपीडी में भीड़ देखी गई। लेकिन यहां आने वाले मरीजों को सुविधाओं के आभाव में यहां से वहां भटकना पड़ा। चिकित्सकों की कम संख्या का खामियाजा यहां मरीजों को भुगतना पड़ा। वहीं चिकित्सक ने भी मरीजों को दवाईयां लिखने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ विदेशों से आए मरीजों की ही दवाईयां लिखेंगे। अन्य प्रदेशों से भ्रमण कर आए लोगों को दवा नहीं दी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक कोरोना की ओपीडी में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में मरीज अपनी जांच करवाने को पहुंचे। जहां ओपीडी में आए मरीजों की जांच को पांच चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई है। वहां मात्र तीन चिकित्सक सोमवार को ओपीडी में थे। वहां जांच के बाद मरीजों को खांसी, जुकाम होने पर चिकित्सक की जांच के लिए बैठा दिया गया। लेकिन चिकित्सक ने देश के अन्य राज्यों से भ्रमण कर लौटे मरीजों की दवा लिखने से मना करते हुए कहा कि वे केवल इंडिया के बाहर से आने वालो की ही दवाईयां लिखेंगे। ऐसे में वहां आए मरीज लौटने को मजबूर हो गए।

मरीज बोले

यहां इलाज को पहुंचे मरीजों का कहना था कि वह बाहर से ट्रेवल करके आए है। उन्हें खांसी व जुकाम और बुखार की शिकायते है। यहां ओपीडी में स्क्रीनिंग के बाद जब चिकित्सक को बताया, तो उन्होंने कहा कि इंतजार करो अभी डॉक्टर आने वाले है। लेकिन कोई चिकित्सक एक घंटे तक नहीं आया। इस पर उन्होंने पार्क में निजी अस्पताल की कैनोपी के पास भेज गया। यहां उनका फोर्म भर लिया गया। लेकिन इसके बाद भी उन्हें इंतजार करवाया गया। अंत में ड्यूटी डॉक्टर आए और उन्होंने कहा कि इंडिया से बाहर वाले यहां रूके और बाकि यहां से चले जाए। वह केवल विदेश से आए मरीजों को दवाईयां लिखेंगे। जिस पर मरीजों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा यहां खिलवाड़ किया जा रहा है। चिकित्सक पहले घंटो इंतजार करवा रहे है। उसके बाद लौटा देते है।

आई 37 कॉल

देर शाम तक कोरोना हैल्पलाइन नम्बर पर 37 कॉल आई। जिसमें किसी ने बताया कि उनके पड़ौसी बाहर से घूमकर आए है तो किसी ने कहा कि उनके पड़ौस के लोग बाहर से आकर जांच करवाये बिना ही यहां से वहां घूम रहे है। वहीं किसी ने खुद में कोरोना से मिलते जुलते लक्षण बताए।

कोरोना हैल्पलाइन नम्बर पर फोन करने पर यह जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि आधे से ज्यादा फोन पूछताछ के लिए आए थे। वहीं अस्पताल में दो मरीज खुद पहुंचे और उनमें से एक फिलिपींस से पढ़ाई करके लौटा था और दूसरा बांग्लादेश से आया था।

क्लास रैडीनेश कार्यक्रम से सिखाएंगे हरियाणा का इतिहास

फरीदाबाद। स्कूली विद्यार्थियों को प्रदेश की संस्कृति से रुबरु करवाने के लिए सामाजिक संस्था राह ग्रुप फाउंडेशन ने सार्थक पहल की है। जिसके तहत राह संस्था अब हरियाणा के सरकारी व प्राईवेट स्कूलों में हरियाणा को जानो पुस्तक उपलब्ध करवाएगी। यह जानकारी फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डा सतीश कुमार फौगाट ने दी। डा फौगाट ने बताया कि एक विशेष पाठ्यक्रम में सामान्य व प्रतियोगी पैटर्न को मिलाकर रोचक तरीके से जानकारियों का समावेश किया गया है। यह पुस्तक सीबीएसई, एचबीएसई व केन्द्रीय बोर्ड से जुड़े सभी प्रकार के स्कूलों में कक्षा चार से लेकर बाहरवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस पुस्तक में एक हजार से अधिक बहु-विकल्पीय प्रश्न-उत्तर भी होंगे।

डा फौगाट के अनुसार क्लास रैडीनेश प्रोग्राम के तहत इस पुस्तक को प्रदेश के प्राईवेट, सरकारी व पब्लिक स्कूलों में बढ़ाया जा सकेगा। केश कलां एवं कौशल विकास बोर्ड के निदेशक नरेश सेलपाड़ के अनुसार पुस्तक में हरियाणा के संक्षिप्त परिचय के अलावा, हरियाणवीं स्वर-व्यंजन, राज्य के प्रतीक चिन्हों, पड़ौसी राज्यों, देश के संदर्भ में हरियाणा का स्थान, प्रदेश में प्रथम पुरुष-महिलाओं, प्रदेश के इतिहास, नामकरण/ गठन, वर्तमान शहरों के प्राचीन नाम, भौगोलिक क्षेत्रों के उपनाम, प्राचीन अवशेषों के प्राप्ति स्थल, सीसवाल संस्कृति व सिन्धु घाटी स यता के क्षेत्रों, राज्यों के ऐतिहासिक टीलों, 1857 की क्रांति व स्वतंत्रता प्राप्ति में प्रदेश के योगदानों को शामिल किया गया है।

बीके में ओपीडी रहेगी 31 मार्च तक बंद

टीबी मरीजों को एक साथ दी जाएगी दवा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग हर तरह से एहतियात बरत रहा है। जिसके तहत बीके सिविल अस्पताल और बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल की ओपीडी को बंद करके केवल फ्लू, डिलीवरी व अपातकालीन सेवाओं को शुरू रखा गया है। ओपीडी परिसर में इस संदर्भ में नोटिस लगाए गए हैं। जिसमें बताया गया है कि 31 मार्च तक फ्लू ओपीडी को छोड़कर अन्य सभी पर रोक लगा दी है। अब अस्पताल में डिलीवरी और अपातकालीन कक्ष के अलावा स्वास्थ्य संबंधित अधिकांश काम नहीं होंगे। वायरस के कारण क्षयरोग विभाग भी सर्तक हो गया है। वह अपने मरीजों को 20 दिन से 1 महीने तक की दवा देगा। जिससे वह अस्पतालों का चक्कर नहीं ला सकें। पहले मरीजों को 3 दिन से एक हफ्ते तक दवा दी जाती थी। लेकिन मरीजों को देखते हुए नियमों में बदलाव किया गया है।

क्षयरोग की दवा

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण जहां लॉक डाउन लगा है। वहीं क्षयरोग के मरीजों की परेशानियां बढ़ गई है। ट्रांसपोर्ट की सुविधा न मिल पाने से मरीज अस्पतालों व डॉट्स सेंटरों तक पहुंच नहीं पा रहे हैं। जिसे देखते हुए समान्य क्षयरोग के मरीजों को 15 से 20 दिन की दवाई एक साथ दी जाएगी। इसके अलावा एमडीआर टीबी के मरीजों को एक महीने की दवा एक साथ दी जाएगी।

ये ओपीडी रहेंगे बंद

जन साधारण के लिए बीके अस्पताल की ओपीडी में एक नोटिस लगाया गया है। जिसमें लिखा है कि महामारी के चलते ओपीडी को 31 मार्च तक बंद करने का फैसला लिया गया है। इसलिए मंगलवार से चर्म रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, सर्जरी, फिजियोथैरेपी, मनोचिकित्सक, दंत विभाग की ओपीडी नहीं चलेगी। लोग कोरोना वायरस से निपटने में सहयोग करें।

कोरोना को लेकर सेक्टर स्किल काउंसिल अलर्ट

फरीदाबाद। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और गंभीर होते हालात को देखते हुए भारतीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन गठित एएमएचएससी (अपैरल मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल) और ईएसएससीआई (इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया) ने एहतियातन कदम उठाने के साथ अपने स्टाफ के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इन सेक्टर स्किल काउंसिल ने लॉक डाउन को सख्ती से पालन करने का निर्णय लिया है और 31 मार्च तक वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ देश के अलग.अलग हिस्सों में फैले ट्रेनिंग पार्टनर को भी इसका सख्ती से पालन करने को कहा है।

एएमएचएससी के सीईओ डॉ. रूपक वशिष्ठ ने बताया कि कोरोना को देखते हुए सभी स्टाफ को वर्क फ्रॉम होम करने की व्यवस्था दी गई है। काउंसिल में विशेष तौर पर स्वच्छ रखते हुए सैनिटाइज किया गया है। देश में फैले सभी ट्रेनिंग पार्टनर के साथ मिलकर लोगों को जागरूक करने की अपील की गई है। इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सीईओ नरेंद्र कुमार मोहापात्रा का कहना है कि कोरोना वायरस के मामले में सचेत रहने की जरूरत है। सभी स्टाफ को सोशल डिस्टेंसिंग के लिए सख्त निर्देश दिए गए है।

कोरोना : ओटी में बना दिया 50 बेड का आईसोलेशन वार्ड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद हैं। जिले में 12 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए है। जिसमें 194 बेड है। लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने बीके अस्पताल के सैकेंड फ्लोर को पूरा खाली करवा कर वहां 50 बिस्तरों का आइसोलेशन वार्ड बनाया है। मरीज की संख्या कम करने को सभी ऑपरेशन कैंसल करके ऑपरेशन थियेटर को बंद कर दिया गया है। गर्भवती महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी की व्यवस्था प्रसुति कक्ष के भीतर ही कर दी गई है। मशीनों को प्रथम तल पर शिफ्ट किया गया।

अब तक 480 मरीज

अब तक विदेश से आए करीब 480 लोगों को होम कोरंटाइन किया गया है। स्वास्थ्य जांच के दौरान इनमें से एक में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। 40 लोगों का 28 दिनों तक देखभाल की अवधि खत्म हो चुकी है। शेष 440 निगरानी में हैं। सर्विसलांस में रखे गए लोगों में से 479 को होम आइसोलेशन पर रखा है। वहीं अब तक 26 लोगों के सैम्पल लैब में जांच के लिए भेजे गए थे। जिनमें से आठ की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं 17 की रिपोर्ट आनी है। बीके अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में बेड की संख्या को बढ़ाकर 50 कर दिया गया है। वहीं अलग से शौचालय, किचन, रास्ते आदि की व्यवस्था की गई है।

यह सुविधाए रहेंगी

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि 50 बेड के आईसोलेशन वार्ड के लिए हर जरूरत की व्यवस्था अलग से की गई है। शौचालय से लेकर कीचन को अन्य वार्ड से अलग किया गया है। साथ ही उसे एयरलेस किया गया है। ताकि किसी प्रकार का संक्रमण बाहर नहीं निकले। अगर कोई संभावित मरीज को आईसोलेशन में भर्ती किया जाएगा, उन्हें रैंप से वार्ड में लाया जाएगा। स्ट्रेचर, व्हीलचेयर सभी को कोरोना संभावितों के लिए रिजर्व किया गया है।

अब यह है स्थिति

डॉ रामभगत ने बताया कि गंभीरता को देखते बीके अस्पताल में दस की बजाए 50 बैड की व्यवस्था की जा रही है। ईएसआई में पहले 50 थे, अब 100 बैड की और व्यवस्था हो रही है। वहीं बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल में छह से बढ़ाकर 56 बैड की व्यवस्था की जा रही है। अब जिले के सरकारी अस्पताल में 206 बैड की व्यवस्था हो गई है। सरकारी अस्पतालों में वेंटीलेटर नहीं जिले के किसी भी सरकारी अस्पताल में वेंटीलेटर नहीं है। जिसमें बीके सिविल अस्पताल, बल्लभगढ़ का सिविल अस्पताल शामिल है। ऐसे में अगर कोई गंभीर मरीज आने पर उसे निजी अस्पताल या फिर दिल्ली ही भेजना होगा। हालांकि ईएसआई मेडिकल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड में वेंटीलेटर की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव ने विड़ियों कांफ्रेंसिंग के जरिए दिए आदेश

फरीदाबाद। मुख्य सचिव हरियाणा केशनी आनंद अरोड़ा ने चण्डीगढ़ से लॉक डाउन हुए 7 जिलों के उपायुक्तों व पुलिस आयुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान निर्देश देते हुए कहा कि कोरोना वायरस से बचने के लिए जिलों में लॉक डाउन किया गया है। जिसके लिए हर जरूरी एहतियात बरती जाए। उन्होंने कहा कि लॉक डाउन के दौरान सभी उपायुक्त को अपने जिले में लॉक डाउन पूरी तरह से लागू करना सुनिश्चित करें। सभी उपायुक्त जिले में एक शिकायत समीक्षा व्हाट्स अप ग्रुप बना ले। जिसमें अधिकारियों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए को भी शामिल करें। जिससे कि उस ग्रुप पर जो भी शिकायत आती हैं तो उसे सम्बंधित अधिकारी उस शिकायत का तुरंत समाधान करें। उन्होंने कहा कि लेबर चौक पर लेबर ज्यादा संख्या में खड़ी नही होनी चाहिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों को जिले में कण्ट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त केके राव ने मुख्य सचिव को बताया कि जिले में पूर्णतया शांति का माहौल है। पुलिस ने जिले के बोर्डरों पर नाके लगा रखे हैं, जरूरतमंद व्यक्तियों को ही बाहर निकलने कि अनुमति दी जा रही है। उपायुक्त यशपाल ने मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि जिले में सब सामान्य चल रहा है। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान जिले में मॉल, ढाबे, फैक्ट्री, होटल, कैफे आदि को बंद करा दिया गया है तथा लोगो के जरूरत कि दुकानों को जिसमे दवाइयां, दूध, किरयाना स्टोर, सब्जी मण्डी को खोला गया है। जिससे लोगो को दिनचर्या की चीजे़ं लेने में किसी भी प्रकार कि समस्या न हो। उपायुक्त ने आम जनता से आवाहन किया कि वह लॉकडाउन में सरकार व प्रशासन का सहयोग करें। जिससे हम सभी इस खतरनाक वायरस से अपना व अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें। उन्होंने कहा कि अगर हम सब अपना काम स्वयं करे तो इससे कोई बाहर से व्यक्ति आपको इस वायरस से संक्रमित नहीं कर सकता।

सुबह व शाम को खुलेंगे बाजार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त केके राव ने पत्रकारवार्ता आयोजित कर कहा कि फिजुल में सड़कों पर घूमने वाले लोगों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी। साथ लोगों को जरूरत के सामान की खरीदारी के लिए सुबह और शाम को छूट दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोगों को खाने-पीने एवं स्वास्थ्य संबंधी किसी भी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े उसके लिए आम जनता को सुबह 9:00 से 12 एवं शाम को 4:00 से 7:00 बजे तक का वक्त दिया जाएगा। जिसमें वह अपनी मूलभूत जरूरतें पूरा कर सके। पुलिस आयुक्त ने कहा कुछ लोग लॉक डाउन होने के बाद भी सड़कों पर घूम रहे हैं ऐसे लोगों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी और मुकदमे दर्ज कर जेल भेजेंगी। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी थाना प्रभारी चौकी इंचार्ज को लॉक डाउन से संबंधित हरियाणा सरकार द्वारा पारित किए गए आदेशों का पालन कराने हेतु दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि सरकारी जरूरी विभाग आप सभी की सेवाओं में तैनात रहेंगे। पुलिस आयुक्त ने जनता से कहा कि सरकार के आदेशों के साथ आमजन की भागीदारी भी बहुत जरूरी है तभी कोरोना वायरस पर जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस को हराने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए फैसले का पालन करें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए घरों में रहना एवं सोशल डिस्टेंसिंग रखना एकमात्र तरीका है।

कोरोना महामारी से बचाव को निगम कर्मी जुटे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम का पूरा अमला शहर को कोरना महामारी से बचाव के लिए पूरी ताकत के साथ जुटा रहा। निगम के सफाई, फायर ब्रिगेड, इंजिनियरिंग विंग के अधिकारी व कर्मचारी हरियाणा सरकार, जिला प्रशासन व निगमायुक्त डा. यश गर्ग के दिशा-निर्देशों के अनुसार शहर के लगभग प्रत्येक वार्ड को सेनिटाईज करने में लगे रहे। पूरे निगम क्षेत्र में फायर बिग्रेड की गाड़ियों की सहायता से निसंक्रमक दवाई का छिड़काव किया गया व ग्रिल, पार्क, पार्क में लगे उपकरण आदि को सैनीटाईज किया गया। निगम की टीमों के द्वारा 6 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के द्वारा फरीदाबाद के सेक्टर-18, 19, 9, 10, वार्ड नम्बर 23, 24, 25, सामुदायिक शौचालय एनएच-2, एनएच-1 सी व डी ब्लॉक पार्क, फरीदाबाद पार्क ओल्ड फरीदाबाद, गांधी भवन शौचालय, बल्लबगढ़, सेक्टर-7 व 10 मार्किट, वार्ड कार्यालय 9 व 10, तिकोना पार्क, वार्ड नम्बर 11, सेक्टर-9-10 डिवाईडिंग रोड़, एनएच-5 मार्किट, सेक्टर-11, एमसीएफ कालोनी, एनएच-3, सैनिक कालोनी सामुदायिक भवन व मार्किट, सेक्टर-21ए पार्क, बापू नगर एवं संजय कालोनी बूस्टिंग, वार्ड 16, एनएच-2 शिवालय मन्दिर, नागा बाबा मन्दिर, एसी नगर, बल्लबगढ़ बस स्टैण्ड, बल्लभ्भगढ़ मैट्रो स्टेशन, एनएच-2 ई-ब्लॉक गुरूद्वारा, 2/के0 हनुमान मन्दिर, एनएच-3 जी-ब्लॉक मार्किट, जैन कालोनी बूस्टिंग, ऊंचा गांव आईटीआई बल्लभगढ़, मैन पार्क सेक्टर-45, शिव मन्दिर सैनिक कालोनी, सिटी पार्क व नाहर सिंह पार्क बल्लबगढ़, सार्वजनिक शौचालय डबुआ पाली रोड़, सारन तालाब बूस्टिंग वार्ड नंबर 7, सन्त नगर, नवादा गांव वार्ड नंबर 16, वार्ड नंबर 37, सब्जी मण्डी बल्लबगढ़, एनएच-3सी पार्क आदि क्षेत्रों निसंक्रमक दवाई का छिड़काव किया गया। निगम क्षेत्र में फोगिंग कराने के लिए भी टीमों को गठन किया हुआ है और विभिन्न-विभिन्न क्षेत्रों में फोगिंग करवाई जा रही है। निगम के द्वारा इन टीमों को के संक्रमण से बचने व निगम क्षेत्र में सैनीटाईज करने व फोगिंग करने के लिए मास्क, दस्ताने, गाउन, मशीनरी आदि उपकरण उपलब्ध करवाये गये है।

निगमायुक्त की अपील

वहीं निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने शहरवासियों से अपील की है, कि वे सरकार के आदेशों का पालन करें और 31 मार्च तक घरों से बाहर न निकलें। बहुत ही जरूरी काम से ही बाहर निकलें, कहीं भी लोग एकत्रित न हों। घर के मुख्य द्वार पर हाथ धोने की सुविधा या सैनीटाईजर की व्यवस्था रखें।

ताकि इस वायरस को फैलने से रोका जा सके। निगमायुक्त ने शहरवासियों से निगम के द्वारा कोराना महामारी से बचाव की खातिर के लिए किये जा रहे प्रयासों में सहयोग करने की अपील करते हुए यह भी अपील की है कि उन्हें कोरना वायरस से घबराने की जरूरत नहीं है। इस बीमारी को होने से रोका जा सकता है और इसके लिए सरकार व प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों को भी प्रयास करने होंगे। उन्होंने शहरवासियों को विश्वास दिलाया है कि नगर निगम प्रशासन की पूरी टीम शहर को इस बीमारी से बचाये रखने की खातिर किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ेगा।

जनता का आभार : सतपाल

फरीदाबाद। कोरोना वायरस के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनता से की किए गए जनता कफ्यू के आह्वान को सफल बनाने के लिए शाम को भुपानी गांव के सतपाल भाटी ने जनता का तहे दिल से आभार प्रकट किया है। शाम को जैसे ही 5 बजे लोगों ने घरों के मेन गेट, छतों और गैलरी से थालियां बजाकर स्वास्थयकर्मियों, पुलिस, प्रशासन व मीडिया का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सतपाल भाटी ने कहा आज जिस तरह जनता ने एकजुटता का परिचय दिया है इससे साफ लगता है कि आने वाले दिनों में हम इस महामारी का सर्वनाश करके रहेगें। उन्होनें कहा कि अभी हमें निश्चित होकर बैठने की जरूररत नहीं है ब्लकि कोरोना वायसर के लेकर हमें अपनी लड़ाई में और तेजी लानी होगी और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस खतरनाक बिमारी के प्रति जागरूक करना होगा।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 मार्च, 2020

कोरोना संक्रमण की गंभीरता

कठोरतम नियंत्रणों की जरूरत

दक्षिण कोरिया में चिकित्सा जांच करने वाले हमें सार्स-सीओवी2 वायरस के 'पेशेंट 31' की कहानी बताते हैं। देश में एक खास समुदाय की इस अधेड़ महिला का व्यवहार पहले 30 रोगियों की तुलना में एकदम अलग था। उसने स्वयं को पृथक नहीं किया तथा अपनी व्यवस्था में सदस्य बनाने का अपना काम करती रही। दक्षिण कोरिया के 8,000 से अधिक मामलों के 80 प्रतिशत में उसका पता लगाया जा सका। लेकिन भारत में 'पेशेंट 31' कौन बनेगा? क्या वे बालीवुड गायिका कनिका कपूर होंगी जो स्वयं को पृथक करने के बजाय लखनऊ व कानपुर में पार्टियां करती रहीं? क्या यह कोलकाता में नौकरशाह का लड़का होगा जिसने स्वयं को प्रथक नहीं किया? क्या वह केरल में कासरगोड का व्यक्ति होगा जो अपने विधायक से मिला और एक फुटबाल मैच में भाग लिया? क्या उनमें से कोई होगा जो 'क्वेरेंटाइन' से भाग कर अपने समुदाय पहुंच गए? क्या ये समाज के पढ़े-लिखे मूर्ख होंगे जो समाज में अपनी विशिष्ट स्थिति का लाभ उठा कर अपनी बीमारी छिपा रहे हैं तथा अन्य लोगों को संक्रमित कर रहे हैं? अनेकानेक लोगों में संक्रमण की जानकारी मिली है, जबकि हजारों अन्य को एकान्तवास की सलाह दी गई है, पर वे खुले घूम रहे हैं। अनेक लोगों ने घोषणा फार्मों पर झूठ बोला है या अपना तापमान घटाने के लिए भारत में प्रवेश से पहले एस्प्रिन खा ली। वाइरस महामारी से अनेक चीजें स्पष्ट हो गई हैं और ये दुनिया भर में स्पष्ट हैं। अधिकांश मनुष्य स्वार्थी और मूर्ख हैं। खासकर अंतरराष्ट्रीय यात्रा का अधिकार रखने वालों से हम जिम्मेदारी

की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। भय का माहौल है और लोग सरकारी क्वेरेंटीन में नहीं रहना चाहते हैं। उदाहरण के लिए बहुत से लोग भारतीय शैली के शौचालय प्रयोग करने से डरते हैं। दूसरे अपने सामाजिक जीवन में कटौती नहीं करना चाहते हैं। लोगों से केवल इतना कहा जा रहा है कि वे कुछ दिन घर के भीतर रहें तथा अपना भोजन स्वयं पकाएं। बहुत से लोग सामाजिक हो सकते हैं और 'खाओ, पिओ, मौज उड़ाओ' उनका मूल मंत्र हो सकता है। लेकिन इस कठिन व परीक्षा वाले समय में मूर्खता का कोई स्थान नहीं है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए हजारों अन्य लोग वायरस से संक्रमित होंगे तथा सैकड़ों मर जाएंगे। इससे न केवल अमीरों व अधिकार संपन्न लोगों को कठिनाई होगी, बल्कि उनके सहायकों के माता या पिता का निधन हो सकता है तथा उनकी फैक्ट्री एक महीने तक बंद हो सकती है। भारत का अत्यधिक जनसंख्या घनत्व उसके लिए समस्या है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि सभी लोग स्थिति को गंभीरता से लें। यदि आप विदेश से आए हों तो घर पर रहें। यदि श्वसन समस्या हो तो अस्पताल जांए। आपदा से इनकार न करें क्योंकि यह स्थिति खतरनाक हो सकती है।

इसी कारण सरकार ने बीमारी रोकने के प्रोटोकाल बनाए हैं और अब वह कठोर दृष्टिकोण अपना सकती है। नमूनों के परीक्षण के काम में तेजी लाई गई है, पर यह समझना होगा कि सामुदायिक स्तर पर संक्रमण का प्रसार शुरू हो गया है। मनुष्यों के व्यवहार पर लगाम न लगने के कारण इसमें उम्मीद से अधिक तेजी है। ऐसे में हमें अपनी पसंद तय करनी होगी। हमें आत्मानुशासन, स्वयं को अलग रखने तथा सामाजिक दूरी बनाने के रास्ते पर चलना चाहिए। याद रखें कि भारत का वर्तमान स्वास्थ्य ढांचा चीन की तरह दबाव झेलने तथा रातोंरात अस्पताल बनाने की स्थिति में नहीं है। इसलिए संक्रमण रोकने के गैर-चिकित्सकीय तरीके ही उपलब्ध हैं। यदि जनता आत्मनियंत्रण नहीं करती तो उसे सैनिक आपातकाल जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

कोरोना पर नियंत्रण का व्यावहारिक दृष्टिकोण

हमारे जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में वायरस संक्रमण स्रोत का शत-प्रतिशत पता लगाना या उसके आगे बढ़ने का रास्ता तलाशना लगभग असंभव है। यह सेंटाक्लाज़ की कथा पर विश्वास की तरह होगा।

दीपक सिन्हा
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

अब हम अनिश्चितता, भय व निराशा के समय में जी रहे हैं। हालांकि, मनुष्यों की प्रतिबद्धता, साहस व दृढ़ता की खबरें भविष्य के प्रति उम्मीद जगाती हैं। हम अभूतपूर्व समय में रह रहे हैं जिसका हमें कोई पूर्व-अनुभव या जानकारी नहीं है तथा उसके बारे में समझदारी और भी कम है। वर्तमान समय में कोई ऐसा व्यक्ति जीवित नहीं है जिसने 1918 की स्पैनिश फ्लू वैश्विक महामारी देखी हो जिसमें 33 मिलियन लोग मारे गए थ्ले। इनमें उप-महाद्वीप के लगभग 6 मिलियन लोग शामिल थे। इसी तरह बंगाल का अकाल भी देखने वाले लोग अब नहीं है जिसमें 10 मिलियन लोग मारे गए थे। यह पूर्णत: स्पष्ट है कि हम एक अत्यधिक क्रूर व अदृश्य शत्रु के खिलाफ युद्ध कर रहे हैं जो किसी सीमा, नस्ल, वर्ग, आयु, धर्म या जाति का भेद नहीं करता है।

यदि हमें इस दुश्मन को हराना है तो न केवल भौतिक, बल्कि मनोवैज्ञानिक, सामाजिक या आर्थिक रूप से निपटना होगा। हमारे सामने कोई रास्ता नहीं है, बल्कि हमें विश्व समुदाय के साथ काम करते हुए सद्भावना, दृढ़ता व साहस का परिचय देना चाहिए। यह न केवल हमारे अपने हित में, बल्कि पूरे समुदाय के हित में है। इससे निर्धारित होगा कि हम सभ्य हैं या नहीं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से यह समय राजनीतिक दृष्टिकोण ठीक रखने तथा अतीत के खेल न खेलने का है। अक्सर कहा जाता है कि युद्ध में हारने वालों का कोई स्थान नहीं होता है। यदि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया जाए तो सरकार ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया से संक्रमण तथा मरने वालों की संख्या सीमित रखने का अब तक शानदार काम किया है। दुर्भाग्य से आंकड़ों के साथ छेड़छाड़ हो रही है जिसके अनेक कारण हो सकते हैं। सवाल यह है कि नीति नियंत्रण की परीक्षा कैसे होगी और विवाद को दूर रखने के लिए कितने परीक्षण करने होंगे।

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के अनुसार वाइरस परीक्षण की क्षमता वर्तमान समय में केवल 500 प्रति दिन है जिसे आने वाले दिनों में बढ़ाया जाएगा। इस प्रकार वर्तमान समय में केवल प्रभावित देशों से आने वाले लोगों की ही स्क्रीनिंग हो रही है और स्थिति संदिग्ध होने पर ही उनके परीक्षण किए गए। स्क्रीनिंग में ठीक पाए गए लोगों से भी उम्मीद की गई थी कि वे स्वत: एकान्तवास का रास्ता अपनाएंगे तथा भीड़ के साथ नहीं रहेंगे। विदेश से लौटने वालों के साथ संपर्क करने वालों का भी परीक्षण हो रहा है। इसके साथ ही सरकार ने देश भर में 800 उन रोगियों का रैंडम परीक्षण किया है जिनको श्वसन तंत्र समस्याओं के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया था।

इन परीक्षणों में निकले नकारात्मक नतीजों के आधार पर सरकार जोर दे रही है कि सामुदायिक संक्रमण के कोई मामले सामने नहीं आए हैं। लेकिन यह समझ समस्या का कारण हो सकती है। संक्रमण के अनेक पुष्ट मामलों के साथ ऐसे अनेक मामले हैं जहां लक्षण स्पष्ट नहीं होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग क्वेरेंटाइन से भाग गए हैं जो निश्चित रूप से दूसरों को संक्रमित करेंगे और सामुदायिक संक्रमण का यही अर्थ है। हमारे जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में वाइरस संक्रमण स्रोत का शत-प्रतिशत पता लगाना या उसके आगे बढ़ने का रास्ता तलाशना लगभग असंभव है। यह सेंटाक्लाज़ की कथा पर विश्वास की तरह होगा। निश्चित रूप से संभावना है कि सरकार को असली तस्वीर पता है और वह घबराहट फैलने से रोकने के लिए जनता से इसे छिपा रही है।

यदि सरकार का यही इरादा है तो वह भारी गलती कर रही है क्योंकि हम में से सभी लोग जानते हैं कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में क्या हो रहा है। वास्तव में इस विषय पर अनेक अनुमानों के अनुसार पहचाने गए मामलों की तुलना में असली मामलों की संख्या लगभग दस गुना अधिक है। इसके अलावा इस तथ्य को देखते हुए कि मामलों की संख्या हर तीन दिनों में दूनी हो रही है, जनता में संक्रमित लोगों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में गणित के अनुसार 1,024 गुना अधिक हो सकती है। हमारे संदर्भ में कुल पहचाने गए मामलों की संख्या 19 मार्च को 169 थी जो 20 मार्च को एक तिहाई बढ़ गई। पूरी संभावना है कि 19 अप्रैल तक संक्रमित लोगों की संख्या 1.7 लाख से 17 लाख के बीच हो सकती है। यह इस चीज पर निर्भर होगा कि हम संक्रमण रोकने में सफल होते हैं या नहीं तथा किन आंकड़ों पर विश्वास करते हैं। अन्य आंकड़ों के अनुसार दूसरे देशों में 15 प्रतिशत को गहन चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता होगी तथा दो तिहाई जीवित नहीं रहेंगे।

सत्ता के पदानुक्रम तथा उसे संचालित करने वाली नौकरशाहियों की समस्य यह होती है कि वे खाली स्थान पसंद करती हैं क्योंकि इस स्थिति में वे अपनी स्थिति मजबूत रखते हुए जवाबदेही से बचती हैं और दीर्घकालीन समस्याओं व सांगठनिक ढांचों के बारे में एकरेखीय रूप से सोचती हैं। इस प्रकार की आपातस्थिति के लिए पार्श्व सोच की जरूरत होती है ताकि जोखिम व जबरन हस्तक्षेप राजनीतिक नेतृत्व के दायरे में आ सके। अब उसे आगे बढ़ कर स्पष्ट दिशा देनी चाहिए, आवश्यक गतिशीलता को बढ़ावा देना चाहिए तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निश्चित रूप से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने में दिलचस्पी दिखाई है, पर इस बार नौकरशाही पर उनकी निर्भरता की आदत हानिकारक हो सकती है।

हमने मुद्दे से निपटने के लिए नौकरशाही वाली रणनीति अपनाई है। इसके परिणामस्वरूप हमारी प्रतिक्रिया नौकरशाही वाली है। इस कारण प्रत्येक एजेंसी व विभाग अपने समक्ष उपस्थित चुनौती को बहुत सक्षम तरीके से निपटने का प्रदर्शन करता है। हालांकि, 'पूरे देश' का माडल बहुत जरूरी है, पर हम 'पूरी सरकार' को सक्रिय नहीं बना सके हैं। यह बात प्रधानमंत्री द्वारा 19 मार्च को राष्ट्र के नाम संबोधन से यह स्पष्ट है। यह प्रेरणादायक वक्तव्य था, लेकिन भविष्य के लिए किसी कार्ययोजना का इसमें अभाव था। केवल एक स्वैच्छिक एक-दिवसीय राष्ट्रीय 'जनता कर्फ्यू' की घोषणा की जो भावी कठोर कदमों की भूमिका है। सच्चाई यह है कि प्रेरणादायक बातों का समय बहुत पहले बीत गया है और अब हमें लड़ाई में नेतृत्व करने वाले जनरल की आवश्यकता है। ऐसा दृष्टिकोण अपरिहार्य है क्योंकि जब तक हम अगले सप्ताह कोई कदम उठाएंगे तब तक संक्रमित लोगों की संख्या चार गुना बढ़ चुकी होगी। इससे हमारी स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था पर बोझ बढ़ेगा तथा मृतकों की संख्या बढ़ेगी।

आवश्यकता है कि हमारे राजनेता तथा औसत नागरिक उस समस्या को अच्छी तरह समझें जिससे युद्ध करना है। हमें उन तथ्यों का सामना करना है जो दूसरे स्थानों पर अनुभव से सामने आए हैं तथा हमारी विशिष्ट परिस्थितियां क्या हैं। पहला, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि 1.3 बिलियन जनसंख्या तथा उसके परीक्षण व आवश्यक सुविधायें प्रदान करने का काम बहुत आसान नहीं है। स्पष्ट रूप से कोई सरकार सभी नागरिकों को स्वास्थ्यरक्षा नहीं दे सकती है, भले ही उसकी क्षमता चाहे जो हो। दूसरा, जबरन एकान्तवास समेत सामाजिक दूरी एकमात्र ऐसा विकल्प है जिससे हम कोरोना वाइरस पर नियंत्रण स्थापित कर संक्रमण की दर तब तक घटा सकते हैं जब तक इसकी कोई उचित चिकित्सा नहीं मिल जाती है।

हमारे चारों ओर की दुनिया पूरी तरह बदल गई है, लेकिन शायद हम समय के चक्र में फंस गए हैं और ऐसे ड्रैगन से बचने का प्रयास कर रहे हैं जिसने सारी दुनिया को ध्वस्त कर दिया है। हमें यथार्थ का सामना करना और यह स्वीकार करना चाहिए कि इन परिस्थितियों में आधे-अधूरे प्रयासों का कोई अर्थ नहीं है। कुछ स्थानों पर धारा 144 लागू की गई है तथा आने वाले दिनों में परीक्षण सुविधायें बढ़ाने की उम्मीद की जाती है। हालांकि, ये उपाय ठीक हैं, लेकिन ये काफी नहीं हैं। हमें जल्द ही कठोर कदम उठाने होंगे नहीं तो बहुत देर हो जाएगी। सैनिक शब्दावली में हमें तत्काल पूरी शक्ति से आक्रामक कदम उठाने होंगे। हमारे सामने कोई विकल्प नहीं है और हमें वे कदम फौरन उठाने होंगे जो चीन और इटली ने अंतिम उपायों के रूप में किए हैं।

आवश्यक है कि कम से कम जल्दी से जल्दी 14 दिनों का राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू घोषित किया जाए। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की बारंबारता घटाने, टैक्सियों पर प्रतिबंध लगाने तथा केवल न्यूनतम व्यक्तियों को ही उनके घरों से बाहर निकलने की अनुमति जैसे कठोर कदम उठाने होंगे। सड़कों पर सेना व सीआरपीएफ को ये कदम कठोरता से लागू करने होंगे। हालांकि, इन कठोर कदमों के आर्थिक प्रभाव होंगे, लेकिन हमारे सामने कोई और विकल्प नहीं है।

असंदिग्ध रूप से रोज कमाने वालों पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ेगा, पर यह किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा में स्वाभाविक है। सशस्त्र सेनाओं को पूरी तरह लामबंद कर आंतरिक सुरक्षा व मानवीय व सहायता कार्यों के लिए तैनात करना होगा। समय महत्वपूर्ण है, ऐसे में चर्चा और समितियों का अब कोई महत्व नहीं है।

सेना को तैनाती व लामबंदी के लिए कम से कम तीन-चार दिन का समय चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि इस बीच संक्रमित लोगों की संख्या दूनी हो जाएगी। इस बीच चेतावनी का लाभ उठा कर नागरिक आवश्यक सामग्री एकत्र कर सकेंगे। कठोर कदमों का विरोध करने वालों को इटली, स्पेन, अमेरिका व फ्रांस जैसे देशों की ओर गौर करना चाहिए जिन्होंने चरणबद्ध उपाय किए। ऐसा कर हम अपने स्वास्थ्य ढांचे पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव के दुष्प्रभाव से भी एक सीमा तक बच सकेंगे जो इन देशों को झेलना पड़ा है।

टेलीहेल्थ सेवाओं को प्रोत्साहन दे सरकार

आज जब कोरोनावायरस से उपजी महामारी बढ़ रही है, ऐसे में लोगों को अस्पताल से दूर रखने के लिए सरकार को सक्रिय होकर टेलीहेल्थ सेवाओं का प्रचार एवं समर्थन करना होगा।

विक्रम थपलू
(लेखक अपोलो टेलीहेल्थ के सीईओ हैं)

कोविड-19 के प्रसार ने लोगों को अपने दैनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने, खरीद आदि कामों के लिए दूरसंचार के तरीके तलाशने को बाध्य करते हुए लगभग सारी दुनिया को ठप कर दिया है। कहा जाता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री, जस्टिन ट्रूडे अपनी पत्नी के कोरोनावायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद से देश का प्रशासन दूरसंचार के द्वारा चला रहे हैं। बड़े पैमाने पर दूरसंवेदी कार्य प्रणाली को अपनाया जा रहा है तथा कार्यस्थलों द्वारा अपने कर्मचारियों से अप्रत्याशित रूप से घर से काम करने की छूट दी जा रही है, दूरसंवेदी स्वास्थ्यरक्षा का क्षेत्र बढ़ रहा है। दुनियाभर में, स्वास्थ्यरक्षा प्रणालियों ने जानकारी दी है कि दूरसंचार माध्यम से चिकित्सकों से परामर्श लेने वालों की संख्या बढ़ रही हैं और इस बढ़ोतरी के साथ कदम से कदम मिलाते हुए, स्वास्थ्यरक्षा संगठन कोरोनावायरस के संभावित संक्रमण की स्क्रीनिंग एवं उपचार करने हेतु टेलीहेल्थ सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। ऐसा करते हुए वे जिम्मेदारी से संक्रमण पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका में, देश में कोरोनावायरस का प्रकोप होने के बाद बहुत सी कृत्रिम बुद्धि आधारित दूरसंचार स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं ने दूरसंवेदी चिकित्सा अपनाने वालों की संख्या महत्वपूर्ण रूप से बढ़ोतरी की जानकारी दी है।

असलियत में, टेलीहेल्थ के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनका प्रशासन और अधिक संख्या में डॉक्टरों द्वारा वीडियो संप्रेषण एवं अन्य सेवाओं का दूर बैठकर इस्तेमाल कर सेवाएं देना सरल बनाने के लिए कुछ परिसंघीय नियमों को दरकिनार कर रहा है। भारत में भी बहुत से टेलीहेल्थ सेवा प्रदाता आनलाइन मरीजों की संख्या में 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी के गवाह बने हैं। यह रुझान महानगरों में खासकर नजर आता है क्योंकि यहां पर इंटरनेट का प्रयोग व प्रचलन एवं जागरूकता अधिक होती है और नगरीय जनसंख्या देश व दुनिया में अपने साथियों एवं परिवारों के साथ जुड़े रहने के लिए वीडियोकान्फ्रेंसिंग, फेस टाइमिंग एवं स्काइपिंग की अवधारणा से परिचित है। इसलिए, नगरीय इलाकों में ज्यादा से ज्यादा टेलीहेल्थ केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं और वे वीडियो लिंक के माध्यम से उन्हें परामर्श एवं सलाह देने का काम कर रहे हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से निबटने में टेलीहेल्थ मुख्य भूमिका अदा कर सकती है। वैश्विक रूप से स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्थाएं अत्यधिक बोझ से लदी हैं, क्योंकि वैश्विक महामारी का आयाम परम्परागत स्वास्थ्यरक्षा प्रणालियों के लिए एक भयावह विभीषिका की तरह है। अस्पतालों की गहन चिकित्सा इकाइयां बहुत कम पड़ गई हैं तथा गंभीर आपदाग्रस्त देशों में डाक्टरों को वैकल्पिक व्यवस्थाओं से काम चलाना पड़ रहा है। भारत में स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था पर पहले से ही बहुत ज्यादा बोझ है। ऐसे में, महामारी एक बड़ी विभीषिका के रूप में सामने आई है। इसलिए, टेलीहेल्थ जैसी वैकल्पिक प्रक्रियाओं का प्रयोग लाभदायक है जो मुख्यधारा हस्तक्षेपों में मददगार हो सकती हैं। कोविड-19 वैश्विक महामारी टेलीहेल्थ के मामले में एक महत्वपूर्ण बिंदु सिद्ध हो सकती है। इससे बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से निबटा जा सकता है। टेलीहेल्थ कोरोनावायरस प्रबंधन व उसे सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

रोगियों के घर में एकांतवास व परीक्षण कोरोनावायरस से निबटने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहे हैं। परीक्षण से लेकर इलाज तक रोगी को एकांत में रखा जाता है, जिसके लिए हमारे स्वास्थ्यरक्षा संसाधन के प्रत्येक हिस्से को कोविड-19 चिकित्सा प्रक्रिया में शामिल करना होगा। लक्षणों वाले रोगियों का फौरन परीक्षण किया जाना चाहिए तथा उनको अस्पतालों में भर्ती करना चाहिए। इसी प्रकार, प्रशासनिक एकांतवास सुविधाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ानी होगी, जो इस समय बहुत कम है। इसलिए, यथासंभव अधिकाधिक अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को अस्पतालों से हटाना होगा ताकि कोरोना संक्रमण से निबटने में वे पूरी भूमिका अदा कर सकें। दुनियाभर में अधिकांश हल्के व मध्यम लक्षणों वाले रोगियों को घर पर स्वत: एकांतवास के लिए कहा जाता है ताकि अस्पताल गंभीर बीमारों के इलाज हेतु मुक्त रह सकें जिनको कृत्रिम श्वसन सहायता की आवश्यकता हो। टेलीहेल्थ सेवाएं इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं कि रोगियों की निगरानी व चिकित्सीय सलाह दी जा सके। निजी चिकित्साकर्मियों के साथ सरकार की साझीदारी सक्रिय रूप से टेलीहेल्थ हेल्पलाइनें बनाने व उनका प्रचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। सुदूर क्षेत्रों व दुर्गम क्षेत्रों के लोग कोरोनावायरस संक्रमण के बारे में टेलीहेल्थ सेवाओं से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यदि जुकाम व खांसी से ग्रसित प्रत्येक व्यक्ति अस्पतालों या क्लीनिकों तक दौड़ लगाने लगे तो इससे स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली गंभीर संकट में फंस जाएगी। इसके साथ ही, अनेक रोगी केवल मौसमी फ्लू के शिकार होंगे। टेलीहेल्थ के रास्ते से अधिकांश गंभीर रोगियों तथा अस्पताल में भर्ती करने योग्य रोगियों की पहचान संभव है। डॉक्टर टेलीकान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोगियों के लक्षणों पर गौर कर सकते हैं तथा उनको चिकित्सा व सावधानियों तथा आवश्यक परीक्षणों के बारे में सलाह दे सकते हैं। लक्षण गंभीर होने पर उनको समुचित स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं के बारे में भी सलाह दी जा सकती है। हालांकि, पैथोलॉजिस्ट को भी घरों से नमूने एकत्र करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। टेलीहेल्थ से अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी संबोधित किया जा सकता है। ऐसे समय जब स्वास्थ्यरक्षा के अधिकांश संसाधन कोरोनावायरस के खतरे से निबटने पर लगाए गए हों तो बड़ी संख्या में अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रोगी परेशान हो सकते हैं। इनमें तात्कालिक व दीर्घकालीन समस्याएं हो सकती हैं जिनके लिए तात्कालिक चिकित्सकीय सहायता जरूरी हो। इनकी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए संसाधनों की कमी है। इसके साथ ही खतरनाक संक्रमण क्लीनिकों व अस्पतालों के द्वारा भी फैल सकता है। ऐसे में टेलीहेल्थ रोगियों के समूहों को एक सुरक्षित व प्रभावी मार्ग उपलब्ध कराता है। टेलीहेल्थ प्रदाताओं व अस्पतालों को विभिन्न प्रकार के विशेषज्ञों से संपर्क रखना चाहिए ताकि रोगियों को टेलीहेल्थ सुविधाएं मिल सकें। इससे सुनिश्चित होगा कि कोरोना संक्रमण के समय भी अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोगों की अनदेखी ना हो।

आप की बात

कोरोना से जंग

सारी दुनिया आज एक कोरोना वायरस नामक गम्भीर लाइलाज़ बीमारी के संकट से युद्ध जैसी आपातकाल की स्थिति से गुजर रही है, विश्व के अधिकांश देशों में इस कोरोना वायरस के हमले के चलते बने हालातों की विभीषिका देखकर हर किसी का मन द्रवित हो उठता है, कोरोना संक्रमण के हमले के चलते विश्व में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है दुनिया में किसी को भी इस दुश्मन पर विजय प्राप्त करने का कोई कारगर अस्त्र व शस्त्र अभी तक नहीं मिल रहा है। ताकतवर से ताकतवर देश भी अभी तक इस दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में अपने आपको लाचार व कमजोर महसूस कर रहा है, बेखौफ होकर यह दुश्मन लोगों को अपना शिकार बना कर उनकी अनमोल जानों को लील रहा है। इस कोरोना वायरस के चलते सारी दुनिया ठप पड़ गयी हैं सभी को` आर्थिक व जानमाल का नुकसान हो रहा है। कोरोना वायरस से बचाव करने के एकमात्र सबसे कारगर उपाय के चलते पूरी दुनिया इस समय धीरे-धीरे लगभग अपने आप या सरकार की पहल पर लॉक डाउन की स्थिति में जा रही है। भारत के साथ-साथ अधिकांश देशों ने अपनी सभी सीमाओं को बंद कर इस वायरस के जड़ से खात्मे के लिए उसके खिलाफ एलान-ए-जंग कर रखा है।

– **दीपक कुमार त्यागी**, मेल से

अवसरवादिता की हद

कोरोना को अवसर के रूप में भुनाते हम सिर्फ ऑनलाइन मैसेजों से नही घिरे बल्कि अपने इर्दगिर्द जिन लोंगों से घिरे हैं वे भी बड़ी चालाकी से इसे अपने अपने फायदे के अवसर में बदलना चाहते हैं 19 मार्च 2020 को सुबह 10 बजे यह ख़बर फ्लैश होती है कि आज शाम प्रधानमंत्री देश को सम्बोधित करेंगे इस ख़बर के सुनते ही बाजारों में एक गुपचुप अफरातफरी मच गई, लोंगों ने यह अनुमान लगाया कि प्रधानमंत्री आज हेल्थ इमरजेंसी या फिर लॉकडाउन की घोषणा करने वाले हैं इन आशंकाओं को उसी पल बाजारों ने भुनना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बाजारों में आटा, दाल, जरूरी घरेलू सामान जो करीब करीब सब घरों में आवश्यक होते गायब होने लगे, कुछ ही देर में रसोई व आवश्यक चीजों की कीमतें 5-10 फीसदी से लेकर 25 फीसदी महंगी बिकने लगी। मास्क और सेनेटाइजर भी। इन छोटी छोटी बातों से पता लगता है कि हम कितने शिष्ट और कितने सभ्य समाज हैं। जो लोग ऐसे मौकों को भुनाने के लिए बड़ी बड़ी कम्पनियों को कोसते हैं। जब उन्हें मौका मिला तो वो भी इसे भुनाने से नहीं चूके। जो सब्जियां 20 रुपये किलो थी वो कोरोना के दहशत से 40-50-60 रुपये किलो बिकने लगी इससे पता लगता है कि हम कितने अवसर वादी है। – **अभिनंदनभाई पटेल,** लखनऊ

जनता कर्फ्यू की सफलता

देश के प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया कोरोना महामारी से लड़ने हेतु जनता कर्फ्यू का आवाह्न लगभग पूर्णत: सफल हुआ। देश के तमाम बड़े शहर दिल्ली , कोलकाता, लखनऊ आदि से लेकर छोटे कस्बों एवं गांवों तक में लोगों ने जनता कर्फ्यू को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।। किसी राष्ट्रहित के मुद्दे पर जनता द्वारा की गयी सहभागिता का प्रतिशत ही उस राष्ट्र की शक्ति को परिभाषित करता है। शायद यह पहला मौका था जब जनता के द्वारा जनता का कर्फ्यू देश में लगा। अभी तक कोरोना वायरस से होने वाली बीमारी कोविड 19 की वैक्सीन विकसित नहीं हो पायी है अत: इस बीमारी से लड़ना तो अभी सम्भव नहीं है पर बचा जरूर जा सकता है। यह वायरस आदमी से आदमी में फैलने वाला है अत: जनता कर्फ्यू के द्वारा इस वायरस को फैलने से रोका जा सकता है। आईये हम सभी अपने लिए , अपनों के लिए , राष्ट्र के लिए भविष्य में भी जनता कर्फ्यू का बिना किसी राजनैतिक विद्वेष की भावना से समर्थन कर देश को कोरोना से मुक्ति दिलाएंगे।

– **अभिनव दीक्षित,** बांगरमऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

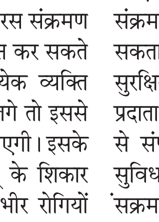

उस समय सरकार द्वारा विदेश से लौटने वालों के लिए स्वत: एकान्तवास की कोई सलाह नहीं थी।

– **कनिका कपूर**
गायिका

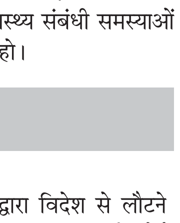

कनिका को लंदन से नहीं लौटना चाहिए। यह उनकी पहली गलती थी। उनका व्यवहार गैर-जिम्मेदाराना था।

– **भप्पी लाहिड़ी**
संगीतकार

सावधानी बरतें पर धबराए नहीं। यह न केवल घर, बल्कि शहर और कस्बों के लिए महत्वपूर्ण है। अनावश्यक यात्रा से किसी को लाभ नहीं होगा।

– **नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री

महामारी पर नियंत्रण के लिए जनसहयोग बेहद जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कोरोना वायरस से उतपन्न संकट को देखते हुए प्रदेश की जनता से अपील की है कि वे बीमारी से बचाव के लिए सुरक्षा के सभी उपायों का कड़ाई से अनुपालन करें। उन्होंने कहा है कि केन्द्र व राज्य सरकार अपने स्तर से बीमारी से निपटने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। इन उपायों को लागू करके कोरोना जैसी महामारी पर नियंत्रण के लिए जन सहयोग बेहद आवयश्क है।

उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा अपनी में कहा कि कोरोना से जीतना सबसे आसान भी है और सबसे कठिन भी, घर बैठ गये तो जीत गये और बाहर निकल गए तो हार गये। शायद दुनिया के इतिहास में ये पहला ऐसा युद्ध होगा जिसे घर बैठकर जीता जा सकता है। डा शर्मा ने विशेष रूप से बच्चों और अभिभवकों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचाव का उपाय सोशल डिस्टेंसिंग व हाथ को समय समय पर साबुन से धोना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन उपायों की शुरुआत जनता कर्फ्यू से की थी जिसे जनता का भरपूर समर्थन मिला था। इसके बाद प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ही राज्य सरकार ने आगे बढ़ते हुए प्रदेश के कुछ जिलों में लॉकडाउन की घोषणा की है जिससे कि लोग अपने घरों में रहें व संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इस समय में घर पर रहकर केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा जारी निर्देशों का पालन राष्ट्र सेवा से कम नहीं है। स्वस्थ राष्ट्र व स्वस्थ नागरिक के उद्देश्य को हासिल करने के लिए यह सबसे अहम है। इसलिए लाक डाउन को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सभी लोग अपने अपने घर के अंदर रहें और अपने आपको तथा अपने परिवार को बचाएं। इस अवधि में घर के बड़े बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश के छात्र छात्राओं से कहा यह समय राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारी निभाने का है इसलिए वे बड़ों को आदर सहित बार बार इस बीमारी से बचाव के बारे में याद दिलाएं व उनसे इनके अनुपालन का अनुरोध भी करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग आपकी सेवा के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है।

बड़े मेडिकल कॉलेज 200 आइसोलेटेड बेड करें स्थापित

● 24 घंटे में मेडिकल कालेजों से रिपोर्ट तलब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सभी बड़े मेडिकल कॉलेजों में 200 आइसोलेटेड बेड तथा 500 क्वॉरेंटाइन तथा छोटे मेडिकल कॉलेजों को न्यूनतम 20 आइसोलेटेड बेड स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके सभी मेडिकल कॉलेजों सभी मेडिकल कॉलेजों से 24 घण्टे में रिपोर्ट तलब की है।

सोमवार को योजना भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के 24 राजकीय एवं 27 निजी मेडिकल कालेजों के प्रधनाचार्यो एवं प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस दौरान संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी भी मौजूद रहे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने सभी मेडिकल कॉलेजों को वर्तमान समय में कोरोना वायरस के चुनौती से निपटने के लिए बचाव एवं इलाज हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों को लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए इसे गंभीरता से लिया है और मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के 15 जनपदों को लॉक डाउन किया गया है। सरकार का हर संभव प्रयास है कि इसके प्रसार को रोका जाए। इस दौरान प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा राजनीश दूबे एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बाहर से आए व्यक्तियों पर नजर रखें, जरूरत हो तो जांच कराएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लॉकडाउन जिलों को लेकर मुख्य सचिव ने डीएम एसएसपी को दिए निर्देश

मुख्य सचिव आरके तिवारी ने लाकडाउन के सभी जिलों के डीएम और एसएसपी को निर्देश जारी करके कहा है कि बीते दो सप्ताह में जो भी व्यक्ति प्रदेश के बाहर से आए हैं उन पर निगरानी रखी जाए एवं आवश्यकता होने पर उन्हें कोरेनटाइन करने के साथ ही उनकी जॉच आदि की कार्यवाही की जाए। किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्तियों की भीड़ एकत्रित न हो।

इस संबन्ध में ग्राम प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आशा कर्मियों का भी सहयोग लिया जाए। समस्त जनपदों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई का व्यापक एवं निरन्तर अभियान चलाया जाए ताकि कहीं कोई कूड़ा या गन्दगी दिखाई न दें। जिन आवश्यक सेवाओं को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है उनके कर्मियों को अपने कार्यालय अथवा कार्य-स्थल पर जाने से न रोका जाए। जन-सामान्य को दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं को प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। इस के लिए दूध, सब्जियों आदि की आपूर्ति के लिए मोहल्लों में ठेला विक्रेताओं एवं छोटे वाहनों से विक्रय की व्यवस्था की जाए ताकि लोगों को इन वस्तुओं को लेने के लिए घर से दूर न जाना पड़े। लाउडस्पीकर से जन सामान्य को लॉकडाउन अवधि में यथा-संभव घर के अन्दर रहने, भीड़ एकत्रित न करने व अन्य सावधानियां बरतने के संबन्ध में जानकारी दी जाए। दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर निरन्तर दृष्टि रखी जाए। जमाखोरी, कालाबाजारी एवं मुनाफ ख़ोरी में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध गंभीर त्वरित कार्रवाई की जाए तथा इसकी सूचना खाद्य आयुक्त, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद को दी जाए। राशन की दुकानों के माध्यम से वितरण की सुदृढ़ व्यवस्था की जाए। इस के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती की जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक राशन की दुकान पर सेनेटाइजर, साबुन से हाथ धोने की समुचित व्यवस्था हो।

अस्वस्थ एवं वरिष्ठ नागरिकों की सविधा के लिए उन्हें घर में ही सेवा प्रदान करने वाली नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टाफएवं अन्य व्यक्तियों को भी जाने से न रोका जाए। सार्वजनिक पार्कों में भी लोगों को टहलने एवं एकत्रित होने से रोका जाए। अपने-अपने जिले में 24 घंटे सातों दिन एक कन्ट्रोल रूम की स्थापना करते हुए इसकी निरन्तर समीक्षा की जाय तथा इस संबन्ध में सूचनाएं संकलित कर शासन के भी सबन्धित विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव को सूचना भेजी जाए।

परदेसी बने स्वास्थ्य विभाग के लिए सिरदर्द

● मुम्बई, दिल्ली जैसे महानगरों से लौटे लोगों के चलते गांवों में संक्रमण की संभावना बढ़ी

● विभाग ने जिलाधिकारियों के माध्यम से ग्राम प्रधानों को सक्रिय करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश में कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने में जुटी सरकार के प्रयासों के बीच परदेसियों ने स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ा दी है। बीते 24 घंटे से देश के कई शहरों में लॉक डाउन की स्थिति से पूर्व दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों में रोजी-रोटी के चक्कर में कमाने वाले लोगों से रोजगार के अवसर छीन जाने के बाद इनकी घर वापसी से गांवों में संक्रमण की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर अपने-अपने जिलों को ग्राम प्रधानों को सक्रिय करने को कहा है।

कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में देश में मुंबई दिल्ली यूपी सहित कई प्रदेशों में वायरस पॉजिटिव मरीजों का इलाज आइसोलेशन वार्ड में रख कर किया जा रहा है। इनमे देश मे मुंबई नम्बर एक पर है। वही कोरोना वायरस के चलते प्रभावित अर्थव्यवस्था की सबसे अधिक मार प्राइवेट सेक्टर पर पड़ी है। कई कम्पनियों ने अपने वर्करों को घर जाने को बोल दिया है। ऐसे में रोजगार के चक्कर मे इन शहरों का रुख करने वाले नागरिकों के घर वापसी से गांवों में कोरोना वायरस के संक्रमण बढ़ने की संभावना से इनकार नही किया जा सकता है। अभी तक बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों में पहुचे कोरोना वायरस के गांवों में भी पहुचने के आसार हैं।

जिलाधिकारियों को भेजा निर्देश

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ रुकुमकेश ने बताया कि एयरपोर्ट से लेकर रेलवे और बस स्टेशनों पर यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। इसके बावजूद लॉक डाउन से पूर्व जो लोग अपने घरों तक पहुच गए हैंए उनके लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर ग्राम प्रधानों को सक्रिय रखने को कहा गया है। डॉ रुकुमकेश ने बताया कि ग्राम प्रधानों को बाहर से लौटने वालों पर नजर रखनी होगी। यदि उनमे कोई सर्दीए जुखामए खांसीए फीवर जैसे लक्षण दिखते हैं तो उनके बारे में ग्राम प्रधानों को सूचना देनी होगी। ऐसे लोगों को 14 दिन के लिए आब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

गेहूं खरीद बढ़ाने को सरकार की मंजूरी

लखनऊ। कोरोना के चलते गेहूं खरीद को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। प्रदेश में पहली अप्रैल से गेहूं खरीद शुरू होना प्रस्तावित थी। खाद्य एवं रसद विभाग ने प्रस्ताव भेजकर निर्धारित समयसीमा को बढ़ाये जाने की मांग की थी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि खरीद का नया समय दस से पन्द्रह अप्रैल के बीच प्रस्तावित किया गया है। हालांकि अंतिम रूप से तिथि का निर्धारण कोरोना को लेकर बनने वाले हालात पर निर्भर करेगा। कोरोना संकट लंबा चलने की स्थिति में खाद्य एवं रसद विभाग नये विकल्पों पर भी काम कर रहा है। विदित हो कि आमतौर पर राज्य में पहली अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद होती है। इस साल भी उक्त तिथि पर खरीद प्रस्तावित थी। इसके लिये किसानों का पंजीकरण भी खोला जा चुका है। योगी सरकार ने गेहूं खरीद नीति को अपनी मंजूरी भी दे दी थी और गेहूं खरीद की सारी तैयारियां शुरू भी हो गई थीं।

बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की सेहत में सुधार नहीं, हालत स्थिर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस पीड़ित बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की सेहत में सुधार नहीं है। सोमवार को कनिका कपूर की दूसरी जांच रिपोर्ट में पीजीआई प्रशासन ने वायरल लोड ज्यादा होने की पुष्टि की है। पीजीआई प्रशासन के मुताबिक आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कनिका कपूर के इलाज के लिए इमरजेंसी मेडिसिन पलमोनरी मेडिसिन सहित अन्य विभागों के चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई है। आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कनिका कपूर को लेकर एक दिन पूर्व ही पीजीआई प्रशासन ने उन पर इलाज में न सहयोग करने का आरोप लगाया था। जबकि आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर कनिका कपूर के वार्ड को चारों तरफ से सैनिटाइज किया गया है। जिससे इलाज कर रहे डॉक्टरों सहित नर्सिंग स्टाफमें किसी प्रकार के संक्रमण की संभावना ना हो। अस्पताल के सीएमएस डॉ अमित अग्रवाल ने बताया कि कोरोना वार्ड में भर्ती बॉलीवुड सिंगर की स्थिति स्थिर बनी हुई है। कनिका की दोबारा जांच के लिए सैंपल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही इलाज को लेकर आगे निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि कनिका 11 मार्च को लंदन से लखनऊ आई थीं। कनिका ने गत 13, 14 और 15 मार्च को होली से जुड़ी दो-तीन पार्टियों में शिरकत की थी। सामाजिक रुप से सक्रियता के चलते उनकी पार्टियों में बड़े राजनेता उद्योगपति तक शामिल हुए थे। कनिका कपूर में वायरस के पॉजिटिव पाए जाने के बाद पार्टी में शामिल हुए लोगों के बीच दहशत का माहौल था। लेकिन अच्छी बात यह है कि अभी तक जितने लोगों की जांच के नमूने भेजे गए थे उनमें किसी भी किसी का भी सैंपल पॉजिटिव नहीं मिला है। इनमें प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह से लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लोकायुक्त संजय मिश्रा, पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद सहित कई लोग कनिका कपूर के मिलने जुलने वालों के संपर्क में आए थे।

पीएम के ट्वीट के बाद चौकन्ने हुए अफसर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाराजगी भरे ट्वीट के बाद लॉक डाउन का सख्ती से पालन कराए जाने को लेकर प्रदेश के आला अफसर चौकन्ने हो गए। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने स्वयं पुलिस मुख्यालय पहुंचकर सभी 16 जिलों में लॉक डाउन की स्थिति की समीक्षा की व लापरवाह अफसरों को फटकार लगाते हुए उन्होंने लॉक डाउन का सख्ती के साथ पालन कराए जाने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव गृह ने डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी व अन्य आला पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा भी की। लॉक डाउन घोषित किए गए जिलों लखनऊ, बनारस, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, बरेली, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा, अलीगढ़, सहारनपुर, लखीमपुर, आजमगढ़, मुरादाबाद और पीलीभीत के पुलिस प्रशासन के अफसरों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया गया। इन अफसरों को अपने-अपने जिले में सख्ती बरतने के निर्देश दिए। स्पष्ट हिदायत दी गई कि गैर जरूरी काम से घरों से निकलने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिलों में लॉक डाउन का कड़ाई से अनुपालन कराएं। जिलों की सीमाओं पर पुलिस फोर्स तैनात कर हर आने जाने वाले से पूछताछ की जाए।

सरकार तत्काल कर व रिटर्न संबंधी नियमों में ढील की घोषणा करे: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना वायरस के प्रकोप से बचने के लिए हमें दुनिया के अनुभवी विशेषज्ञों और डाक्टरों की सलाह व चेतावनी माननी ही चाहिए। जिन देशों ने लापरवाही की है उनकी गलतियों से भी सीखना चाहिए और जिन्होंने इस पर नियंत्रण किया है उनसे भी।

उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण जनता में व्याप्त असमंजस और आशंका दूर करने के लिए सरकार को तुरंत एक स्पष्टीकरण देना चाहिए कि वह कोराना की रोकथाम के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सोशल डिस्टैंसिंग और आइसोलेशन के निर्देशों का स्वयं भी पालन कर रही है और जनता को भी जागरूक कर रही है तथा उसके अनुसार इंतजाम भी कर रही है। अखिलेश ने कहा कि देश के कारोबारियों, वेतनभोगियों और चार्टर्ड अकाउण्टेंटों पर कोरोना के अलावा वित्त वर्ष के अंतिम सप्ताह का भी दबाव है। सरकार को तत्काल बिना किसी अतिरिक्त दण्ड व शुल्क के कर व रिटर्न स बंधी अतिरिक्त समय व नियमों में ढील की घोषणा करनी चाहिए और करदाताओं को सरकारी भय से मुक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोराना की भयावहता को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और चुस्तदुरूस्त बनाने की जरूरत है। टेस्टिंग किट ज्यादा मात्रा में उपलब्ध कराना चाहिए। यदि जनहित में प्रतिबंध लंबे समय तक लगते हैं तो राज्य सरकार को खाद्य पदार्थ, सब्जियां, दूध, दवाओं की आपूर्ति की करने की भी तैयारी कर लेनी चाहिए।

सोमवार को राजधानी के हजरतगंज चौराहे पर मुस्तैद जवान और पसरा सन्नाटा

कोरोना से बचाव की जंग में जुटे कर्मियों को लाने-ले जाने की व्यवस्था करे सरकार: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● छोटे व्यापारियों को जीएसटी की समयसीमा में दी जाए छूट

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कोरोना वायरस से बचाव एवं सुरक्षा के लिए मांग की है कि प्रदेश के स्वास्थ्यकर्मियों डाक्टर, नर्सेज, लैब टेक्निीशियन, दवा वितरक, सफाईकर्मी आदि जो अस्पतालों में आइसोलेशन एवं सेनीटाइजेसन के लिए अनवरत कार्य कर रहे हैं एवं पेयजल, बिजली आदि से जुड़े हुए लोगों को उनके घरों से लाने-ले जाने की व्यवस्था सरकार कराये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि निजी लैब में कोरोना वायरस की जांच की कीमत 5000 रूपये से अधिक है ऐसे में सरकार तुरन्त अपने नियंत्रण में लेकर प्राइवेट अस्पतालों में भी शुल्क जांच केन्द्र स्थापित करे। मास्क, सेनेटाइजर, हरी सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थो की हो रही कालाबाजारी को रोके। उन्होंने कहा कि गांवों की तरफ भी कोरोना वायरस बढ़ रहा है ऐसी स्थिति में पीएचसी एवं सीएचसी में जांच की व्यवस्था, आइसोलेशन वार्ड का गठन एवं इलाज की समुचित व्यवस्था सरकार तुरन्त सुनिश्चित करे। लल्लू ने कहा कि मानवता के रक्षकों स्वास्थ्य, सफाई एवं पुलिसकर्मियों सहित मीडियाकर्मियों को कोरोना वायरस से सुरक्षा के लिए पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट एन 95 मास्क, ग्लव्स, फेस शील्ड, गॉगल्स, हैंड कवर्स, रबर बूट्स, डिस्पोजेबल गाउन्स उपलब्ध करायें जिससे वे स्वयं कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित रह सकें। दिहाड़ी मजदूर, ठेला, रेहड़ी एवं दैनिक श्रम आधारित जीविका वालों को सरकार की तरफ से आर्थिक मदद सुनिश्चित की जाए क्योंकि सारे कार्य बन्द हो गये हैं, आर्थिक मदद की व्यवस्था की जाए। किसानों के लिए राजस्व विभाग द्वारा बैंक ऋण वसूली पर रोक लगायी जाए, बिजली विभाग द्वारा भी बकाये की वसूली बन्द की जाए। इसके साथ ही छोटे, मझोले व्यापारियों को टैक्स में छूट देते हुए जीएसटी जमा करने की समयसीमा बढ़ाई जाए।

कोरोना वायरस के चलते मध्यमवर्गीय एवं वेतनभोगी वर्ग गंभीर समस्या से जूझ रहा है इसलिए मासिक ईएमआई से इन वर्गों को छूट प्रदान की जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस मुश्किल समय में अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना वायरस से लड़ रहे डाक्टर्स, नर्स एवं सपोर्टिंग स्टाफ को विशेष फाइनेंशियल लाभ दिया जाए।

शराब दुकान आवंटन के दूसरे चरण की ई-लॉटरी स्थगित

लखनऊ। कोरोना वायरस से उत्पन्न खतरे को देखते हुए शराब व बीयर की दुकानों के लाइसेंस आवंटन की दूसरे चरण की लॉटरी स्थगित कर दी गई है। जल्द ही नई तारीख जारी की जाएगी। दूसरे चरण में ऐसी दुकानों का आवंटन होना है जो लाइसेंस नवीनीकरण के बाद बच गई हैं। ऐसी दुकानों के लिए आबकारी विभाग ने ई-लाटरी से आवंटन के लिए आनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मार्च तय की थी और 26 को लाटरी होनी थी। मगर अब इसे बढ़ा दिया गया है। आबकारी आयुक्त पी. गुरुप्रसाद ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि दूसरे चरण के आनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की आखिरी तारीख अब 31 मार्च तय की गई है। मगर ई-लाटरी कब होगी इस बारे में अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है।

राजस्व की हानि तो वहीं वित्तीय स्वीकृतियां भी बंद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कोरोना के चलते सरकार को दोहरा नुकसान

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए राज्य सरकार की जंग के साथ एक नई चुनौती समने आने लगी है। वह कोई और नहीं बल्कि सरकार के खजाने को लेकर है। मौजूदा वित्तीय वर्ष समाप्त होने वाला है। इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति का अंतिम सप्ताह चल रहा है। आम तौर पर मार्च का माह वित्तीय हिसाब-किताब का होता है जो कि 3 से 4 मार्च तक चलता है मगर कोरोना वायरस के खौफ के कारण सचिवालय बंद है सिर्फ लाकडाउन के तहत जिन आवश्यक वस्तुओं को अलग रखा गया है उनके विभाग के प्रमुख सचिव और संबन्धित अनुभाग ही खुले रहेंगे जबकि अन्य का पूर्णतय: सचिवालय आना प्रतिबन्धित है। ऐसे में 90 से ऊपर विभाग हैं जिनकी वित्तीय स्वीकृतियां जारी होनी हैं, ताकि उन सरकारी विभागों का बजट लैप्स न कर जाए। मगर सचिवालय के बंद होने से विभाग खुले नहीं हैं। केंद्र सरकार के कई सारे प्रोजेक्ट हैं जिनके मद की केंद्रांश राशि भी जारी होनी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि क्लोजिंग माह 31 मार्च से बढ़ाकर 31 अप्रैल किया जा सकता है। इस बारे में सरकार विचार कर रही है और मंगलवार से बुधवार तक वित्त विभाग इस मसले पर कोई व्यवस्था जारी करेगा। वित्त विभाग के सूत्रों की मानें तो वित्तीय वर्ष 2019-20 के मार्च का आखिरी हफ्ता सोमवार से शुरू हो रहा है। आमतौर पर 31 मार्च या पहली अप्रैल तक विभाग की सभी वित्तीय स्वीकृतियां जारी कर दी जाती है ताकि विभागीय बजट की धनराशि पीएलए (परमानेंट लेंजर एकांउट) में चली जाती है। यह धनराशि अगले वित्तीय वर्ष में विभाग के बजट में जुड़कर अन्य मदों में व्यय कर दी जाती हैं। सरकार पर दोहरी मार पड़ रही है एक तो वित्तीय स्वीकृतियां जारी नहीं हो पा रही हैं तो दूसरी ओर राजस्व की हानि भी हो रही है। इस सप्ताह रजिस्ट्री बंद है और शराब की दुकानें भी बंद है। राज्य सरकार के खजाने को भरने में इन दो विभाग की सबसे महत्वपूर्णा भूमिका होती है लेकिन मार्च के अंतिम सप्ताह में दोनों ही विभागों से सरकार को मिलने वाला राजस्व शून्य है।

विधान सभा सचिवालय 31 मार्च तक बंद

लखनऊ। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रामण की रोकथाम के लिए सुरक्षात्मक उपायों को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय को 31 मार्च तक बन्द किये जाने का निर्णय लिया गया है। विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कहा है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से यह अपेक्षा है कि वे भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संक्रामण की रोकथाम के लिए जो उपाय प्रसारित किये जा रहे हैं, उनको अपनायेंगे तथा कड़ाई से अनुपालन करेंगे। इसी के साथ यह भी अपेक्षा की जाती है कि विधान सभा के सभी कार्मिक विधान सभा की गरिमा के विरूद्ध कोई आयोजन, सामूहिक कार्य नहीं करेंगे। स्वयं को सामूहिक मेल मिलाप से पृथक रखेंगे एवं शासन द्वारा निर्गत किये गये निर्देशों के अनुपालन में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

सीएसआईआर रिसर्च सेंटरों में हो सकेगी कोरोना मरीजों के सैंपल की जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर द्वारा पिछले दिनों नगर निगम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ हुई बैठक में वैज्ञानिकों ने कोरोना टेस्टिंग की अनुमति मांगी थी जिस पर सफलता मिल गयी है। सरकार ने सीएसआईआर सहित रिसर्च संस्थाओं को अनुमति दी है । सीएसआईआर के रिसर्च सेंटर पर कोरोना के मरीजों के सैंपल की जांच की जा सकेगी ।

सोमवार को कोरोना पर मेयर संयुक्ता भाटिया की पहल का असर दिखा। सीएसआईआर के वैज्ञानिकों को कोरोना टेस्टिंग की अनुमति सरकार से मिल गयी है। मेयर कैंप के अनुसार नगर निगम मुख्यालय में सीएसआईआर सहित संस्थाओं के वैज्ञानिकों के प्रमुख के साथ हुई बैठक की रिपोर्ट पर भारत सरकार की अनुमति मिल गई । बैठक से निकले बिंदुओं के बाद भारत सरकार ने कोरोना वायरस की क्लीनिकल टेस्टिंग के लिए वैज्ञानिकों को अनुमति प्रदान कर दी है। अब देश भर के सभी सीएसआईआर रिसर्च सेंटर कोरोना मरीजों की जाँच कर सकते हैं जिससे ज्यादा मरीजों की जाँच सम्भव हो सकेगी। जल्दी ही सरकार अन्य बिंदुओं पर भी दिशा निर्देश जारी कर सकती है। गौरतलब है कि महापौर संयुक्ता भाटिया ने कोरोना वायरस पर लखनऊ स्थित वरिष्ठ संस्थानों के वैज्ञानिकों व कुलपतियों के साथ नगर निगम मुख्यालय में 20 मार्च को आपात बैठक की थी। इसमें चर्चा के बाद परिणाम स्वरूप कई महत्वपूर्ण बिन्दु निकल कर आये थे जिसका कार्यवृत्त महापौर ने सरकार को भेजा था।

शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड प्रतिदिन 175 गरीब परिवारों को देगा राशन: वसीम रिजवी

लखनऊ। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड चेयरमैन वसीम रिजवी ने कहा कि प्रदेश ही नही पूरा देश इस समय संकट की घड़ी से गुजर रहा है। इस दृष्टि से देश के प्रत्येक नागरिक को संयम बरतते हुए अपने आप को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से सुरक्षा के चलते प्रदेश के कई शहर लॉक डाउन कर दिये गए हैं, ऐसे में दिहाड़ी मजदूरों के सामने भरण-पोषण की बड़ी समस्या पैदा हो गई है। सरकार की तरफ से भी ऐसे लोगों को एक निश्चित धनराशि देने के साथ ही राशन देने का एलान किया गया है। चेयरमैन वसीम रिजवी ने कहा कि शिया सेंट्रल वक्फ बोड भी सरकार के साथ कंधा मिलाकर चलते हुए गरीब दिहाड़ी मजदूरों के लिये राशन उपलब्ध कराने का ऐलान कर रहा है। इसके तहत शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफसे राशन की किट में रोजाना 175 लोगों को दी जाएगी जिसमें डेढ़ किलो दाल, 4 किलो चावल, 5 किलो आटा 1 किलो नमक और 1 किलो तेल रोजाना उपलब्ध कराया जाएगा। वसीम रिजवी ने वक्फ के सभी प्रशासकों को यह निर्देश देते हुए कहा है कि हर एक जरूरतमंद को राशन उपलब्ध कराया जाए। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 24 मार्च, 2020

नक्सलियों को जड़ से उखाड़कर ही रहेंगे: बघेल

भाषा। सुकमा

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में 17 जवानों के शहीद होने की घटना के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और राज्य से नक्सलियों को जड़ से उखाड़कर फेंका जाएगा।सुकमा जिले में नक्सली हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद संवाददाताओं से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने कहा, मिनपा गांव के जंगल में नक्सलियों और जवानों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। हमारे जवान बहादुरी से लड़े हैं। मुझे उन पर बेहद गर्व है। बघेल ने कहा कि जवानों ने लड़ते-लड़ते अपने प्राणों की आहुति दी है। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घायल जवानों से उन्हें जानकारी मिली है कि मुठभेड़ के दौरान अनेक नक्सली भी लगातार गिरते रहे। शहीद उन्होंने कहा कि जवानों के परिवार के साथ छत्तीसगढ़ सरकार खड़ी हुई है और वह हर परिस्थिति में उनका सहयोग करेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब तक यह समस्या समाप्त नहीं हो जाती है, तब तक लड़ाई जारी रहेगी और हम नक्सलियों को जड़ से उखाड़ कर रहेंगे। उन्होंने कहाकि डीआरजी, एसटीएफ और अर्द्धसैन्य बल नक्सलियों का मुकाबला करते रहेंगे। रणनीति को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की रणनीति में कोई कमी नहीं है और न ही सूचनातंत्र में कोई चूक हुई है। बघेल ने कहा कि नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद सुरक्षा बलों के जवानों को रवाना किया गया था। नक्सली पहाड़ में थे और सुरक्षा बल के जवान मैदान में थे। यदि जवान पहाड़ में होते तब नक्सलियों को ज्यादा नुकसान होता। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के मिनपा गांव के करीब नक्सलियों ने शनिवार को सुरक्षा बल के जवानों पर हमला कर दिया था। इस हमले में 15 जवान घायल हो गए थे तथा 17 जवान लापता हो गए थे। रविवार को लापता जवानों के शव बरामद किए गए। शहीद जवानों में 12 डीआरजी के जवान शामिल हैं। यह पहली बार है कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डीआरजी के जवानों पर बड़ा हमला हुआ है। डीआरजी के ज्यादातर जवान बस्तर क्षेत्र से हैं तथा इनमें कई आत्मसमर्पित नक्सली हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पांच अन्य शहीद जवानों में एसटीएफ के प्लाटून कमांडर गीतराम राठिया और सहायक प्लाटून कमांडर नारद निषाद शामिल हैं। शहीद 17 जवानों में से 10 सुकमा जिले के अलग अलग गांवों से हैं।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

सरकार को बहुत पहले ही रेल सेवा रोक देनी चाहिए थी : शिवसेना

भाषा। मुंबई

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच शिवसेना ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी का फैसला अचानक लिया और इसी तरह का रुख रेल सेवा पर रोक लगाने के संबंध में भी अपनाया जबकि रेल सेवाओं पर बहुत पहले ही रोक लगा दी जानी चाहिए थी। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा कि मुंबई में लोकल ट्रेनों समेत रेल सेवाओं पर अगर पहले ही रोक लगा दी गई होती तो कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में इतनी वृद्धि नहीं होती।

पार्टी ने आशंका जताई कि भारत कोरोना वायरस के मामले में इटली और जर्मनी की राह पर हो सकता है जिन्होंने वैश्विक महामारी के खतरे को गंभीरता से नहीं लिया जिसके चलते वहां वायरस से हजारों लोगों की मौत हो गई। पार्टी ने पूछा, प्रधानमंत्री अपने फैसलों से लोगों को चौंकाने के लिए जाने जाते हैं। नोटबंदी के वक्त उन्होंने लोगों को प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय दिया था तो इस वैश्विक महामारी के चलते इतना समय क्यों लिया गया? संपादकीय में दावा किया गया कि मुंबई में उपनगरीय ट्रेनों को प्राथमिकता से रोका जाना चाहिए था लेकिन भारतीय रेलवे के अधिकारी इसके लिए इच्छुक नहीं थे। पार्टी ने कहा, हम इटली और जर्मनी की गलतियां दोहरा रहे हैं। भीड़ जमा होना बड़ा खतरा है क्योंकि संक्रमण आसानी से फैलता है। रेल सेवाओं पर बहुत पहले ही रोक लगा दी गई होती तो संक्रमित मरीजों की संख्या इतनी नहीं बढ़ती।

कोरोना वायरसः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से घरों में रहने की अपील की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को नागरिकों से अपील की वे कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर अपनी सुरक्षा के लिए घरों में रहें। राज्य में सीआरपीसी की धारा 144 के बावजूद कई लोगों को सोमवार को सड़कों पर देखा गया और कई मुख्य सड़कों पर वाहनों के कारण यातायात बाधित रहा। इसके मद्देनजर ठाकरे ने कहा, लोगों को कोविड-19 के खिलाफ इस जंग को गंभीरता से लेना चाहिए। सीआरपीसी की धारा 144 इसलिए लगाई गई ताकि आवश्यक सेवाएं जारी रहें जबकि शेष सेवाएं 31 मार्च तक निलंबित हैं। लोगों को सड़कों पर भीड़ लगाकर नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या बढ़कर 74 हो गई है।

क्विक न्यूज

कोरोना वायरसः द्रमुक और उसके सहयोगियों ने तमिलनाडु विधानसभा सत्र का किया बहिष्कार

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी द्रमुक और उसके सहयोगियो ने सोमवार को कहा कि वे कोरोना वायरस के मद्देनजर लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौजूदा विधानसभा सत्र का बहिष्कार करेंगे। विपक्ष के नेता और द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने विधानसभा अध्यक्ष पी धनपाल को लिखे एक पत्र में कहा कि सत्र का चलना कोरोना वायरस से लड़ाई मे समाजिक दूरी बनाए रखने के सरकार के अभियान के विपरीत है। उन्होंने कहा कि बहिष्कार का निर्णय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इसी संबंध मे लोगों की भलाई को देखते हुए विधायक भी अपने क्षेत्र में रहेंगे। द्रमुक नेता ने कहा, मेरा मानना है कि द्रमुक का बहिष्कार सरकार का ध्यान रोकथाम की तरफ खीचने में मदद करेगा। द्रमुक व्हिप आर सक्करपाणी, कांग्रेस विधायक दल के नेता के आर रामसामी और आईयूएमएल के विधायक के ए एम मोहम्मद अबूबकर ने सचिवालय में संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी 31 मार्च तक सत्र का बहिष्कार करेगी।

प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में एअर इंडिया कर्मियों के साहस की प्रशंसा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस प्रभावित देशों में फंसे लोगो को निकालने में एअर इंडिया के चालक दल के कर्मियों के योगदान की सोमवार को प्रशंसा की। इससे एक दिन पहले ही एयरलाइन ने शिकायत की थी कि उसके चालक दल के जो कर्मी अपनी ड्यूटी पर विदेश गए थे, उन्हे कुछ रेसिडेंट वेलफेयर एसोशिएसन और पड़ोसियो के बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, एअर इंडिया की टीम पर काफी गर्व है जिन्होंने मानवता के आह्वान पर आगे बढ़कर अपूर्व साहस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाई में उनके अभूतपूर्व योगदान की पूरे भारत से कई लोगो ने सराहना की। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट मे नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को टैग किया। पुरी ने अपने ट्वीट में कहा था कि जब कठिन समय होता है तब मजबूत आगे बढ़ता है। पुरी ने अपने ट्वीट मे कैप्टन स्वाति रावल और कैप्टन राजा चौहान के नेतृत्व वाले एअर इंडिया के बोइंग 777 विमान के चालक दल के कर्मियों का चित्र भी पोस्ट किया जिसके माध्यम से रोम में फंसे 263 भारतीयों को वापस लाया गया था।

मिश्र ने राज्यपाल राहत कोष से बीस लाख रूपए मुख्यमंत्री सहायता कोष में भेजे

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कोरोना वायरस से बचाव के प्रयासो के लिए अपना एक माह का वेतन दिया और उन्होने राज्यपाल राहत कोष से भी बीस लाख रूपए की राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष मे भेजी है। मिश्र की इस पहल पर राजभवन के अधिकारियो और कर्मचारियो ने भी अपना एक दिन का वेतन कोरोना वायरस से बचाव के लिए देने का निर्णय लिया है। मिश्र ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से दूरभाष पर वार्ता की और प्रदेश के हालात की जानकारी ली। मिश्र का एक माह का वेतन 3.50 लाख रूपए है। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिन का वेतन 2.25 लाख रूपए है। इसके अलावा राज्यपाल राहत कोष से 20 लाख रूपए दिए गए हैं। राज्यपाल मिश्र ने बताया कि कुल मिलाकर 25 लाख 75 हजार रूपए की राशि राजस्थान मुख्यमंत्री सहायता कोष के कोविड-19 फण्ड मे भेजी जा रही है। राज्यपाल ने बताया कि जो भी व्यक्ति इस कार्य मे आर्थिक सहयोग देना चाहते है, वे राज्यपाल राहत कोष के नाम से चैक अथवा ड्राफ्ट के द्वारा योगदान दे सकते हैं।

मनसे प्रमुख ने महाराष्ट्र, केंद्र के प्रयासों की प्रशंसा की

मुंबई। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कोरोना वायरस से निपटने के प्रयास करने के लिए महाराष्ट्र एवं केंद्र सरकारों और आगे बढ़ कर काम करने कर्मियो की सोमवार को सराहना की। ठाकरे ने बताया कि उन्होंने इस मामले पर रविवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की। उन्होंने कहा, मैंने मौजूदा लॉकडाउन के बारे में मुख्यमंत्री से बात की। मैंने उनसे घरेलू उड़ानें भी रोकने को कहा। उन्होंने कहा कि इस पर विचार किया जा रहा है। मनसे प्रमुख ने कहा, मुझे हैरानी है कि लोग सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ के रूप में एकत्र नही होने के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आज बड़ी संख्या में सड़कों पर निकल रहे है।

बजट सत्र में लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में बजट सत्र सोमवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और इस दौरान 23 बैठकों में 109 घंटे 23 मिनट तक कामकाज हुआ। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण तीन अप्रैल तक चलना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण बनी अप्रत्याशित स्थिति में इसे सोमवार को ही वित्त विधेयक पारित करने और आम बजट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्रहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र (बजट सत्र) की शुरूआत 31 जनवरी को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के साथ हुई थी। बजट सत्र का दो मार्च से शुरू हुआ था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि इस सत्र के दौरान 23 बैठकें (आज की बैठक सहित) हुईं, जो 109 घंटे 23 मिनट तक चलीं। अध्यक्ष ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा करते हुए विदाई उल्लेख में कहा कि सभा ने 31 जनवरी, 2020 को दोनों सदनों के सदस्यों को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्ताव 15 घंटे 21 मिनट तक चले सुव्यवस्थित वाद-विवाद के पश्चात स्वीकार किया गया। बिरला ने कहा कि इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय, विधाई और अन्य कार्यों को भी निपटाया गया। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय बजट 2020-21 पर चर्चा 11 घंटे 51 मिनट तक चली, वहीं रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा 12 घंटे 31 मिनट, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के नियंत्रणाधीन वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा 5 घंटे 21 मिनट तक तथा पर्यटन मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा 4 घंटे और। मिनट तक चली। अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2020-21 के लिए केन्द्रीय बजट के संबंध में शेष मंत्रालयों की अन्य सभी बकाया अनुदानों की मांगों को सभा में मतदान के लिए रखा गया और 16 मार्च, 2020 को पूरी तरह से स्वीकृत किया गया तथा संबंधित विनियोग विधेयक पारित किया गया। वर्तमान सत्र के दौरान, 16 सरकारी विधेयक पुर:स्थापित हुए। कुल मिलाकर, 13 विधेयक पारित हुए। अध्यक्ष ने बताया कि बजट सत्र में 98 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। प्रश्न काल के पश्चात, सदस्यों ने शाम को देर तक बैठकर लगभग 436 अविलंबनीय लोक महत्व के मामले शून्यकाल में उठाए। सदस्यों ने नियम 377 के अधीन कुल 399 मामले भी उठाए। सदन में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सरकारी कामकाज के संबंध में दो वक्तव्य दिए वहीं कोरोना वायरस के कारण बनी स्थिति पर स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कुल 16 वक्तव्य दिए। इस सत्र के दौरान, संबंधित मंत्रियों ने कुल 1765 पत्र सभा पटल पर रखे। बिरला ने कहा कि सदन में दिल्ली के कुछ हिस्सों में कानून और व्यवस्था की स्थिति के संबंध में नियम 193 के अंतर्गत एक अल्पकालिक चर्चा भी की गई। 4 घंटे और 37 मिनट तक चली इस चर्चा पर गृह मंत्री अमित शाह ने ने उत्तर दिया। इस सत्र में, विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सभा 21 घंटे और 48 मिनट देर तक बैठी। जहाँ तक गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों का संबंध है, भाजपा सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने 21 जून, 2019 को प्रस्तुत बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट और छुट्टा गोवंश की समस्या को दूर करने के लिए केन बेतवा नदी संपर्क परियोजना द्वारा नहरों का निर्माण संबंधी संकल्प को सभा की अनुमति से 20 मार्च को वापस ले लिया। बसपा के रितेश पाण्डेय ने 20 मार्च को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लिए कल्याणकारी उपाय के संबंध में एक संकल्प पेश किया जिस पर उस दिन चर्चा पूरी नहीं हुई।

पाकिस्तान ने कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम इलाकों में गोलाबारी की

भाषा। जम्मू

पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में सोमवार को बिना उकसावे के गोलीबारी और गोलाबारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी बलों ने रविवार को रात करीब साढ़े नौ बजे हीरानगर सेक्टर के मनयारी इलाके में गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। साथ ही बताया कि गोलीबारी रात भर जारी रही जिससे लोगों को भूमिगत बंकरों में शरण लेनी पड़ी। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) प्रभावी तरीके से जवाब दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि गोलाबारी सोमवार सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर बंद हुई। उन्होंने बताया कि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। पिछली रात इसी इलाके में सीमापार से की गई गोलाबारी और गोलीबारी में कम से कम चार मकान क्षतिग्रस्त हो गए और एक गाय घायल हो गई।

सरकार ने लॉकडाउन का निर्णय राज्यवासियों की सुरक्षा हेतु लिया है :मुख्यमंत्री सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को यहां कहा कि राज्य सरकार ने लॉकडाउन का निर्णय राज्यवासियों की सुरक्षा के लिए लिया है।साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि राज्यवासी कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु अपने घरों में ही रहें। उन्होंने सोमवार को यहां विधानसभा में यह बयान दिया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया, वे सामाजिक दूरी बनाकर रखें। लोग कम से कम लोगों से मिलें। यह कुछ दिनों की समस्या है। हम मिलकर जंग लड़ेंगे। सरकार ने एहतियात के तौर पर कड़े निर्णय लिए हैं। यह निर्णय राज्यवासियों की सुरक्षा हेतु लिए गए हैं।

जनता कर्फ्यू संकट की घड़ी में लोगों की एकजुटता को प्रदर्शित करता है

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार को आयोजित जनता कर्फ्यू की कामयाबी का जिक्र करते हुए कहा कि यह संकट की घड़ी में लोगों की एकजुटता और सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करता है। नायडू ने सोमवार को दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर इसका जिक्र किया। उन्होंने दुनिया भर में फैले घातक कोरोना वायरस से पैदा संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रसार पर काबू पाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ही आम लोगों की उल्लेखनीय भूमिका रही है।उन्होंने जनता कर्फ्यू के संदर्भ में कहा कि यह लोगों द्वारा 14 घंटों का स्वैच्छिक कर्फ्यू था। उन्होंने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में डाक्टरों, नर्सों, मीडियाकर्मियों और अन्य लोगों के योगदान का आभार जताने के लिए रविवार को शाम पांच बजे आयोजित आभार अभिव्यक्ति कार्यक्रम का भी उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि एक दिन पहले लोगों द्वारा जताए गए संकल्प को कायम रखने की जरूरत है ताकि कोराना वायरस के खिलाफ लड़ाई में कामयाबी मिल सके। नायडू ने कहा कि मौजूदा संकट को देखते हुए लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। इससे लोगों को परेशानी होना स्वाभाविक है। लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए सख्त कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह सदन लोगों से आग्रह करता है कि लोग संकट की इस घड़ी में सहयोग करें, जैसा उन्होंने रविवार को किया था।

लोकसभा ने वित्त विधेयक को बिना चर्चा के पारित किया

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को वित्त विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिया जिसके साथ ही संसद में आम बजट 2020-21 पारित होने की प्रकिया पूरी हो गई। कोरोना वायरस के कारण बने हालात के बीच निचले सदन ने बिना चर्चा के वित्त विधेयक को मंजूरी दे दी। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। इस दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सरकार से कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा की मांग की। सदन ने सरकार के संशोधनों को स्वीकार करते हुए ध्वनिमत से वित्त विधेयक को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर सरकारी संशोधन पेश किए। इसके बाद सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

भाजपा कार्यकर्ता लॉकडाउन के निर्देशों का पालन करके कोविड-19 विरोधी योद्धा बनें : बी एल संतोष

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा ने कोरोना वायरस के मद्देनजर पार्टी के प्रत्एक कार्यकर्ता को घरों में रहने, सामाजिक दूरी बनाने, साफ सफाई एवं स्वास्थ्य निर्देशों का पालन करने सहित लॉकडाउन के दौरान सभी सुझावों का पालन कर कोविड विरोधी योद्धा के रूप में सामने आने को कहा है। भाजपा के संगठन मंत्री बी एल संतोष ने ट्वीट किया, इस कठिन समय में भाजपा के प्रत्एक कार्यकर्ता को कोविड-19 विरोधी योद्धा के रूप में बदलने की जरूरत है। सभी पार्टी कार्यकर्ता लॉकडाउन के दौरान सरकार के सभी निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता लॉकडाउन के दौरान घरों में रहें, सामाजिक दूरी बनाएं, साफ सफाई एवं स्वास्थ्य निर्देशों का पालन करें। संतोष ने कहा कि इस दौरान कार्यकर्ता पुस्तकें पढ़ें, प्रेरक परिचर्चा सुनें, योग और कसरत करें, नए कौशल सीखें। भाजपा के संगठन मंत्री ने कहा कि इसके अलावा वे स्थानीय प्रशासन और पुलिस के समक्ष स्वयंसेवक के रूप में स्वयं को पेश कर सकते हैं और इसमें केवल स्वस्थ व्यक्ति ही शामिल हों। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पड़ोस के लोगों को लॉकडाउन के दौरान संयम बनाए रहने को प्रेरित करें और उन्हें सामान खरीदने की होड़ से बचने एवं एक दूसरे से दूरी बनाए रखने को कहें। संतोष ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इस समय सकारात्मकता फैलाने का काम करें।

प्रधानमंत्री बताएं कि वेंटिलेटर और मास्क के निर्यात की अनुमति क्यों दी गई : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि देश में कोरोना वायरस के संकट के बावजूद 19 मार्च तक वेंटिलेंटर और मास्क के निर्यात की अनुमति दी गई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सवाल भी किया कि आखिर किसके शह पर ऐसा हुआ और क्या यह आपराधिक साजिश है? गांधी ने ट्वीट किया, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सलाह दी है कि वेंटिलेटर, सर्जिकल और मास्क का पर्याप्त स्टाक रखा जाए। लेकिन इसके विपरीत भारत सरकार ने 19 मार्च तक इन सभी चीजों के निर्यात की अनुमति क्यों दीं? कांग्रेस नेता ने यह सवाल भी किया, ये खिलवाड़ किन ताक़तों की शह पर हुआ? क्या यह आपराधिक साजिश नहीं है?

हिमाचल प्रदेश में लॉकडाउन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने विधानसभा में सोमवार को घोषणा की कि कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर अगले आदेश तक हिमाचल प्रदेश में लॉकडाउन (बंद) कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने से पहले यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं चाहिए क्योंकि सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अगले आदेश तक लॉकडाउन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि आवश्यक सेवाएं मिलती रहेंगी। रविवार को कांगड़ा जिले में कोरोना वायरस के दो मामलों की पुष्टि होने के बाद बंद कर दिया गया था। साथ ही कई लोगों को घरों में पृथक रखा गया है।

अहमदाबाद में कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन घोषित होने के बाद फल एवं सब्जियां खरीदते स्थानीय लोग

कर्नाटक में पृथक रहने के नियमों का उल्लंघन करने पर हो सकती है छह महीने की कैद : राज्य सरकार

भाषा। बेंगलुरू

कर्नाटक सरकार ने सोमवार को कहा कि पृथक रहने के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा जिसके अनुसार छह महीने जेल और जुर्माने की सजा का प्रावधान है। राज्य के गृह मंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, हम उनके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। इस बाबत आईपीसी की धारा 271 (पृथक रहने के नियम का पालन न करना) में स्पष्ट रूप से छह महीने की कैद और जुर्माने या दोनों का प्रावधान है। यह असंज्ञेय अपराध है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, इसलिए हम पृथक किए गए व्यक्ति के संबंध में अधिसूचना जारी करेंगे। इसका उल्लंघन करने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह कानून पृथक किए गए दूसरे राज्यों के लोगों पर भी लागू होगा, मंत्री ने कहा, कोई कहीं का भी हो यदि एक बार उसे पृथक कर दिया गया है तो उसे पृथक किए जाने की समयसीमा से पहले बाहर नहीं जाना चाहिए। पृथक रहने की समयसीमा समाप्त होने के बाद ही उसे बाहर जाना चाहिए। एक बार कोई यहां आ गया और हमने उस पर पृथक रहने की मुहर लगा दी तो उसे यहीं पृथक रहना होगा, वह कहीं नहीं जा सकता। इससे पहले मुख्यमंत्री एदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं को बताया कि पृथक किए गए घरों के बारे में अधिसूचना के द्वारा सार्वजनिक सूचना दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार घर पर पृथक रहने की मुहर लगे व्यक्ति को 14 दिन तक घर पर ही रहना चाहिए।

कोरोनाः तमिलनाडु में लॉकडाउन जिलों की सीमाएं बंद की जाएंगी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने घोषणा की है कि कोरोना वायरस के प्रसार पर रोक लगाने के लिए राज्य में मंगलवार शाम छह बजे से 31 मार्च तक लॉकडाउन रहेगा। इसके क्रियान्वयन के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 144 लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोमवार को विधानसभा में दिए वक्तव्य में कहा कि आवश्यक एवं आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर आवागमन के सार्वजनिक एवं निजी साधनों का संचालन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, आवश्यक वस्तुओं से संबंधित वाहनों को छोड़कर राज्य के भीतर और बाहर परिवहन पर पूरी तरह से रोक है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सरकार की पाबंदियों का समर्थन करें ताकि इस महामारी के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार वर्तमान हालात से प्रभावित परिवारों को राहत देने पर भी विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महामारी रोग अधिनियम, 1897 के तहत राज्य के सभी जिलों की सीमाएं बंद की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सरकारी किफायती अम्मा कैन्टीन सामान्य तरीके से चलेंगी।

जम्मू में कोरोना वायरस के तहत लॉकडाउन किया गया, सुरक्षा के तहत परिचय पत्र देखते हुए पुलिसकर्मी

सामाजिक दूरी बनाने से कोरोना के मामलों का ग्राफ नीचे आएगा : आईसीएमआर

नई दिल्ली। देश के प्रमुख स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान आईसीएमआर के अनुसार सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाने के सुझाव का कड़ाई से पालन करने से कोरोना वायरस महामारी के कुल संभावित मामलों की संख्या 62 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। कोविड-19 के प्रसार की शुरूआती समझ के आधार पर आईसीएमआर ने जो गणितीय मॉडल तैयार किया है, उसके मुताबिक कोरोना वायरस के संदिग्ध लक्षणों वाले यात्रियों की प्रवेश के समय स्क्रीनिंग से अन्य लोगों में वायरस के संक्रमण को एक से तीन सप्ताह तक टाला जा सकता है। आईसीएमआर ने कहा, कोरोना वायरस के लक्षणों वाले और संदिग्ध मामलों वाले लोगों के घरों में एकांत में रहने जैसे सामाजिक दूरी बनाने के उपायों का कड़ाई से पालन करने से कुल संभावित मामलों की संख्या में 62 प्रतिशत की और सर्वाधिक मामलों की संख्या में 89 प्रतिशत की कमी आएगी। इस तरह से ग्राफ समतल हो जाएगा तथा रोकथाम के अधिक अवसर मिल सकेंगे।

मुंबई के तीन अस्पतालों में जल्द बनेंगे पृथक वार्ड, होंगे 500 बिस्तर

मुंबई। मुंबई में कोरोना वायरस से निपटने के लिए तीन सरकारी अस्पतालों में जल्द ही पृथक वार्ड तैयार होंगे, जिनमें 500 बिस्तर होंगे। शहर संरक्षक मंत्री असलम शेख ने सोमवार को यह जानकारी दी। शेख ने कहा कि ए पृथक वार्ड जीटी अस्पताल, जेजे अस्पताल और सेंट जॉर्ज अस्पताल में बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा, इन अस्पतालों में खासतौर पर कोविड-19 के मरीजों के लिए 500 बिस्तर की क्षमता होने जा रही है। मंत्री ने कहा, हमने मुंबई में राज्य संचालित इन तीन अस्पतालों के लिए 100 वेंटिलेटर बिस्तर खरीदने का भी आदेश दिया हुआ है। उन्होंने कहा कि ए 100 वेंटिलेटर बिस्तर भी पृथक वार्ड की योजना वाले 500 बिस्तरों में शामिल हैं। शेख ने कहा, जगह की पहचान कर ली गई है और पृथक वार्ड बनाने के लिए बुनियादी तैयारियां की जा रही हैं, जोकि अगले 15 दिनों में पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि वेंटिलेटर की पहली खेप मिलने के साथ ही आने वाले दस दिनों में हम काम करने में समर्थ होंगे लेकिन इन सभी पृथक वार्ड को पूरी तरह कार्यशील होने में करीब 15 दिन लगेंगे।

सेना ने अपने और कर्मियों को घर से काम करने को कहा

नई दिल्ली। सेना ने सोमवार को कहा कि उसने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए एहतियात के तौर पर अपने और कर्मियों को घर से काम करने का निर्देश दिया है। केवल जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मी कार्यालय आते रहेंगे। पिछले सप्ताह सेना ने अपने 35 फीसद अधिकारियों एवं 50 फीसद जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया था।कोरोना वायरस प्रभावित जिन 82 जिलों में लॉकडाउन किया गया है वहां की सैन्य इकाइयों एवं प्रतिष्ठानों में कर्मियों की सीमित आवाजाही होगी। इन जिलों में सेना की कैंटीनें भी बंद रहेंगी। नई इकाइयों में पोस्टिंग के लिए रवाना हो चुके सैन्यकर्मी नए स्थान पर ट्रांजिट कैंप में पहुंचेंगे और सभी ऐसे कर्मियों की संपर्क सूची तैयार की जाए। जो कार्यरत कर्मी हैं उनसे अलग अलग समयावधि का पालन करने को कहा गया है।

कोरोना वायरसः आईसीएमआर ने अति जोखिम वाले लोगों के लिए हाइड्रोक्लोरोक्वीन की अनुशंसा की

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामलों में इजाफे के बीच भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा गठित राष्ट्रीय कार्य बल ने अति जोखिम वाले लोगों के लिए ऐहतियाती दवा के तौर पर हाइड्रॉक्सी-क्लोरोक्वीन की अनुशंसा की है। परामर्श के मुताबिक कोरोना वायरस के संदिग्ध या पुष्ट मामलों को देख रहे स्वास्थ्य कर्मियों और पुष्ट मरीजों के संपर्क में आए अलक्षणी घरवालों जैसे अति जोखिम वाले लोगों को हाइड्रॉक्सी-क्लोरोक्वीन दी जानी चाहिए।

इलाज के लिए राष्ट्रीय कार्यबल द्वारा अनुशंसित इस प्रोटोकॉल को भारत के महा औषधि नियंत्रक (डीजीसीआई) ने भी आपात परिस्थिति में सीमित इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी है। परामर्श में कहा गया, अध्ययनों और प्रयोगशाला में इस्तेमाल पर हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन को कोरोना वायरस के खिलाफ प्रभावी पाया गया। रोग की रोकथाम में इसका इस्तेमाल इलाज में फायदे और पूर्व नैदानिक आंकड़ों से सामने आया है। इस दवा की अनुशंसा 15 साल से कम उम्र के बच्चों में बीमारी की रोकथाम के लिए नहीं की जाती है। सिर्फ पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर के निर्देश पर ही यह दवा दी जानी चाहिए। इसमें कहा गया, रोग की रोकथाम के दौरान अगर किसी में लक्षण सामने आते हैं तो उसे तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए और अपनी जांच राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के मुताबिक करानी चाहिए तथा मानक उपचार नियमों का पालन करना चाहिए।

स्वास्थ्यकर्मियो, घरो मे कोरोना मरीजो की देखभाल करने वालो के लिए हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन

नई दिल्ली। आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कोरोना वायरस के संदिग्ध या पुष्ट मामलों को देख रहे स्वास्थ्य कर्मियों और पुष्ट मरीजों के संपर्क में आए घर के सदस्यों के लिए हाइड्रॉक्सी-क्लोरोक्वीन के इस्तेमाल की अनुशंसा की है। इलाज के लिए राष्ट्रीय कार्यबल द्वारा अनुशंसित इस प्रोटोकॉल को भारत के महा औषधि नियंत्रक (डीजीसीआई) ने भी आपात परिस्थिति में सीमित इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी है। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए कई राज्यों द्वारा की गई लॉकडाउन की पहल पर टिप्पणी करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि राज्यों से कहा गया है कि वे लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस अधीक्षकों और जिलाधिकारियों से कहें। अधिकारी ने कहा, आंशिक लॉकडाउन से नए कोरोना वायरस की कड़ी को तोड़ने के उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी। निजी प्रयोगशालाओं को कोविड-19 के परीक्षण की दी जा रही इजाजत पर भार्गव ने कहा कि 12 निजी प्रयोगशालाओं को पंजीकृत किया गया है और इजाजत मिलने के बाद उन्होंने काम शुरू कर दिया है।

सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों को राज्यसभा में दी गई विदाई

नई दिल्ली। राज्यसभा ने सेवानिवृत्त होने जा रहे अपने 50 से अधिक सदस्यों को सोमवार को विदाई दी जिनमें कांग्रेस के मोतीलाल वोरा, बी के हरिप्रसाद, कुमारी शैलजा, एम वी राजीव गौड़ा, भाजपा के सी पी ठाकुर, विजय गोयल, सत्यनारायण जटिया, प्रभात झा, जदयू की कहकशां परवीन आदि शामिल हैं। बजट सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले उच्च सदन में इन सदस्यों को विदाई दी गई। इन 55 सदस्यों में से चार का इस्तीफा हुआ था और वे चुनकर आ चुके हैं। इसके अलावा सेवानिवृत्त होने जा रहे कुछ अन्य सदस्य भी चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सेवानिवृत्त होने जा रहे इन सदस्यों के सदन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि वह भारी मन से सदस्यों को विदाई दे रहे हैं। कोई भी विदा हो तो अफसोस होता है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के साथ तो अपनी पार्टी से भी ज्यादा संपर्क रहता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 15 सदस्य अवकाशग्रहण कर रहे हैं लेकिन इनमें से सिर्फ दिग्विजय सिंह ही फिर से लौट रहे हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त होने जा रहे मोतीलाल वोरा को भीष्म पितामह करार देते हुए कहा कि वह इस उम्र में भी इतने सक्रिय रहे हैं। सदन के नेता थावरचंद गहलोत ने फिर से चुनकर आने वाले सदस्यों को शुभकामनाएं दी और जो लोग सदन में वापस नहीं आ पा रहे हैं, उनके सुखद भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे समाज में सक्रिय रहेंगे। अपने विदाई भाषण में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोतीलाल वोरा ने अपने पुराने अनुभवों और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और पूर्व वित्त मंत्री अरूण जेटली को विशेष तौर पर याद किया। अन्नाद्रमुक की विजिला सत्यनाथन ने अपनी पार्टी की पूर्व प्रमुख जयललिता को याद करते हुए सदन में अपने अनुभवों की चर्चा की। कांग्रेस के मोहम्मद अली खान, बी के हरिप्रसाद, के वी पी रामचंद्र राव, भाजपा के शंभुप्रसाद टुंडिया, रामनारायण डूंडी, नारायणलाल पंचारिया, प्रभात झा, सत्यनारायण जटिया ने भी सदन में अपने अनुभवों को साझा किया।

कोलकाता में कोरोना वायरस के लॉकडाउन में स्थानीय नागरिक सब्जियों की खरीददारी करते हुए लोग।

सरकार ने एन 95 मास्क के निर्यात पर 31 जनवरी को प्रतिबंध लगा दिया था : भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख

नई दिल्ली। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी अमित मालवीय ने कोरोना वायरस से मुकाबला करने से जुड़े चिकित्सा उपकरणों के निर्यात पर देर से प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इनके निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय डब्ल्यूएचओ के परामर्श आने से काफी पहले 31 जनवरी को ले लिया गया था। मालवीय ने अपने ट्वीट के साथ कपड़ा मंत्रालय का एक बयान भी साझा किया जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय के समन्वय के साथ लिए गए इस फैसले का ब्यौरा दिया गया है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी ने कहा, सरकार ने एन95 मास्क, प्लाई मास्क आदि के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला डब्ल्यूएचओ के परामर्श आने से काफी पहले 31 जनवरी को ले लिया था। एन95 मास्क, बॉडी ओवरॉल कोविड-19 के संबंध में महत्वपूर्ण व्यक्तिगत सुरक्षात्मक चीजें हैं और इसके बाद से इनके निर्यात की अनुमति नहीं दी गई है। गौरतलब है कि इससे पहले राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएचओ के वेंटिलेटर, सर्जिकल मास्क का पर्याप्त स्टाक रखने की सलाह के विपरीत भारत सरकार ने 19 मार्च तक इन सभी चीजों के निर्यात की अनुमति क्यों दीं? उन्होंने आरोप लगाया कि ए खिलवाड़ किन ताक़तों की शह पर हुआ? क्या यह आपराधिक साजिश नहीं है?

कोरोना वायरस लॉकडाउन को लेकर नीतीश ने की सहायता पैकेज की घोषणा

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के परिप्रेक्ष्य में सहायता पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री आवास पटना के एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोरोना वायरस से उत्पन्न संक्रमण की गंभीर स्थिति की सोमवार को समीक्षा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो में नीतीश ने बताया कि बैठक में लॉकडाउन के परिप्रेक्ष्य में लोगों को सहायता पैकेज देने के संबंध में कई निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि सभी राशन कार्डधारी परिवारों को एक माह का राशन मुफ्त में दिया जाएगा।

नीतीश ने कहा कि सभी प्रकार के पेंशनधारियों (मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन) को अगले तीन माह की पेंशन अग्रिम तौर पर तत्काल दी जाएगी। यह राशि उनके खाते में सीधे अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन क्षेत्र के सभी नगर निकाय क्षेत्रों एवं प्रखंड मुख्यालय की पंचायत में अवस्थित सभी राशन कार्डधारी परिवारों को एक हजार रूपए प्रति परिवार दिया जाएगा। यह राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित की जाएगी। नीतीश ने कहा कि पहली से 12वीं कक्षा तक के सभी छात्राछात्राओं को देय छात्रवृति आगामी 31 मार्च तक उनके खाते में दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एक माह के मूल वेतन के समतुल्य प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से अनुरोध करते हुए कहा कि लॉकडाउन के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी की गई सलाह का अनुपालन करें। आपके सहयोग से ही इस महामारी से निपटने में सफलता मिलेगी। समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा तथा मुख्य सचिव दीपक कुमार सहित वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

पेज एक का शेष

घरेलू उड़ानों...

कानपुर में 18 मार्च को अमेरिका से लौटे बुजुर्ग व्यक्ति कोविड 19 पॉजिटिव पाए गएं वहीं, हिमाचल के टांडा मेडिकल कॉलेज में एक कोरोना मरीज की मौत हो गई। इसके बाद राज्य सरकार ने पूरी तरह बंदी का आदेश जारी कर दिया। जिन राज्यों में इस महामारी से मौत हुई है उनमें गुजरात (1), बिहार (1), महाराष्ट्र (3), कर्नाटक (1), दिल्ली (1), पंजाब (1), पश्चिम बंगाल (1), हिमाचल प्रदेश (1) शामिल हैं। इस बीच, वित्त मंत्रालय ने प्रदेश सरकारों को तीन माह का राशन रखने का आदेश दिया है और कोरोना के डर से कार्यालय नहीं आने वाले सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती नहीं करने की अहम घोषणा भी की है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निजी क्षेत्र से पहले ही कह चुके हैं कि वे अपने यहां काम करने वालों के वेतन में कटौती नहीं करें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पगार नहीं काटने का आग्रह किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वायरस को परास्त करने के लिए जनता से सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर ही इस महामारी को हराया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि वे मंगलवार को दवा एवं अन्य कारोबारी संगठनों के साथ 12 बजे वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिये बात करेंगे ताकि लोगों को जरूरी सामानों की कमी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार स्वयं आपूर्ति की व्यवस्था करेगी। सीएम ने विश्वास जताया है कि एकजुट प्रयास से कोरोना हारेगा और भारत जीतेगा। जनता कर्फ्यू को मिले जनता के जबर्दस्त समर्थन के अगले दिन लॉकडाउन के प्रति बरती गई लापरवाही पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सोमवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि लॉकडाउन को लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपा करके अपने आप को और अपने परिवार को बचाइए, निर्देशों का पालन कीजिए। राज्य सरकारों से भी उनका अनुरोध है कि वे नियमों व कानूनों का पालन कराएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से पूर्ण रूप से सहमति जताई। उन्होंने लिखा कि मैं आपसे सहमत हूं सर। आज दिल्ली में कई लोगों ने लॉकडाउन का उल्लंघन किया है। यह कतई मंजूर नहीं है। इससे सबकी सेहत खतरे में पड़ती है। दिल्ली में इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी 25 मार्च को वीडियो कांफ्रेंसिंग से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लोगों से कोरोना के खतरे पर बात कर उन्हें जागरूक करेंगे।

लॉकडाउन की...

बाइक से भारी भीड़ सीमाओं की और टूट पड़ी। देखते ही देखते, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली देहरादून, दिल्ली-मुरादाबाद, दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-करनाल आदि को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे पर जाम के हालात बन गए। इससे नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और दिल्ली की की कई आंतरिक सड़कों पर भी जाम लग गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने सोमवार करीब दस बजे सख्ती करनी शुरू की और हाइवे को पूरी तरह सील करना शुरू किया। शाम तक लगभग सभी हाइवे और एक्सप्रेसवे सील कर दिए गए। गाजियाबाद में पुलिस ने दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और 500 से अधिक कार व बाइक के चालान काटे। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो मुम्बई-पुणे एक्सप्रेसवे को भी बंद कर दिया गया। पंजाब, हरियाणा, पशिचमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के तमाम बड़े शहरों की सब्जी मंडियों, दूध और किराना दुकानों पर सुबह से ही भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस ने सख्त रुख अपनाया और लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी। हालात पर काबू पाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोमवार को फिर लोगों से अपील करनी पड़ी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि लॉकडाउन को अभी भी कई लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया अपने आप को बचाएं, अपने परिवार को बचाएं, निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। राज्य सरकारों से मेरा अनुरोध है कि वे नियमों और कानूनों का पालन करवाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी लोगों से लॉकडाउन का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि यदि मंगलवार से इसका पालन नहीं किया गया तो सरकार को सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार मंगलवार से डीटीसी बसों की सेवाएं 50 प्रतिशत तक बढ़ाएगी ताकि आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों को परेशानी न हो। इसी तरह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि रविवार को हमने राज्य के बॉर्डर सील किए, अब हम जिलों के भी बॉर्डर सील कर रहे हैं। हम उन जिलों में कोरोना नहीं फैलने देंगे, जो अभी तक अप्रभावित हैं।

दिल्ली में...

और मीडिया के कामकाज जारी हैं। दिल्ली में लॉकडाउन तोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश हैं। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने कहा है कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को कर्फ्यू पास जारी किया जाएगा। इसी तरह के आदेश नोएडा प्रशासन ने भी दिए हैं और बिना पास दिखाए किसी को भी नोएडा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जो लोग नोएडा, फरीदाबाग, गाजियाबाद, सोनीपत, गुरुग्राम की ओर से किसी जरूरी सेवा या वस्तु के लिए जा आ रहे हैं उन्हें दिल्ली पुलिस से कर्फ्यू पास लेना होगा। दिल्ली पुलिस के अनुसार मीडिया से जुड़े लोग अपना आईकार्ड साथ रखें, उन्हें पास की जरूरत नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट...

नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इससे पहले, दिन में इस मुद्दे पर न्यायालय में भी सुनवाई हुई थी। इन संगठनों ने कहा, वकीलों के चैंबर ब्लॉक सहित उच्चतम न्यायालय परिसर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह बंद रहेगा। आवश्यक मुकदमों की सुनवाई व्यक्तिगत पेशी के बगैर ही वीडियो कांफ्रेन्सिग, स्काइप या ऐसे ही दूसरे माध्यम से की जाएगी। दोनों संगठनों ने कहा, बैठक के दौरान हमने पाया कि न्यायाधीश आवश्यक मामलों के बारे में सभी परेशानियों पर विचार करने के लिए तैयार थे। इस बैठक में सालिसीटर जनरल तुषार मेहता, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे, एसोसिएशन के सचिव अशोक अरोड़ा और एडवोकेट्स ऑन रिकार्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष जोसेफ एरिस्टोटल एस. भी मौजूद थे। इससे पहले, सवेरे प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यता वाली पीठ ने कहा था कि शीर्ष अदालत ने अपने परिसर और आस-पास स्थित वकीलों के चैंबर सील करने और आवश्यक मामलों की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से करने का निर्णय लिया है।

न्यायालय का...

यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि जेल परिसरों में कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रित किया जाए। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूति सूर्य कांत की पीठ ने कहा कि राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को ऐसे कैदियों को रिहा करने पर विचार करना चाहिए जिन्हें सात साल की कैद हुई है या जो सात साल तक की कैद और जुर्माने की सजा के दंडनीय अपराध में विचाराधीन कैदी हैं या वे कैदी जिन्हें कानून में निर्धारित अधिकतम सजा से कम सालों की सजा हुई है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उच्चस्तरीय समिति गठित करेंगे जिसमें राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष, प्रधान सचिव (गृहापेंशन) महानिदेशक पेंशन शामिल होंगे जो ऐसे कैदियों की श्रेणी तय करेंगे जिन्हें एक उचित अवधि के लिए पैरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्चस्तरीय समिति ऐसे कैदियों के अपराध, अदालत द्वारा सुनाई गई सजा की अवधि या विचाराधीन कैदियों के अपराध की गंभीरता जैसे बिन्दुओं का निर्धारण करने और उन पर उचित तरीके से विचार के लिए स्वतंत्र होगी। न्यायालय ने निर्देश दिया कि एक अन्य मामले में गठित विचाराधीन कैदी समीक्षा समिति की प्रत्एक सप्ताह बैठक होगी और वह संबंधित प्राधिकारिएं के परामर्श से निर्णय लेगी।

पूजा-अर्चना...

किया गया। श्री राय ने कहा रामलला के भव्य मंदिर निर्माण में आज पहला कदम रख दिया गया है। जब रामलला अस्थाई मंदिर में शिफ्ट हो जाएंगे, उसके बाद मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ होगा। कारसेवक पुरम में संचालित वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्रदेव जी ने बताया कि आज उदक पूजन से पूजन प्रारंभ किया गया है जिसमें शुद्धीकरण और और शांति का पाठ होता है। 23 मार्च को वेद पाठ राम रक्षा स्तोत्र विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ होगा और 25 मार्च को रामलला अपने अस्थाई मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि कोरोनावायरस के देखते हुए ट्रस्टी गणों ने यह निर्णय लिया कि सारे कार्यक्रम सीमित रूप में किए जाय। रामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र ने बताया किसी भी नए मंदिर में भगवान को विराजमान कराने से पहले उसकी धर्म संगत मान्यताएं हैं। भगवान को विराजमान करने से पहले जमीन और मंदिर दोनों को पवित्र कराया जाएगा। इसके लिए 2 दिन का मुख्य अनुष्ठान रखा गया है। 25 मार्च की सुबह 4 बजे और रामलला नए मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। रामलला को शिफ्ट करने से पहले रास्ते का भी शुद्धिकरण होगा और वैदिक मंत्रोचार के साथ रामलला पुराने मंदिर से नए आस्था मंदिर में विराजमान होने के लिए निकलेंगे।

अजरबेजान ग्रां प्री स्थगित, जून तक नहीं होगी कोई फार्मूला वन रेस

वाशिंगटन। कोरोना वायरस महामारी के कारण अजरबेजान ग्रां प्री को स्थगित कर दिया गया है। इस ग्रां प्री के स्थगित होने का मतलब है कि जून के मध्य तक कोई भी फार्मूला वन रेस नही हो पाएगी। बाकू सिटी सर्किट पर होने वाली अजरबेजान ग्रां प्री पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात जून को होनी थी। फार्मूला वन की सत्र की पहली सात रेस स्थगित या रद्द कर दी गई है।

पुडुच्चेरी क्रिकेट संघ ने कोविड 19 मरीजों को डोरमेटरी देने की पेशकश की

चेन्नई। पुडुच्चेरी क्रिकेट संघ ने पुडुच्चेरी मे कोरोना वायरस पीड़ितों को अलग रखने के लिए अपने तूतीपेठ परिसर में डोरमेटरी देने की पेशकश की है। संघ ने पुडुच्चेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी को लिखे पत्र में यह पेशकश की। इसमें कहा गया , हमने कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट गतिविधियां बंद कर दी है। हम इस केंद्र पर करीब 30 मरीजों को रख सकते है जिसके लिए लक्ष्मी मेडिकल कॉलेज से मदद ली जा सकती है।

सीपीएल को 19 अगस्त से आगे खिसकाने पर अभी कोई फैसला नहीं : आयोजक

ग्रास आइलेट (सेंट लूसिया)। कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) के आयोजक 19 अगस्त के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट शुरू करना चाहते है लेकिन उन्होने कोविड-19 महामारी के कारण अन्य विकल्प भी खुले रखे है। सीपीएल टी20 टूर्नामेंट पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 19 अगस्त से 26 सितंबर के बीच खेला जाना है। सीपीएल ने बयान में कहा, सीपीएल ने हाल के सप्ताहों में अपने चिकित्सा सलाहकारो के साथ लगातार संवाद बनाए रखा है।

आस्ट्रेलिया में नेशनल रग्बी लीग निलंबित

सिडनी। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण आस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले नेशनल रग्बी लीग (एनआरएल) के आयोजन को सोमवार को टाल दिया गया। आस्ट्रेलिया की 16 टीमों की इस घरेलू लीग को वित्तीय कारणों से पहले टेलीविजन के लिए जारी रखने का फैसला किया गया था। मैचों का आयोजन एक ही स्टेडियम मे बिना दर्शकों के होना था। लेकिन सरकार की ओर से जारी चिकित्सा परामर्श के बाद इसे निलंबित कर दिया गया। आस्ट्रेलियाई रग्बी लीग आयोग के प्रमुख, पीटर व लैंडी ने इस निलंबन को विपत्तिपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकारी अधिकारियों की नवीनतम चिकित्सा सलाह से यह साफ हो गया कि एनआरएल का निलंबन आवश्यक था।

कनाडा का ओलंपिक से हटने का फैसला

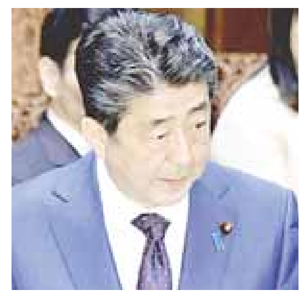

● खेलों में देरी संभव : जापानी पीएम

● एथलेटिक्स प्रमुख ने ओलंपिक स्थगित करने को कहा

● आस्ट्रेलिया ने अपने खिलाड़ियों को तोक्यो ओलंपिक 2021 के लिए तैयारी करने को कहा

भाषा। तोक्यो

विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन कू ने कोरोना वायरस महामारी के चलते तोक्यो ओलंपिक को स्थगित करने की मांग की जबकि कनाडा ने खेलों से हटने का फैसला किया और जापान के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि खेलों में देरी अवश्यंभावी लग रही है। आस्ट्रेलिया ने भी अपने खिलाड़ियों से तोक्यो ओलंपिक 2021 की तैयारी करने के लिए कहा है। ऐसी पूरी संभावना है कि 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होने वाले ए खेल अब स्थगित कर दिए जाएंगे। जापान और ओलंपिक अधिकारी लगातार कहते आए हैं कि खेल निर्धारित समय पर होंगे लेकिन दुनिया भर से खेल महासंघों और खिलाड़ियों के विरोध के बाद उनका रूख बदला है। अंतरराष्ट्रीय ट्रैक और फील्ड महासंघ के प्रमुख सेबेस्टियन कू ने आईओसी अध्यक्ष थामस बाक को पत्र लिखकर कहा है कि जुलाई में ओलंपिक कराना ना तो मुनासिब है और ना ही उचित। कू ने कहा, अधिकतर देशों ने अपने नागरिकों को घरों के भीतर रहने के निर्देश दिए हैं लिहाजा ऐसे में एथलीटों का अभ्यास करना ठीक नहीं होगा। कोई नहीं चाहता कि ओलंपिक स्थगित हो लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा की कीमत पर खेल नहीं हो सकते। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने संसद में कहा कि जापान खेलों को मुकम्मिल कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने हालांकि कहा , यदि वह मुश्किल होता है तो खिलाड़ियों को प्राथमिकता पर रखते हुए खेलों को स्थगित करने का फैसला अवश्यंभावी लग रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने रविवार को कहा कि दुनिया भर में कोविड 19 के प्रकोप के चलते ओलंपिक स्थगित करना एक विकल्प है लेकिन तोक्यो ओलंपिक रद्द करना उसके एजेंडे में नहीं है। आईओसी अध्यक्ष थामस बाक ने कहा कि इस पर फैसला चार सप्ताह के भीतर लिया जाएगा। उन्होंने खिलाड़ियों को एक खुले खत में लिखा, इंसान सबसे ऊपर है,खेलों के आयोजन से भी। उन्होंने कहा , हमने पहले भी संकेत दिए हैं कि हम अलग अलग विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। तोक्यो ओलंपिक 2020 की अंतिम तिथि तय करना अब भी जल्दबाजी होगी। आईओसी संबंधित पक्षों और स्वास्थ्य विभाग से संपर्क में है। बाक ने कहा, हमें यकीन है कि अगले चार सप्ताह में कोई हल निकल आएगा। खेलों को रद्द करना किसी समस्या का समाधान नहीं है और इससे किसी का भला नहीं होगा लिहाजा यह हमारे एजेंडे में नहीं है। कोविड–19 के कारण लगाई गई पाबंदियों और प्रतियोगिताओं के सारे कार्यक्रम गड़बड़ाने के कारण खिलाड़ी और खेल संघ ओलंपिक स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। कनाडा ओलंपिक और परालंपिक से हटने वाली पहली टीम बन गई है। उसने इसे एक साल तक टालने का आग्रह किया है। कनाडा की ओलंपिक समिति ने कहा , बात सिर्फ खिलाड़ियों की सेहत की नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की है। कोविड 19 के चलते हमारे खिलाड़ियों , उनके परिवारों और कनाडाई लोगों की सेहत और सुरक्षा को देखते हुए उनका तैयारी जारी रखना सही नहीं होगा।

फैसला करने से पहले एक महीने इंतजार करेंगे : आईओए

नई दिल्ली। कोविड -19 के चलते कनाडा के ओलंपिक खेलों से पीछे हटने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने सोमवार को कहा कि ओलंपिक मे देश की भागीदारी को लेकर कोई भी फैसला लेने से पहले वे कम से कम एक महीने इंतजार करेंगे। कनाडा के पीछे हटने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति पर जुलाई अगस्त में होने वाले तोक्यो ओलंपिक को लेकर फैसला लेने का दबाव बन गया है। दुनिया भर में तीन लाख से अधिक लोग कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में है और 14000 से अधिक मौते हो चुकी है।भारत हालांकि अंतिम फैसला करने से पहले अभी इंतजार करने के लिए तैयार है और वह इस महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति पर नजर रखे हुए है। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने पीटीआई से कहा, आईओए प्रमुख होने के नाते अपने खिलाड़ियों और अधिकारियों का स्वास्थ्य मेरे लिए पहली चिंता है। आईओए जो भी फैसला करेगा वह खिलाड़ियों को ध्यान मे रखकर करेगा। लेकिन अभी हम केवल इंतजार कर रहे है और स्थिति पर निगरानी रख रहे है। मै लोगो को आश्वासन देता हू कि हम किसी को निराश नही करेंगे और अपने खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ हित मे ही कोई फैसला करेंगे।

गांगुली को कूलिंग ऑफ से छूट देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करूंगा : वर्मा

भाषा। नई दिल्ली

आईपीएल 2013 स्पॉट फिक्सिंग के याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को तीन साल के अनिवार्य कूलिंग ऑफ पीरियड (विश्राम अवधि) से छूट देने के लिए उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगे जो इस साल जुलाई से शुरू हो रहा है। वर्मा ने सोमवार को पीटीआई से कहा, मूल याचिकाकर्ता होने के नाते जिसकी जनहित याचिका पर पूरा संवैधानिक सुधार हुआ, मैंने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया है कि सौरव गांगुली और उनकी टीम (इस मामले में सचिव जय शाह) को तीन साल तक कार्यकाल पूरा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा समिति सुधारों के आधार पर तैयार किए गए नए बीसीसीआई संविधान में कोई भी व्यक्ति जो राज्य संघ के साथ बीसीसीआई का लगातार छह साल तक पदाधिकारी रहा हो उसके लिए तीन साल तक विश्राम अवधि में जाना अनिवार्य होगा। जहां तक गांगुली का मामला है तो वह पूर्व में बंगाल क्रिकेट के संघ के संयुक्त सचिव और बाद में अध्यक्ष रहे। उन्होंने अक्टूबर में बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला और इस तरह से उनका कार्यकाल केवल नौ महीने का रहेगा। यही स्थिति शाह की है जो पांच साल तक गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव रहे और उन्हें भी अनिवार्य विश्राम अवधि में जाना होगा। वर्मा से पूछा गया कि वह एक अन्य याचिका क्यों दायर करना चाहते हैं, उन्होंने कहा, मेरा एकमात्र इरादा यह सुनिश्चित करना है कि बीसीसीआई पारदर्शी तरीके से काम करता रहे। अगर सौरव जैसा व्यक्ति अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकता तो फिर इसका उपयोग क्या है।

ब्रिटेन से स्वदेश लौटने के बाद संगकारा ने खुद को अलग किया

कोलंबो। श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने कहा है कि उन्होने फिलहाल खुद को अलग कर लिया है।कोविड 19 के चलते श्रीलंका सरकार ने भी निर्देश दिए है कि यूरोप से लौटने वाले नागरिक खुद को अलग कर लें। संगकारा ने न्यूज फर्स्ट से कहा , मुझमें कोई लक्षण नही पाए गए है लेकिन मै सरकार के निर्देशो का पालन कर रहा हूं। मै एक सप्ताह पहले लंदन से आया और मैने देखा कि एक से 15 मार्च के भीतर विदेश से आने वालो के लिए पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन कराना और खुद को अलग करना जरूरी है।मैने पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन करा लिया है। संगकारा और पूर्वकप्तान महेला जयवर्धने सोशल मीडिया पर लोगों को घबराहटसे बचने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह कर रहे है। श्रीलंका में कोविड 19 के 80 पाजीटिव मामले मिले है। इस बीच आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जैसन गिलेस्पी भी इंग्लैड से लौटने के बाद दो सप्ताह के लिए अलग हो गए है।

पोंटिंग ने विश्व कप 2003 फाइनल की यादों को ताजा किया

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 2003 के विश्व कप फाइनल में खेली गई 140 रन की शानदार पारी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आखिरी ओवर तक क्रीज पर रह कर 300 रन बनाने के बजाय भारतीय आक्रमण के खिलाफ आक्रामक रूख अख्तियार करना बेहतर समझा। भारत को 125 रन से हराकर आस्ट्रेलिया ने तब विश्व कप के खिताब को अपने पास बरकरार रखा था। रविवार को इसकी 17वीं वर्षगाठ थी। पोंटिंग की नाबाद 140 रन की पारी के दम पर आस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में दो विकेट पर 359 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। पोंटिंग ने कहा, दूसरे ड्रिक्स ब्रेक में जब 15 ओवर बचे थे और हमने दो विकेट गंवा दिए थे तब मैंने 12वें खिलाड़ी को कहा कि ड्रेसिंग में दूसरे बल्लेबाजों को तैयार रहने के लिए कहो क्योंकि मैं अभी से आक्रामक रूख अपनाउंगा। पोंटिंग ने क्रिकेट डाट एयू पर अपलोड किए गए वीडियो में कहा, अगर यह योजना चल गई तो हम काफी बड़ा स्कोर खड़ा कर लेंगे। मैं आखिर तक बल्लेबाजी कर इस भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ 300 रन बनाकर खुश नहीं रहूंगा। अगर मैं अभी से तेजी से रन बनाऊंगा तो यह संभव है। उन्होंने कहा, मेरे बाद (डेरेन) लेहमन, माइकल (बीवेन), (एंड्रयू) साइमंड्स जैसे बल्लेबाज थे जिन पर मुझे काफी भरोसा था। पोंटिंग ने यह भी बताया कि उन्होंने उंगुली में फ्रैक्चर के बाद भी डेमियन मार्टिन से मैच में खेलने के बारे में कैसे पूछा। मैंने मार्टिन से कहा, मेरी आंखों में देखो और बताओ की तुम खेल सकते हो कि नहीं। मैं चाहता था कि वह फाइनल में खेले। वह शानदार खिलाड़ी और स्पिन के खिलाफ शानदार बल्लेबाज है।

एशियाई बाजारों ने गोता लगाया

हांगकांग। दुनिया भर में बड़े पैमाने पर आर्थिक प्रोत्साहन देने की खबरों के बावजूद एशियाई बाजार सोमवार को कोरोना वायरस महामारी की दहशत से उबर नहीं सके। अमेरिका में खरबों डॉलर के आपातकालीन राहत पैकेज को सासंदों की मंजूरी नहीं मिलने से बाजार में नकारात्मक घारणा को बल मिला। कोरोना वायरस से दुनिया भर में मौत का आंकड़ा 14,400 से अधिक हो गया है और करीब एक अरब लोग अपने घरों में कैद हैं। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी व्यवसाय बंद हैं और भारी मंदी की आशंका गहरा रही है। न्यूजीलैंड में चार सप्ताह के लिए बंदी की घोषणा से वहां वेलिंगटन बाजार के सूचकांक में 7.6 प्रतिशत का नुकसान हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 4.9 फीसदी, आस्ट्रेलिया का सिडनी 5.6 फीसदी, शंघाई 3.1 फीसदी और ताइवान 3.7 फीसदी गिरा। सिंगापुर में 7.5 फीसदी, जकार्ता में 3.8 फीसदी और सियोल में 5.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, डॉलर के मुकाबले एन के सस्ता होने से टोक्यो में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अर्थशास्त्री और विश्लेषक अब इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महामारी का गहरा प्रभाव हो सकता है और सामाजिक संतुलन के उपायों और बंदी के कारण कई उद्योगों को गंभीर नुकसान हो रहा है। ब्लूमबर्ग न्यूज के मुताबिक गोल्डमैन सॉक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेपी मॉर्गन चेस ने अमेरिकी की जीडीपी में गिरावट का अनुमान जताया है।

जालान ने कहा, यस बैंक संकट पर कुछ कदम पहले उठाए जा सकते थे

नई दिल्ली। आरबीआई के पूर्व गवर्नर बिमल जालान ने यस बैंक संकट के लिए उसे ही जिम्मेदार ठहराया और कहा कि चूंकि बैंक में समस्याएं दो–तीन साल पहले ही दिखाई देने लगी थीं, इसलिए कुछ कदम पहले उठाए जा सकते थे। उन्होंने एक साक्षात्कार में पीटीआई–भाषा से कहा,"मुझे नहीं लगता कि हमें यस बैंक के संकट के लिए आरबीआई या वित्त मंत्रालय को दोष देना चाहिए। यस बैंक संकट के लिए, यस बैंक जिम्मेदार है। यस बैंक का संकट गहराने के बाद रिजर्व बैंक ने यस बैंक के प्रबंधन को बर्खास्त कर दिया था और इसे पांच मार्च को प्रशासक के तहत ला दिया तथा 30 मार्च तक इसके सामान्य कामकाज पर रोक लगा दी थी।

सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क आठ रुपए लीटर तक बढ़ाने का अधिकार हासिल किया

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के तेजी से गिरते दाम के बीच सरकार ने कानून में जरूरी संशोधन किया है और पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में आठ रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि करने का अधिकार हासिल कर लिया है। इसके बाद सरकार आने वाले दिनों में कभी भी पेट्रोल, डीजल पर आठ रुपए के दायरे में उत्पाद शुलक में वृद्धि कर सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में वित्त विधेयक 2020 में संशोधन पेश किए जिसमें इन ईंधनों पर भविष्य में एक सीमा तक विशेष उत्पाद शुल्क की दर बढ़ाने का प्रस्ताव भी शामिल था। सदन ने विधेय को बिना चर्चा के पारित कर दिया। इस संशोधन के बाद सरकार पेट्रोल पर अतिरिक्त विशेष उत्पाद शुल्क को प्रति लीटर 10 रुपए से बढ़ाकर 18 रुपए और डीजल पर चार रुपए से बढ़ाकर 12 रुपए प्रति लीटर तक कर सकती है। सरकार ने इससे पहले 14 मार्च को दोनों ईंधनों पर उत्पाद शुल्क में तीन रुपए प्रति लीटर वृद्धि की घोषणा की थी। इस वृद्धि से सालाना आधार पर सरकार को 39,000 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो सकता है। इस शुल्क वृद्धि में दो रुपए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क मद में दो रुपए और सड़क एवं अवसंरचना उपकर की मद में एक रुपए प्रति लीटर शुल्क बढ़ाया गया। कुल मिलाकर तीन रुपए प्रति लीटर तक शुल्क बढ़ाया गया।

निवेशकों को 14.22 लाख करोड़ की चपत

● शेयर बाजार में भारी गिरावट

● सेंसेक्स करीब 4,000 अंक टूटा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स के सोमवार को लगभग 4,000 अंक गिरकर बंद होने से शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति को 14.22 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के चलते सरकार ने करीब 80 जिलों में आवा गमन पर रोक का असर शेयर बाजारों पर भी दिखा। बीएसई सेंसेक्स 3,934.72 अंक यानी 13.15 प्रतिशत लुढ़ककर 25,981.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी l,135.20 अंक यानी 12.98 प्रतिशत गिरकर 7,610.25 अंक पर आ गया। यह शेयर बाजारों में एक दिन में होने वाली अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके बाद बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 14,22,207.01 करोड़ रुपए घटकर l,01,86,936.28 करोड़ रुपए रह गया। सोमवार को कारोबार के शुरुआती दौर में ही शेयर बाजार 10 प्रतिशत से अधिक गिर गए जिसके बाद 45 मिनट के लिए बाजार में कारोबार रोक दिया गया। दुनिया के देशों के साथ आवागमन को पूरी तरह रोक दिए जाने के बाद सोमवार को देश में भी कई राज्यों में लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई।

रिजर्व बैंक रेपो नीलामी के जरिए एक लाख करोड़ रुपए आर्थिक तंत्र में छोड़ेगा

मुंबई। कोरोना वायरस की वजह से आवागमन पर व्यापक पाबंदी के कारण वित्तीय बाजारों पर पड़ रहे दबाव के बीच रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में एक लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त धन छोड़ने की घोषणा की है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर वह इस तरह के कदम आगे भी उठाएगा। बैंक ने सोमवार को कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों की दीर्घ कालिक खरीद की व्यवस्था (सावधि रेपो) के तहत वह इसमें से 50,000 करोड़ रुपए की पहली किस्त को सोमवार को जारी कर दी गई है। इतनी ही राशि की दूसरी किस्त को मंगलवार को उपलब्ध कराई जाएगी। रिजर्व बैंक ने जारी किए गए एक वक्तव्य में कहा है कि किसी भी नकद धन की जरूरत को पूरा करने के लिए पहले से ही उपाय किए जा रहे है। कोरोना वायरस की वजह से किसी भी तरह की तंगी को दूर करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। रिजर्व बैंक ने इसके लिए एक लाख करोड़ रुपए की परिवर्तनीय रेपो दर नीलामी करने का फैसला किया है। बैंक ने कहा है कि उसकी यह पहल बैंको को सस्ती दर पर धन उपलब्ध कराना है। इससे बैंकिंग प्रणाली में नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। केन्द्रीय बैंक ने कहा है कि विशेष मामले के तहत अन्य पात्र भागीदारों के साथ ही प्राथमिक डीलरों को भी इन नीलामियों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

यूबीएस ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को कम कर 4 प्रतिशत किया

मुंबई। ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस इंडिया ने 2020–21 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को उल्लेखनीय रूप से कम कर 4 प्रतिशत कर दिया है जबकि पूर्व में इसके 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। कोरोना वायरस महामारी और उसके कारण सोमवार से जरूरी सेवाओं को छोड़कर दुकानें, दफ्तर बंद होने और आवाजाही पर रोक को देखते हुए वृद्धि दर के अनुमान को कम किया गया है। यूबीबएस सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2019–20 में आर्थिक वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कहा गया है, अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वद्धि दर 2020–21 में 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पूर्व में इसके 5.1 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई थी। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए उसके आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता जताई जा रही है। इस वायरस से अबतक कम–से–कम 400 लोगों के संक्रमित होने की रिपोर्ट है। वहीं सात लोगों की मौत हो चुकी है। आर्थिक प्रभाव को देखते हुए सरकार तथा आरबीआई से प्रोत्साहन पैकेज की मांग की जा रही है। यूबीएस की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने कहा, अगर महामारी बढ़ती है तो भारत और उसके जैसे अन्य देशों के लिए चुनौतियां काफी गंभीर है। इसका कारण आबादी का अधिक घनत्व तथा कमजोर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा का होना है। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि वैश्विक मंदी की आशंका और आवाजाही पर पाबंदी तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने के उपायों से भारत गंभीर महामारी परिदृश्य की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक प्रभाव पर ज्यादा असर लोगों की आवाहजाही पर लगी पाबंदी से होगा न कि प्रभावित क्षेत्रों की वृद्धि से।

डालर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर तक गिरा, 102 पैसे गिरकर 76.22 पर आया

मुंबई। देश मे कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी के साथ बढ़ने का असर विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर भी दिखाई दिया। अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपए में 102 पैसे की जबर्दस्त गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के बाद रुपया अब तक के सबसे निम्न स्तर 76.22 रुपए प्रति डालर तक नीचे आ गया। विदेशी मुद्रा डीलरों का मानना है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमित मामलों की संख्या तेजी से बढ़ने का अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अब तक ऐसे मामलों की संख्या 400 से ऊपर निकल चुकी है। बाजार में कारोबार की शुरुआत मे रुपया 75.90 रुपए प्रति डालर के स्तर पर पहुंच गया। दिन के उतार चढाव के बाद यह कारोबार की समाप्ति के समय 102 पैसे की भारी गिरावट के साथ 76.22 रुपए प्रति डालर (अस्थाई आंकड़ा) पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान रुपए ने 76.30 रुपए का सबसे निचला और 75.86 रुपए प्रति डालर का दिन का ऊपरी स्तर छुआ। जिसके बाद अंत में यह 76.22 रुपए प्रति डालर के स्तर के आसपास बंद हुआ। पिछले सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 75.20 रुपए प्रति डालर पर बंद हुई थी।

सर्व साधारण को नीलामी रद्द होने की सूचना

ICICI Bank
ICICI Bank Limited

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

यह सूचना कर्जदार विप्लव शर्मा द्वारा गृह ऋण खाता नंबर एलबीजीयूआर00002036748 में बकाया राशि के प्रतिभुगतान में चूक के कारण अपार्टमेंट नंबर 061, छठा तल, ब्लॉक ई, एलीगैंट टावर, एसोटेक विंडसर पार्क, प्लॉट नंबर 5, वैभव खण्ड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में अवस्थित प्रत्याभूत आस्ति/आस्तियों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए 15 फरवरी, 2020 को समाचार पत्रों, दि इकोनोमिक टाइम्स (अंग्रेजी) में प्रकाशित सरफासी ऐक्ट, 2002 के तहत बिक्री के लिए निविदा–सह–नीलामी के प्रकाशन के संदर्भ में है। एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति की बिक्री के लिए 24 मार्च, 2020 को आयोजनार्थ निर्धारित उक्त नीलामी अगली सूचना तक रद्द कर दी गई है।

हस्ता./–
दिनांकित : 24–03–2020 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सर्व साधारण को नीलामी रद्द होने की सूचना

ICICI Bank
ICICI Bank Limited

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

यह सूचना कर्जदार संदीप सहोटा द्वारा गृह ऋण खाता नंबर एलबीएनओडी00002115448 में बकाया राशि के प्रतिभुगतान में चूक के कारण यूनिट नंबर 302, द्वितीय तल, ब्लॉक सी, जेएनसी प्रिन्सेस पार्क, अहिंसा खण्ड–II, इंदिरापुरम, गाजियाबाद तथा/अथवा फ्लैट नंबर 302, द्वितीय तल, जेएनसी प्रिन्सेस पार्क, खसरा नंबर 526/3 एवं 519, ग्राम मोहिउद्दीनपुर, कनावनी, परगना लोनी, तहसील दादरी, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–110025 में अवस्थित प्रत्याभूत आस्ति/आस्तियों, क्षेत्रफल – 1800 वर्ग फीट की नीलामी–सह–बिक्री के लिए 20 फरवरी, 2020 को समाचार पत्रों, युग मार्ग (अंग्रेजी) में प्रकाशित सरफासी ऐक्ट, 2002 के तहत बिक्री के लिए निविदा–सह–नीलामी के प्रकाशन के संदर्भ में है। एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति की बिक्री के लिए 28 मार्च, 2020 को आयोजनार्थ निर्धारित उक्त नीलामी अगली सूचना तक रद्द कर दी गई है।

तथा

यह सूचना कर्जदार निधि गर्ग द्वारा गृह ऋण खाता नंबर एलबीडीईएल00001803519 में बकाया राशि के प्रतिभुगतान में चूक के कारण प्लॉट नंबर एसएस–207, (एफ/एफ), ब्लॉक–एच, सेक्टर–16, जीएमपी शास्त्री नगर, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में अवस्थित प्रत्याभूत आस्ति/आस्तियों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए 01 मार्च, 2020 को समाचार पत्रों, युग मार्ग (अंग्रेजी) में प्रकाशित सरफासी ऐक्ट, 2002 के तहत बिक्री के लिए निविदा–सह–नीलामी के प्रकाशन के संदर्भ में है। एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति की बिक्री के लिए 24 मार्च, 2020 को आयोजनार्थ निर्धारित उक्त नीलामी अगली सूचना तक रद्द कर दी गई है।

हस्ता./–
दिनांकित : 24–03–2020 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिये)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सरवेश गुप्ता प्रो. साई जय लक्ष्मी मार्किटिंग**, 15–6–199, बेगम बाज़ार, हैदराबाद–500012 तेलंगाना ने **सी.सी. संख्या 511111/16 धारा 138 NI Act** के तहत **थाना लाहौरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सरवेश गुप्ता** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सरवेश गुप्ता** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामिल से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सी.सी. संख्या 511111/16 धारा 138 NI Act** के तहत **थाना लाहौरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सरवेश गुप्ता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.04.2020** को हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री अरजिंदर कौर,
महानगर दण्डाधिकारी–01
DP/102/N/2020 तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिये)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **ओम प्रकाश उपाध्याय पुत्र मनी राम** निवासी पाण्डेय का पूर्वा बैजापुर, थाना कोतवाली, देहात, सुल्तानपुर, यू.पी. ने **मुकदमा प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 329/16 धारा 279/338/337 भा.द.सं.** के तहत **थाना तिमारपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ओम प्रकाश उपाध्याय** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ओम प्रकाश उपाध्याय** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामिल से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 329/16 धारा 279/338/337 भा.द.सं.** के तहत **थाना तिमारपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ओम प्रकाश उपाध्याय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2020** को हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री शिल्पी जैन, महानगर दण्डाधिकारी
DP/98/N/2020 सैंट्रल कमरा नं. 26, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, दिल्ली : लोअर ग्राउण्ड फ्लोर तथा अपर ग्राउण्ड फ्लोर, हिमालय हाउस, के.जी. मार्ग, दिल्ली–110001, अन्य पता : ऐक्सिस बैंक लि., ऐक्सिस हाउस, टावर टी–2, द्वितीय तल, आई–14, सेक्टर–128, नोएडा एक्सप्रेवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)–201301, खुदरा आस्ति केन्द्र, गाजियाबाद : बीएफ–1ए, 2, 3, प्रथम तल, आदित्य सिटी सेंटर, नीति खंड–1, इंदिरापुरम, गाजियाबाद–201012, खुदरा आस्ति केन्द्र, फरीदाबाद : ऐक्सिस बैंक लि., एससीओ–8, हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर–16, फरीदाबाद, हरियाणा–121002, खुदरा आस्ति केन्द्र, गुरूग्राम : ऐक्सिस बैंक लि., एएससी गुरूग्राम , एसजी–107, डीएलएफ गैलेरिया कॉम्प्लेक्स, निकट डाक घर, डीएलएफ सिटी फेज–4, गुरूग्राम–122009, कार्पोरेट कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, ब्लॉक–बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई–400025, पंजीकृत कार्यालय : "त्रिशूल", तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद–380006

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,

अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वाराकर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।

कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	1. मांग सूचना की तिथि 2. कब्जा की तिथि 3. मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
श्री पृथ्वी कसाना पुत्र श्री मनी राम कसाना, ग्राम कनावनी पोस्ट–छजारसी, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, उत्तर प्रदेश–201010 अन्य पता : श्री पृथ्वी कसाना पुत्र श्री मनी राम कसाना, मैसर्स अक्षय इंटरनेट, सेन्ट्रल मार्केट, टॉप फ्लोर, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, उत्तर प्रदेश–201010, अन्य पता : श्री पृथ्वी कसाना , भू तल, फ्लैट नंबर बीएएन–12/2, नोवा, शिप्रा सनसिटी, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, अन्य पता : श्री पृथ्वी कसाना पुत्र श्री मनी राम कसाना, एसटीडी 108, सनटावर, शिप्रा सनसिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010.	भू तल, फ्लैट नंबर बीएएन–12/2, नोवा, शिप्रा सनसिटी, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, जहां सम्पत्ति अवस्थित है उस बिल्डिंग के नीचे उक्त भूमि में तथा बिल्डिंग/स्कीम/कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कराए गए कॉमन एरियाज तथा सुविधाओं में हिस्सा और हित। सम्पत्ति निम्नानुसार परिबद्ध है (सेल डीड के अनुसार) : पूरब : सेल डीड के अनुसार पश्चिम : सेल डीड के अनुसार उत्तर : सेल डीड के अनुसार दक्षिण : सेल डीड के अनुसार	1. 23–12–2019 2. 18–03–2020 3. रू. 8,22,224/– + ब्याज, अनुषंगी खर्चे तथा लागत
1. श्री राजीव कुमार पुत्र श्री हीरा लाल पटेल, फ्लैट नंबर 661, तृतीय तल, मकान नंबर 401/11, 15वां मेन वीएचबीसीएस, लेआउट वीराना पाल्या, नागवारा होबली, बेंगलुरू, कर्नाटक–560045 अन्य पता : बी–28, सेक्टर–1, एनसीएल, निगाही प्रोजेक्ट निकट डीपीएस नाइट सिंगरौली, गोपादबनास, एसआईडीएफ निगाही प्रोजेक्ट, मध्य प्रदेश–486884, अन्य पता : डायमेंशन डाटा इंडिया प्रा. लि., जीएससी, तृतीय तल, बी–एड ब्लॉक, सिल्वर ओक, मान्यता बिजनेस पार्क, नागवारा, बेंगलुरू, कर्नाटक, बेंगलुरू–560045 2. श्रीमती उषा रानी पटेल पत्नी श्री राजीव कुमार, फ्लैट नंबर 661, तृतीय तल, मकान नंबर 401/11, 15वां मेन वीएचबीसीएस, लेआउट वीराना पाल्या, नागवारा होबली, बेंगलुरू, कर्नाटक–560045 अन्य पता : 6, वार्ड नंबर 4, भोगिया टोला ब्योहारी, शहडोल, मध्य प्रदेश–484774	सेक्टर–9 (टीएचए), वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित प्लॉट नंबर 9/36 पर निर्मित फ्रीहोल्ड भू तल (छत का अधिकार नहीं, कवर्ड एरिया 114 वर्ग मीटर) डीडीए निर्मित सम्पत्ति/फ्लैट नंबर 41, सिद्धार्थ एन्क्लेव, नई दिल्ली–110014	1. 18–12–2019 2. 18–03–2020 3. रू. 51,15,201/–

एतद्द्वारा उपरि–वर्णित कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

तिथि : 24–03–2020 हस्ता/–, प्राधिकृत अधिकारी,
स्थान : दिल्ली ऐक्सिस बैंक लि.

कोरोना को लेकर युद्ध जैसे हालात हो गये हैं: ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 34,000 तक पहुंच गई है और 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं प्रत्एक तीन अमेरिकी लोगों में से एक को घर के भीतर रहने को कहा गया है। कोविड-19 के नए मामलों के आंकड़े रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर ने बताया कि रविवार शाम तक केंटुकी से रिपब्लिकन सांसद रैंड पॉल समेत 33,546 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित थे। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 419 हो गई है।

इसी बीच व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन की कोरोना वायरस से बेहद प्रभावित स्थलों के रूप में पहचान की। राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती को भी मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति ने कहा, मैं अमेरिकी जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस अदृश्य दुश्मन को पूरी तरह से हराने के लिए रोजाना हम वे सभी चीजें कर रहे हैं जो हम कर सकते हैं। देखा जाए तो हम युद्ध जैसे हालात में हैं।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पूरे देश में कोरोना वायरस से प्रभावित स्थलों पर आपात चिकित्सकीय केंद्र बनाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने एफईएमए आपात प्रबंधन एजेंसी को न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन राज्य में चिकित्सकीय केंद्र बनाने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के आठ चिकित्सीय केंद्रों में 2,000 बिस्तर होंगे और वहीं न्यूयॉर्क और वाशिंगटन राज्य में चार चिकित्सीय केंद्र होंगे और इसमें प्रत्एक में 1,000- 1,000 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह चीन से थोड़ा सा नाराज हैं क्योंकि चीन ने कोरोना वायरस की जानकारी साझा करने में देरी की।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, उन्हें इसके बारे में हमें बताना चाहिए था। उन्होंने कहा, मैं चीन से थोड़ा सा नाराज हूं। मैं ईमानदारी से कह रहा हूं क्योंकि मैं चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पसंद करता हूं और उनका तथा उनके देश का सम्मान करता हूं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग से विशेष तौर पर पर अमेरिकी टीम को चीन भेजने पर बात की थी लेकिन चीन के राष्ट्रपति ने इससे इनकार कर दिया। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि शी के साथ उनकी यह बातचीत कब हुई थी। ट्रंप ने कहा कि अहंकार की वजह से चीन नहीं चाहता था कि अमेरिका अपने लोगों को वहां भेजे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच संबंध काफी अच्छे हैं। उन्होंने कहा, मेरा बस यह कहना है कि काश वह हमें तीन महीने पहले ही इस समस्या के बारे में बता देते। हम इसके बारे में नहीं जानते थे। वे जानते थे और उन्हें हमें बताना चाहिए था। हम कई जिंदगियां बचा सकते थे। इस बीच, कोरोना वायरस को लेकर अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच ट्विटर पर वाक युद्ध जारी है।

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति माइक पेंस व फेमा के प्रशासक पीटर गेन्नोर

अवैध आव्रजकों को कोरोना वायरस की जांच से वंचित नहीं किया जाएगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत समेत अन्य देशों के अवैध और बिना दस्तावेज वाले आव्रजकों को कोरोना वायरस की जांच से वंचित नहीं किया जाएगा। अमेरिका में मौजूदा समय में 1.1 करोड़ ऐसे आव्रजक हैं जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। इनमें से हजारों ऐसे लोग हैं जो भारत और दक्षिण एशिया से हैं। जॉन हॉपकिन्स कोरोना वायरस ट्रेकर के अनुसार चीन के वुहान शहर से उभरा यह वायरस अब तक दुनिया भर में 14, 641 लोगों की जान ले चुका है और दुनिया के 173 देशों और क्षेत्रों के 3,36,000 लोग इससे संक्रमित हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अवैध लोगों की जांच करेंगे क्योंकि यह बेहद जरूरी है और हम उस व्यक्ति को वहां नहीं भेजेंगे, जहां हम उन्हें भेजने वाले थे, चाहे कोई देश हो या कोई स्थान। उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा कि गृह सुरक्षा मंत्रालय इस मामले पर निगरानी रख रहा है। ट्रंप ने कहा कि बिना दस्तावेज वाले श्रमिकों की भी जांच होगी।

अमेरिका ने कोरोना वायरस फर्जीवाड़े को लेकर पहली वेबसाइट बंद की

वाशिंगटन। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि उसने कोरोना वायरस का टीका बेचने का दावा करने वाली एक बेवसाइट को बंद कर दिया है। वैश्विक महामारी के संबंध में फर्जीवाड़ा के खिलाफ संघीय कानून प्रवर्तन विभाग की यह पहली कार्रवाई है। न्याय मंत्रालय ने एक बायान में बताया कि वेबसाइट के खिलाफ वाद दायर किए गए हैं। यह वेबसाइट कोरोना वायरस से होने वाली बीमारी कोविड-19 के लिए टीके बेचने का दावा कर रही थी। बयान के मुताबिक टेक्सास के संघीय न्यायाधीश ने वेबसाइट बंद करने का शनिवार को आदेश दिया था हालांकि रविवार शाम तक भी यह साइट खुल रही थी। साइट के होमपेज पर नजर आ रहे एक बयान के मुताबिक, कोरोना वायरस (कोविड-19) के हालिया प्रकोप के चलते विश्व स्वास्थ्य संगठन टीके के किट दे रहा है। शिपिंग के लिए महज 4.95 डॉलर का भुगतान करें। इस बयान के बाद शिपिंग शुल्क भुगतान के लिए बैंक खाते के विवरण भरने की जगह छोड़ी गई थी। न्याय मंत्रालय ने यह नहीं बताया है कि कितने लोग इस फर्जीवाड़े का शिकार हुए हैं लेकिन फर्जीवाड़े के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और ठगी की रकम का पता करने के लिए जांच जारी है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से डॉक्टर की मौत

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित क्षेत्र में 26 वर्षीय एक डॉक्टर की कोविड-19 के रोगियों का उपचार करते समय कोरोना वायरस के संपर्क में आने से मौत हो गई। देश में इस वायरस से किसी डॉक्टर की मौत का यह पहला मामला है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसामा रियाज हाल में ईरान और इराक से लौटे रोगियों का उपचार कर रहे थे। पाकिस्तान की सीमाएं कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित ईरान और चीन से लगती हैं। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते पांच लोगों की मौत और लगभग 800 लोगों के इसकी चपेट में आने की खबर है। रियाज डॉक्टरों की 10 सदस्ईय उस टीम का हिस्सा थे जो खासकर ताफ्तान के जरिए ईरान से आ रहे लोगों की स्क्रीनिंग से जुड़ी है। बाद में, रियाज ने गिलगित में स्थापित एकांत केंद्रों में संदिग्ध रोगियों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने से जुड़ गए थे। उनके परिवार के लोगों ने बताया कि रियाज शुक्रवार की रात घर आए थे, लेकिन अगले दिन नहीं आ पाए। उन्हें पहले सैन्य अस्पताल ले जाया गया और फिर जिला अस्पताल। उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया और रविवार को उनकी मृत्यु हो गई। वह गिलगित-बाल्टिस्तान के चिलास के निवासी थे। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्ला फराक ने युवा डॉक्टर की मौत की पुष्टि की जो देश में घातक वायरस से लड़ते हुए किसी डॉक्टर की पहली मौत है।सरकार ने ट्वीट किया, बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि गिलगित-बाल्टिस्तान स्वास्थ्य विभाग ने उसामा रियाज की मृत्यु की पुष्टि की है जिन्होंने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गिलगित-बाल्टिस्तान के सूचना मंत्री शम्स मीर ने कहा, उसामा ने दूसरों को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान देकर स्वयं को नायक के रूप में सिद्ध किया।

कोरोना वायरस के चलते नेपाल ने चीन व भारत से लगती सीमाएं सील कीं

काठमांडू। नेपाल ने कोरोना वायरस के चलते भारत और चीन से लगती अपनी सीमाएं सोमवार से एक सप्ताह के लिए बंद कर दी हैं। देश के वित्त मंत्री युवराज खाटीवाडा ने रविवार रात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन देशों (भारत और चीन) से सामान की आपूर्ति रोजाना की तरह होती रहेगी। उन्होंने बताया कि सीमा पार लोगों के आवागमन पर 29 मार्च की मध्यरात्रि तक रोक लगा दी गई है। खाटीवाडा ने कहा, सरकार ने दक्षिणी और उत्तरी दोनों सीमाओं को सील करने का फैसला किया है क्योंकि समूचे दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्वी एशिया कोरोना वायरस की महामारी से प्रभावित हैं।

चीन में वायरस का कोई घरेलू मामला सामने नहीं आया

भाषा। बीजिंग

चीन में सोमवार को स्थानीय स्तर पर जानलेवा कोरोना वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया लेकिन विदेशों से संक्रमित होकर आने वाले लोगों की संख्या 39 और बढ़ गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि वायरस से नौ और लोगों की मौत हुई है और ए सभी मौत सर्वाधिक प्रभावित वुहान में हुई।हुबेई प्रांत और राजधानी वुहान और करीब 5.6 करोड़ लोगों को घरों में बंद करने के चीन के नाटकीय कदम के बाद संक्रमण के मामलों में काफी कमी आई और लगातार पांच दिन तक प्रांत में कोई नया मामला सामने नहीं आया।

प्रांत में यात्रा एवं काम पर लगे प्रतिबंधों में धीरे-धीरे ढील दी गई और इस महीने की शुरूआत में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने वुहान का दौरा किया था। चीन में संक्रमण की दर धीमी होने के बाद पूरी दुनिया ने इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। अब चीन की परेशानी बाहर से आने वाले संक्रमणों को लेकर है जो पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से बढ़कर 350 के पार पहुंच चुके हैं। सोमवार को सामने आए 39 नए मामलों में से 10 शंघाई में और 10 बीजिंग में थे। अन्य देशों से अब चीन लौट रहे लोगों के लिए कई शहरों ने नियम कड़े कर दिए हैं और देश के विमानन अधिकारियों ने रविवार को घोषणा की कि अन्य देशों से बीजिंग आने वाली सभी उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर अन्य शहरों को भेजा जाएगा ताकि वहां यात्रियों में वायरस की जांच हो सके।

विदेश से आने वाले संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी

चीन में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 81,000 से ज्यादा हो गई है और मृतक संख्या 3,270 पर पहुंच गई है।वहीं विश्व के अन्य हिस्सों में देखें तो इक्वाडोर में रविवार को कोरोना वायरस के एक दिन में सबसे ज्यादा मामले सामने आए और सबसे ज्यादा मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि कुल 14 लोगों की मौत हो गई और 789 संक्रमित हैं। देश के राष्ट्रीय जोखिम एवं आपदा प्रबंधन सेवा के मुताबिक शनिवार को मृतकों की संख्या सात थी जो रविवार सुबह बढ़कर 14 हो गई वहीं संक्रमितों की संख्या 532 से 789 हो गई।लातिन अमेरिकी देशों में ब्राजील के बाद इक्वाडोर दूसरे नंबर पर है जहां कोरोना वायरस से सबसे अधिक मौत हुई है। ब्राजील में अब तक इस वायरस से 18 लोगों की मौत हो गई है। ब्राजील के शीर्ष फुटबॉल क्लबों ने अपने स्टेडियम स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंपने शुरू कर दिए हैं ताकि कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए उन्हें अस्थाई अस्पतालों एवं क्लीनिकों में बदला जा सके। देश में अगले आदेश तक फुटबॉल मैच रद्द रहने के साथ ही ब्राजील के सेरी ए के आधे से ज्यादा क्लबों ने अपने स्टेडियम इस काम के लिए दे दिए हैं।

उधर दुबई की एयरलाइन एमिरेट्स ने सभी यात्री विमान सेवाओं पर रोक लगाने के अपने फैसले को रविवार को पलट दिया। इससे पहले कंपनी ने कहा था कि कोरोना वायरस प्रकोप के चलते वह 25 मार्च से परिचालन बंद कर देगी। एयरलाइन ने कहा कि उसे, यात्रियों को वापस भेजने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकारों एवं यात्रियों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने कहा कि वह 159 की बजाए केवल 13 गंतव्य स्थनों तक यात्री विमानों का परिचालन जारी रखेगा। एमिरेट्स ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, हांगकांग, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपीन, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और कनाडा तक उड़ान सेवा जारी रखेगी। कोरोना वायरस को रोकने के अपने व्यापक उपायों के तहत इटली ने राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपना औद्योगिक उत्पादन धीमा कर दिया है जबकि सबसे अधिक प्रभावित लोम्बारी क्षेत्र ने बाहर की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है और कुत्तों को घुमाने के दौरान निश्चित दूरी तय की है। इटली के उच्च स्वास्थ्य परिषद के अध्यक्ष फ्रैंको लोकाटेली ने रविवार को कहा कि इस सप्ताहांत में घोषित नए सख्त उपायों के साथ इटली ने निजी एवं पेशेवर संपर्कों को सीमित करने के सभी तरीके आजमा लिए हैं।

चीन कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए भारत के साथ अनुभव साझा करने को तैयार

भाषा। बीजिंग

चीन ने कोरोना वायरस प्रकोप से अपनी लड़ाई के दौरान भारत की ओर से भेजी गई मदद को लेकर सोमवार को इसकी सराहना की। चीन ने कहा कि वह कोविड-19 से निपटने के अपने अनुभवों को नई दिल्ली के साथ साझा करना पसंद करेगा और कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जरूरी मदद मुहैया कराएगा।

भारत ने 26 फरवरी को एक सैन्य विमान के जरिए चीन के बुरी तरह प्रभावित वुहान में मास्क, दस्ताने और अन्य आपातकालीन चिकित्सा उपकरण समेत करीब 15 टन चिकित्सीय मदद भेजी थी। यह विमान 112 भारतीयों और कई विदेशी नागरिकों भी निकालकर लाया था। यहां मीडिया को जारी विवरण में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा कि उनके देश में कोरोना वायरस प्रकोप के दौरान मदद मुहैया कराने वाले 19 देशों के लिए चीन ने सहायता की पेशकश की है। उनकी 19 देशों की सूची में खासतौर पर भारत का नाम नहीं होने के सवाल पर गेंग ने कहा, भारत और चीन के बीच आदान-प्रदान की एक बेमिसाल प्रणाली है और यह करीबी है। उन्होंने कहा, कोविड-19 के प्रकोप के बाद, चीन और भारत के बीच संवाद कायम हैं और दोनों के बीच सहयोग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस की विपत्ति के दौरान चीन के लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी और भारत के विदेश मंत्री ने भी चीनी पक्ष से फोन पर बात की।

कराची में लाकडाउन की घोषणा के बाद यात्रियों को रोकते हुए पाकिस्तानी पुलिस कर्मी

कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे के बीच क्रोएशिया में शक्तिशाली भूकंप

भाषा। जगरेब

क्रोएशिया में रविवार को ऐसे समय में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए जब देश की राजधानी जगरेब को कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर आंशिक तौर पर बंद रखा गया है।

भूकंप की वजह से लोग घबरा गए और अस्पतालों को खाली कराना पड़ा। इस दौरान बड़े पैमाने पर क्षति पहुंची जिसमें राजधानी जगरेब का मशहूर गिरजा घर भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की वजह से 15 साल की एक किशोरी की स्थिति नाजुक है जबकि 16 अन्य लोग घायल हैं। यूरोपीय भूकंप एजेंसी ईएमएससी ने बताया कि सुबह छह बजकर 23 मिनट पर 5.3 तीव्रता का भूकंप जगरेब में आया और इसका केंद्र जगरेब के उत्तर में 10 किलोमीटर की गहराई में था। क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक ने कहा कि पिछले 140 साल में जगरेब में आया यह सबसे भयानक भूकंप है। यहां कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब राजधानी में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए आंशिक तौर पर बंद लागू किया गया है। लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचने के लिए कहा गया था लेकिन भूकंप के दौरान लोगों के पास अपने घरों से निकल कर बाहर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। क्रोएशिया में अब तक कोरोना वायरस के 235 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। देश के स्वास्थ्य मंत्री विली बेरोस ने कहा, भूकंप खतरनाक है लेकिन कोरोना वायरस उससे भी ज्यादा खतरनाक है। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सामने दो समानांतर संकट है और दोनों ही एक-दूसरे के विपरित है। प्रधानमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के बाद यह बयान दिया।

अमेरिका के खरबों डॉलर के राहत पैकेज को नहीं मिली सीनेट की मंजूरी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए लाए गए खरबों डॉलर के राहत पैकेज के प्रस्ताव को अमेरिकी सीनेट की मंजूरी नहीं मिल सकी। इस प्रस्ताव को डेमोक्रेटस की तरफ से कोई समर्थन नहीं मिला, जबकि वायरस संक्रमण के चलते पांच रिपब्लिकन सांसद अनुपस्थित रहे। डेमोक्रेट का कहना था कि रिपब्लिकन योजना लाखों अमेरिकी श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है और इसमें कोरोना वायरस संकट के दौरान पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को दरकिनार कर किया गया है। विधेयक में कोरोना वायरस महामारी के चलते हुई बंदी के कारण अमेरिकी परिवारों को सहायता देने और बंद पड़े हजारों कारोबार को मदद देने के लिए 1700 अरब डॉलर के अनुमानित पैकेज का प्रस्ताव था। रिपब्लिकन, डेमोक्रेट और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के बीच गहन बातचीत के बावजूद पैकेज को लेकर सहमति नहीं बन सकी और सदन में विधेयक को पारित होने के लिए जरूरी मत नहीं मिल सके। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते पांच रिपब्लिकन सांस वोट नहीं दे सके। इससे पहले इस पैकेज को पारित कराने के लिए विधि निर्माताओं के बीच रविवार को बंद दरवाजे में बातचीत हुई। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकल सका।

पोन्म पेह (कंबोडिया) में कोरोना वायरस से लोगों को बचाने के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने की प्रार्थना

मौतों के बढ़ते आंकड़ों के बीच आपात वैश्विक उपाय तेज किए गए

भाषा। रोम

दुनिया भर में कोरोना वायरस से हुई मौतों का आंकड़ा 15 हजार पहुंचने के बीच सोमवार को इस महामारी से निपटने के लिए वैश्विक उपायों में तेजी दिखी जब कई और राष्ट्रों और शहरों ने असाधारण बंदी लागू की। जर्मनी में जहां दो से ज्यादा लोगों के जुटने पर प्रतिबंध है तो न्यूजीलैंड ने चार हफ्ते के लॉकडाउन की घोषणा की है और हांगकांग ने सभी अनिवासियों के लिए अपनी सीमाएं बंद कर दी हैं। रोकथाम के लिए किए जा रहे इन नए उपायों से इस महामारी को लेकर दुनिया भर में मची अफरा-तफरी को आसानी से समझा जा सकता है।

जुलाई में होने वाले तोक्यो ओलंपिक के स्थगित होने के आसार भी बढ़ते जा रहे हैं, कनाडा ने घोषणा कर दी है कि वह अपने खिलाड़ियों को जापान नहीं भेजेगा, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि वह एक साल की देरी के लिए तैयारी कर रहा है। इटली में वायरस से मरने वालों का आंकड़ा रविवार तक 5500 के करीब पहुंच गया। रविवार को ही यहां 651 लोगों की मौत की खबर है। यूरोपीय देश लगातार नागरिकों की आवाजाही को कम से कम करने में लगे हुए हैं, इटली, स्पेन और फ्रांस की तर्ज पर ग्रीस ने भी राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा कर दी। जर्मनी में चांसलर एंजेला मर्केल ने रविवार को दो से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध की घोषणा की। एक संक्रमित डॉक्टर के संपर्क में आने के बाद से वह खुद पृथक रह रही हैं। यूरोप की तरह ही दुनिया के अन्य देशों में भी बंद पर्यटन उद्योग की कमर तोड़ रहा है। जॉर्जिया द्वारा आपात स्थिति की घोषणा किए जाने के बाद तिबलिसी में होटल मालिक तामरिको सिकरुलिड्जे ने एएफपी को बताया, यह दिल दुखाने वाला है। हमने सफल पर्यटक मौसम की तैयारी में काफी निवेश किया था। रोम में सप्ताहांत पर पुलिस सड़कों पर गश्त करती दिखी, स्थानीय अधिकारियों द्वारा लोगों के घरों में नहीं रहने की शिकायत किए जाने के बाद इतालवी समुद्र तटों के किनारे भी जांच की गई। पोप ने ऑनलाइन प्रसारित अपनी प्रार्थना में इतालवी नागरिकों से सभी की भलाई के लिए पृथक रहने के लिए जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा। स्पेन में प्रधानमंत्री ने कहा कि वह संसद से आपातकाल की स्थिति को 15 दिन और बढ़ाने का अनुरोध करेंगे। इसके तहत अत्यावश्यक न होने पर लोगों को घरों से निकलने की इजाजत नहीं होती। स्पेन में रविवार को 400 और लोगों की मौत के साथ ही वायरस से मरने वालों का कुल आंकड़ा 1,720 तक पहुंच गया जिससे संकेत मिलता है कि लॉकडाउन पूरी तरह प्रभावी नहीं हो रहा। फ्रांस में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 674 पहुंच गया और यहां लोग घरों के अंदर ही नजर आए। कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है और पेरिस के मेयर ने कहा कि और सख्त उपाय अपनाए जा सकते हैं।

ब्रिटेन में भी ऐसे ही उपाय अपनाए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने चेतावनी दी है कि इटली जैसे आंकड़े कुछ ही हफ्ते में ब्रिटेन में भी देखने को मिल सकते हैं। इस बीच सरकार ने रेलवे का संचालन अपने हाथ में ले लिया है जिससे वायरस के संक्रमण के दौरान आवश्यक आवाजाही करने वालों को कोई परेशानी न हो। अमेरिका की बात करें तो वहां एक तिहाई से ज्यादा नागरिक किसी न किसी तरह के लॉकडाउन का सामना कर रहे हैं। इनमें न्यूयॉर्क, शिकागो और लॉस एंजिलिस शामिल हैं। देश में संक्रमित लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

स्पेन में 24 घंटे में 462 की मौत, मरने वालों की तादाद 2000 के पार

मैड्रिड। स्पेन में कोरोना वायरस से 24 घंटे में 462 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद देश में घातक संक्रमण से मरने वालों की संख्या 2,182 पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक दिन पहले जारी आंकड़ों की तुलना में मृत्यु दर में 27 फीसदी का इजाफा हुआ है। स्पेन में कोविड-19 के मामलों की संख्या 33,089 हो गई है। यह देश चीन और इटली के बाद सबसे ज्यादा प्रभावित है। देशभर में 14 मार्च को लॉकडाउन लागू करने के बावजूद स्पेन में मौत और संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। हालांकि देश ने संक्रमण की जांच करने की अपनी क्षमता में इज़ाफा किया है। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि लॉकडाउन को पहले दो हफ्तों के लिए लागू किया गया था, लेकिन इसे अब 11 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दिया है। करीब साढ़े चार करोड़ की आबादी वाले स्पेन में स्वास्थ्य प्रणाली ढहने के मुहाने पर है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका राजधानी मैड्रिड है जहां 10,575 मामले आएं हैं और 1,263 लोगों की मौत हुई है, जो देश भर में हुई मौतों का 58 फीसदी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन समन्वयक फर्नांडो साइमन ने बताया कि करीब 3,910 स्वास्थ्य कर्मी इस घातक वायरस से संक्रमित हुए हैं।

हार्वे वीनस्टीन कोरोना वायरस से संक्रमित

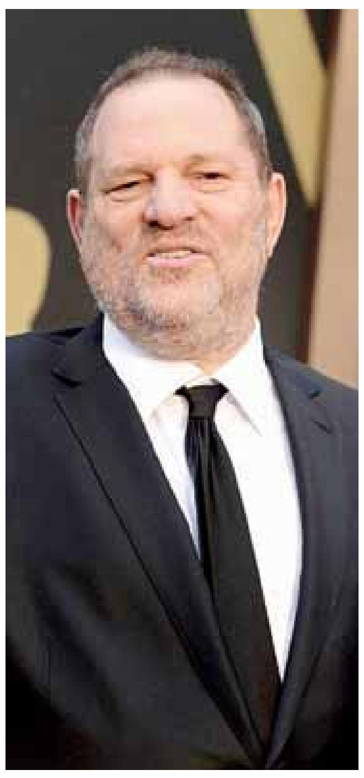

वाशिंगटन। हॉलीवुड फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। अमेरिकी मीडिया ने यह खबर दी है। बलात्कार और यौन उत्पीड़न के दोष में वीनस्टीन को 23 साल कैद की सजा सुनाई गई है और वह फिलहाल उत्तरी न्यूयॉर्क प्रांत की जेल में है। सबसे पहले स्थानीय समाचार-पत्र निगारा गजट ने वीनस्टीन के संक्रमित होने की खबर रविवार शाम को दी थी। वीनस्टीन के प्रवक्ता ने इस विषय पर मीडिया की खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

‘वही काम लेता हूं जो मेरी मां गर्व से देख सकती हों’

उन्हें उनके चुटीले, मस्त और मसखरे संवादों के लिए जाना जाता है। किसी रंगारंग कार्यक्रम या टीवी शो की मेजबानी करने के दौरान उसमें कॉमेडी का पुट देकर वो उसे और भी मनोरंजक बना देते हैं। पायनियर संवाददाता **मुज़्बा हाशमी** से बातचीत के दौरान अन्य बातों के अलावा अपने वर्तमान टीवी के हिट शो **‘सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स’** के सीज़न 8 का हिस्सा बनने के अपने आकर्षण के बारे में भी बताया-

■ आपने शो ‘सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स’ के सीज़न 8 का हिस्सा बनने के लिए किस आधार पर अपनी सहमति दी थी?

मैं एक लंबे समय से ज़ी टीवी के साथ जुड़ा हुआ हूं। मैंने अपना कॅरियर भी इसी चैनल से प्रारंभ किया था और मैं इसके कुछ अद्भुत प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा रहा हूं। इस बार मुझे इस शो ‘सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स’ के सीज़न 8 की मेजबानी का दायित्व मिला तो मेरे पास इसे मना करने का कोई भी कारण नहीं था। मैंने सोचा कि ये अच्छा प्लेटफॉर्म है और इससे पहले मैं इस शो का कभी हिस्सा नहीं रहा था। इसके अलावा ये शो 25 साल से चल रहा है और आज भी लोकप्रिय है। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के पीछे यही कारण हैं।

■ क्या आपको बच्चों वाले कार्यक्रम की मेजबानी करते समय अधिक सतर्क रहना होता है?

जी हां, जब भी मैं किसी शो को होस्ट करता हूं तो मेरा प्रयास रहता है कि मैं किसी प्रकार के भद्दे जोक्स न करूं और किसी पर अप्रिय कटाक्ष न करूं। यही मेरी यूएसपी है। और जब आपके आस-पास बच्चे हों, तब तो मुझे और भी अधिक सतर्क रहना होता है। हम जो भी करते हैं वे उसकी पुनरावृत्ति करते हैं। मैं ही नहीं बल्कि सेट पर सभी लोग इस बात का विषेष ध्यान रखते हैं। हमारा सदैव प्रयास रहता है कि बच्चे हमसे कुछ अच्छा सीखकर जाएं। एक और बात जो हम बच्चों को सिखाने का प्रयास करते हैं वो ये है कि हमें सदैव जीतने की ही नहीं सोचना चाहिये, क्योंकि हर कोई तो विजेता बन नहीं सकता, ऐसे में विकल्प केवल सीखने का ही बचता है तो सभी को शो पर अधिकतम सीखने पर ही अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिये।

■ क्या आप सदा से ही मेजबानी में ही काम करना चाहते थे?

मैं सदा से मनोरंजन उद्योग का हिस्सा बनना चाहता था। लेकिन मुझे तनिक भी नहीं पता था कि मैं अंततः होस्ट बन जाऊंगा। मैं जब मुंबई आया उस समय मुझे जो भी काम मिला मैंने कर लिया। कुछ लोग मुझे बताते हैं कि उन्होने कभी सोचा नहीं था कि मैं इतनी ऊंचाई तक पहुंच जाऊंगा। मैं उन्हें बताता हूं कि ‘आप बोल रहे हो तो हो सकता है कि मैं यहां तक पहुंचा हूं लेकिन मैंने कभी इस बारे में कभी सोचा नहीं है। मैं ऐसी बातों पर विचार नहीं करता। मैं तो बस अपना काम ध्यान से करने पर ही अपना फाकस रखता हूं और हर दिन कुछ अच्छा करने का प्रयास करता हूं।

■ क्या फिल्म इंडस्ट्री में आकर आपको कोई सीख मिली?

हां हरेक को धैर्य का परिचय देना चाहिये और हर बार आपको उसी समर्पण के साथ अपना प्रयास करते रहना चाहिये। आपके पास किसी भी दिन को हल्के में लेने का विकल्प नहीं है। आपको चीजों को गंभीरता से लेना चाहिये। मैंने इस अवधि में बहुत काम किया है और विविध प्लेटफॉर्म पर काम किया है लेकिन एक दिन भी मैंने कभी आराम करने या काम को गंभीरता से न लेने के बारे में नहीं सोचा। मैं आज भी उसी उत्साह के साथ उठता हूं जैसे मैं मुंबई में पहली बार आने के बाद उठता था।

■ क्या आपको किसी चुनौती का सामना करना पड़ा है?

मैं किसी भी चीज को संघर्ष के तौर पर नहीं लेता। मैं इसे सीखने की अवधि कहता हूं। मैं जब मुंबई आया था उस समय मुझे सहारा देने वाला कोई नहीं था और ये भी नहीं पता था कि आगे काम क्या करूंगा? लेकिन ईष्वर मेरे साथ था और धीरे धीरे मैंने अपनी राह बना ही ली।

दर्षकों का मुझे विषेष स्नेह मिला। उन्हें मेरा काम अच्छा लगा और उन्होंने मेरी प्रषंसा भी की थी। मैंने वो दिन भी देखे हैं जब मेरे पास कोई काम नहीं था और आज का समय जब मेरे काम की कमी नहीं है। ये सब तो जीवन के आवष्यक अंग जैसे होते हैं।

■ मनोरंजन उद्योग का हिस्सा बनने के आपके निर्णय का परिवार ने कितना समर्थन किया?

मेरे परिवार ने तो मेरा लगातार साथ दिया। मेरा संबंध ऐसे परिवार से था जिसमें से कभी कोई मनोरंजन उद्योग में नहीं गया। मेरे पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। कई लोग उनसे पूछते हैं कि मैं क्या और क्यों कर रहा हूं। लेकिन उनका दृढ़तापूर्वक कहना था कि मुझे जो अच्छा लगे कर सकता हूं। आज यदि मैं यहां तक पहुंचने में सफल रहा हूं तो ये उनके आषीर्वाद के बिना संभीव नहीं था।

■ अपनी यात्रा के कुछ सर्वश्रेष्ठ पलों से हमें भी अवगत कराइये।

ऐसे कई क्षण आए हैं। लेकिन एक मैं आपसे साझा करता हूं। मैं अपने कॅरियर के आरंभिक दिनों में अमिताभ बच्चन से मिला था। मैं उनसे ऐसे समय मिला जब मैं एक पुरस्कार वितरण समारोह की मेजबानी कर रहा था। इसके बाद मैंने उनके साथ कौन बनेगा करोड़पति के एक एपिसोड को भी होस्ट किया। इसके अलावा सलमान सर, शाहरुख सर और अक्षय सर के साथ काम करना भी मेरी उपलब्धि मानी जा सकती है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं ऐसे सुपरस्टर्स से भी मिल पाऊंगा।

■ कॉमेडी के प्रति आपका दृष्टिकोण कैसा है?

ऐसा कोई विषेष दृष्टिकोण नहीं है। मैं इसके बारे में गंभीरता से नहीं सोचता। मैं केवल वही काम लेता हूं जो मेरी मां गर्व से देख सकती हों। मैं कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहता जिससे मेरे माता-पिता को मुझपर या मेरे काम पर शर्मिंदा होना पड़े।

■ क्या आप वैसे ही हैं जैसे परदे पर दिखते हैं?

जी हां, कुल मिलाकर मैं वैसा ही हूं। मैं एकदम मस्त आदमी हूं। जब मैं परिवार-पत्नी और दो बच्चों, के साथ होता हूं तो मैं पारिवारिक व्यक्ति हूं और जब काम पर होता हूं तो उसे भी गंभीरता से लेता हूं। मैं अपने आसपास के सभी लोगों को प्रसन्न देखना चाहता हूं क्योंकि उससे मुझे सकारात्मक वाइब्स मिलती हैं।

■ आपकी आने वाली परियोजनाएं कौन कौन सी हैं?

मैंने हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक फिल्म ‘विजयनगर’ की शूटिंग पूरी की है। ये वेब पर मेरा पदार्पण शो है। कुछ अन्य ओटीटी प्लेटफॉर्म के प्रोजेक्ट्स पर भी बात चल रही है। इसके अलावा मैं सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स भी होस्ट कर रहा हूं। इसके अलावा कुछ परियोजनाएं और भी हैं जो समय के साथ आपको पता चल जाएंगी।

घर पर छुट्टी मना रहे हैं रणवीर और दीपिका

एजेंसी। मुंबई

कोरोना वायरस को लेकर अधिकतर बॉलिवुड कलाकार इस समय अपने घर पर हैं। स्टार अपने घर पर क्या कर रहे हैं, इसके चित्र और विडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। ऐक्टर रणवीर सिंह ऐक्टिंग के साथ-साथ अपने खास अंदाज को लेकर चर्चा में रहते हैं। रणवीर सिंह और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण कोरोना वायरस के चलते अपने घर पर हैं। इस दौरान रणवीर ने अपने प्रशंसकों के लिए सोशल मीडिया पर एक प्रश्न और उत्तर का एक सत्र रखा और उन सवालों के जबाव दिए। इस दौरान एक फैन ने पूछाकि दीपिका पादुकोण का कौन सा कैरेक्टर उनका फेवरिट है? इस पर ऐक्टर ने फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में दीपिका के मीनाम्मा की तस्वीर शेयर की। यह उनके फेवरिट कैरेक्टर में से एक है।

एक अन्य फैन ने पूछाकि क्वारंटाइन डेज में समय कैसे स्पेंड कर रहे हो? इस पर रणवीर सिंह ने अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह पियानों बजाते नजर आ रही हैं। इसके साथ लिखाकि खाना, सोना, एक्सर्साइज करना और फिल्म देखने के साथ दीपिका खुद सिखा रही हैं कि पियानो कैसे बजाया जाता है। बता दें कि बीते रविवार को जनता कर्फ्यू के दिन दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी बालकनी में आए और कोरोना वायरस वॉरियर्स के लिए चीयर किया। इसके बाद ऐक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इसके विडियो को शेयर किया था। दीपिका पादुकोण एक बार फिर अपनी अदाओं से फैन्स को दीवाना बनाती नजर आ रही हैं। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर कीं, वह दिखाता है कि यह अदाकार ऐक्टिंग के साथ ही मॉडल जैसे पोज देने और अदाओं से दिल जीतने में कितनी माहिर है। दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट फोटोशूट से जुड़ी तस्वीरें शेयर की हैं। इसी के साथ उन्होंने उस मैगजीन का कवर पेज भी शेयर किया थाए जिसे फैन्स जमकर लाइक कर रहे हैं। समुद्र किनारे ली गईं इन तस्वीरों में दीपिका फैशन डिजाइनर अमित अग्रवाल की टूल ड्रेस में जनर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने सिल्वर ईयररिंग्स और ब्रेसलेट पहने हैं जो टिफनी के हैं। वैसे दीपिका ने तो इस मैगजीन के लिए जितनी भी अदाएं दिखाईं और उसके फोटोज शेयर किए, उन सबमें वह सुपर गॉरजस लग रही हैं। अब दीपिका के एयरपोर्ट लुक की भी बात कर लेते हैं। इस हसीना को मुंबई एयरपोर्ट पर एक बार फिर स्टाइलिश अंदाज में स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट पर एक बार फिर दीपिका का मोनोक्रोम लुक लव देखने को मिला। वह ऊपर से लेकर नीचे तक ऑल ब्लैक कलर में नजर आ रही थीं। दीपिका टर्टल नेक स्वैटशर्ट, ब्लैक लोअर और उसके ऊपर से फुल लेंथ जैकेट पहनी हुई थीं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक स्पोर्ट्स शूज पहने थे। वहीं उन्होंने काला चश्मा लगाते हुए बालों को लाइट बन में बांध रखा था। इसके साथ इस अदाकारा ने गोल्ड ईयररिंग्स पहने थे। वैसे यह तो मानना पड़ेगा कि दीपिका का यह लुक न सिर्फ स्टाइलिश था बल्कि यह काफी कंफर्टेबल भी था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह और दीपिका पादकोण फिल्म 83 में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना वायरस के चलते रिलीज डेट को पोस्ट कर दिया है। कबीर खान के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म साल 1983 में भारत की क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत पर आधारित है। इस फिल्म में रणवीर सिंह कपिल देव की भूमिका में हैं और दीपिका पादुकोण कपिल देव की पत्नी रोमी भाटिया के किरदार में नजर आएंगी। शादी के बाद यह पहला मौका होगा जब रणवीर और दीपिका एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे।

कंगना ने दी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि

एजेंसी। मुंबई

कंगना रनौत 23 मार्च को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। कंगना ने इस मौके पर एक विडियो शेयर किया है। इस विडियो में वह भारत के महान क्रांतिकारियों भगत , सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं। दरअसल 23 मार्च के दिन ही इन शहीदों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया था। कंगना ने अलग तरह से ही अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया है। दरअसल 23 मार्च के ही दिन साल 1931 में भारत के महान क्रांतिकारी भगत सिंहए सुखदेव और राजगुरु को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी के फंदे पर लटका दिया था। ऐसे में कंगना ने अपने जन्मदिन के मौके पर एक विडियो शेयर कर इन तीनों शहीदों को श्रद्धांजलि दी है। विडियो में कंगना पिंक कलर की साड़ी में हैं, गोल्ड जूलरी पहने दिखाई दे रही हैं। विडियो की शुरुआत में वह अपने परिवार, दोस्तों और फैन्स को जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया कहती हैं। इसके बाद कंगना मशहूर शायर कैफी आजमी की नज्म-अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों गुनगुनाती नजर आती हैं। बता दें कि कंगना इस समय हिमाचल प्रदेश के मनाली में अपने परिवार के साथ बर्थडे मना रही हैं। चूंकि कोरोना वायरस के कारण सारी ही शूटिंग टल चुकी हैं। इसलिए कंगना काफी पहले ही मनाली पहुंच चुकी हैं और कुछ समय वहीं रुकेंगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना पिछली बार फिल्म पंगा में ऋचा चड्ढा और नीना गुप्ता के साथ दिखाई दी थीं। अब वह तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की बायोपिक में दिखाई देंगी।

सोनाक्षी ने दिया मजेदार जवाब

सोनाक्षी सिन्हा से फैन ने पूछाकि घर में कैसे रहें? ऐक्ट्रेस ने दिया मजेदार जवाब। इन दिनों भारत समेत दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस के कारण हर कोई परेशान है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि जब तक बहुत जरूरी न हो वे घर से बाहर न निकलें। यहां तक कि बॉलिवुड सिलेब्स ने भी खुद को सेल्फ आइसोलेट कर लिया और वे फैंस से भी घर में रहने की अपील कर रहे हैं। स्टार्स इस समय घर में किताबें पढ़ रहे हैं और सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर लोगों से बातें कर रहे हैं। हाल ही में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को उसके विचित्र सवाल पर मजेदार जवाब दिया। सोनाक्षी सिन्हा इंस्टाग्राम पर अक्सर सवाल-जवाब वाले सेशन करती हैं जिसे फैंस काफी पसंद करते हैं। पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल हों या फिर प्रफेशनल लाइफ से, सोनाक्षी सभी के जवाब हटकर अंदाज में देती हैं। अब उनसे एक यूजर ने पूछा कि आप शादी कब कर रही हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहाकि कहां पे मिलता है ये? कहां से ले सकती हूं मैं? कोई बता दो। ऐक्ट्रेस ने आगे लिखा- इतनी चिंता तो मम्मी पापा को भी नहीं रहती। यही नहीं, सोनाक्षी ने आगे फनी जवाब दिए। जब एक फैन ने उन्हें अपनी फेवरिट ऐक्ट्रेस बताया तो उन्होंने कहा कि से दूर रहें। जब एक यूजर ने पूछा कि क्या वह जिम करती हैं तो उन्होंने रिप्लाई कियाए, नहीं, कसरत करती हूं। चूंकि इन दिनों कोरोना काल चल रहा है तो एक यूजर ने पूछ लिया कि कैसे रहें घर में? इसके जवाब में सोनाक्षी ने गजब का जवाब दिया। बचपन से लेकर आज तक जैसे रहे हो, वैसे ही। एक और शख्स ने ऐक्ट्रेस से पूछ लिया कि क्या वह अपने पति के नाम से शादी करेंगी? इसके जवाब में उन्होंने कहाकि नहीं, पूरे पति से शादी करूंगी, न सिर्फउसके नाम से। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी आखिरी बार सलमान खान के साथ फिल्म दबंग 3 में नजर आई थीं।

कोरोना से निपटने को लेकर अमिताभ ने डॉक्टरों को दिया धन्यवाद

एजेंसी। मुंबई

अमिताभ बच्चन ने एक तस्वीर शेयर की जिसमें एक नर्स मास्क लगाए हुए है और उसकी गोद में भारत का नक्शा है। वह नक्शे को इस तरह लिए हुए है जैसे नर्स छोटे बच्चों को गोद में लिए रहती है। चित्र देखकर ऐसा लग रहा है कि यह किसी की बनाई हुई पेंटिंग है। कोरोना वायरस को लेकर लोगों को तरह-तरह से जागरूक किया जा रहा है। इस संकट की घड़ी में निस्वार्थ भाव से लोगों का इलाज करनेवाले डॉक्टरों का भी लोग शुक्रिया अदा कर रहे हैं। सोमवार को सदी के महानायक और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने भी उन्हें नमन किया। तस्वीर देखकर यह समझा जा सकता है कि एक डॉक्टर या नर्स के लिए उसका देश और वहां के लोग कितना मायने रखते हैं। चित्र को जारी करते हुए अमिताभ ने लिखा- उन्हें सम्मान, उन्हें आदर, उन्हें नमन करने के लिए जिन्होंने सभी परिस्थितियों में काम करना जारी रखा है। बिग बी के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे रहें। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद रविवार यानी 22 मार्च अमिताभ भी अपने पूरे परिवार के साथ ताली बजाने घर की छत पर पहुंचे थे। उनके फोटोज और विडियोज सोशल मीडिया पर काफी दिख वायरल हो रहे हैं।

बच्चन ने आलोचना के बाद ट्वीट डिलीट किया

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की उनकी एक ट्वीट के लिए काफी आलोचना हो रही है। बच्चन ने अपने इस ट्वीट में दावा किया था कि रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान ताली और शंख बजाने से होने वाले कंपन से कोरोना वायरस का प्रभाव कम हो जाएगा या नष्ट हो जाएगा, क्योंकि यह अमावस्या का दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान जरूरी सेवाएं मुहैया कराने वालों का आभार जताने के लिए ताली बजाने या थाली बजाने की अपील की थी। इसकी गलत व्याख्या करते हुए कई फेक न्यूज आई थीं। इसी कड़ी में बच्चन का ट्वीट आया था। 77 साल के अभिनेता ने अपने इस ट्वीट को अब डिलीट कर दिया है। इस में उन्होंने कहा था कि एक राय दी गई कि 22 मार्च को शाम पांच बजे अमावस्या के दिन वायरस बैक्टीरिया की बुरी ताकतें अपने चरम पर होती हैं। शंख बजाने से होने वाले कंपन से वायरस का प्रभाव कम हो जाता है या नष्ट हो जाता है, क्योंकि चांद नए नक्षत्र रेवती की ओर जाता है। बच्चन ने अपना यह ट्वीट अपनी फोटो के साथ पोस्ट किया था और इसके साथ तीन प्रश्नवाचक चिन्ह लगाए थे। इस वजह से कई लोगों को हैरानी हुई कि क्या अभिनेता अपनी राय साझा कर रहे हैं या सोशल मीडिया पर चल रहे मत पर सवाल कर रहे हैं। बहरहाल, सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वालों ने गैर तथ्यात्मक बात पोस्ट करने के लिए उनकी आलोचना की। सबसे पहले, गीतकार वरुण ग्रोवर ने बच्चन की आलोचना की और कहा कि इस मुश्किल वक्त में अभिनेता को और जिम्मेदार होना चाहिए।